UFT LIVE TV
www.upfighttimes.com
upfighttlmesnews@gmail.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

यूपी फाइट टाइम्स

आरएनआई नं0/2020/80511

संपादक :- सतीश कुमार गोयल

वर्ष : 04 - अंक : 228 पृष्ठ - 8 मूल्य - 1:00 रूपये

(फतेहपुर से प्रकाशित)

फतेहपुर, सोमवार 03 जून 2024

मोदी की ध्यान साधना और उस पर ... 4

मालगाड़ी का पहिया निकलकर ... 5

सिक्किम में एसकेएम को फिर से मिली जीत, कांग्रेस और भाजपा का खाता तक नहीं खुला

संवाददाता

नई दिल्ली। सिक्किम की 32 विधानसभा सीटों पर नतीजे आने लगे हैं। मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग के नेतृत्व में सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) अभी सत्ता में है। एसकेएम का सीधा मुकाबला सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) से है। यहां भाजपा और कांग्रेस भी हैं। इनकी मौजूदगी नाममात्र की है।

सिक्किम के मुख्यमंत्री और सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) सुप्रीमो पीएस तमांग ने सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) के सोमनाथ पौडयाल को 7,044 मत से हराकर रविवार को रहेनोक विधानसभा सीट जीत ली। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।अधिकारी ने बताया कि तमांग को 10,094 मत मिले, जबकि सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट के उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 3,050 मत मिले। सिक्किम में 32 विधानसभा सीट के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रविवार सुबह छह बजे मतगणना शुरू हुई। सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) के समदुप लेप्चा ने रविवार को अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी एवं सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) के हिशे लाचुंगपा को 851 मतों से हराकर लाचेन मंगन विधानसभा सीट जीत ली है। सिक्किम में 32 विधानसभा

सीट के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुबह छह बजे मतगणना शुरू हुई। लेप्चा को 3,929 जबकि हिशे को 3,078 मत मिले। सिक्किम के विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग के नेतृत्व वाली सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) ने प्रचंड बहुमत के साथ जीत हासिल की है। सीएम तमांग ने खुद दो विधानसभा क्षेत्रों से जीत हासिल की है। कभी सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) के संस्थापक और पूर्व सीएम पवन कुमार चामलिंग को अपना राजनीतिक गुरु मानने वाले तमांग ने एसडीएफ के खिलाफ ही विरोध की आवाज को बुलंद किया था। इसके बाद लगातार दो चुनावों में एसकेएम ने एसडीएफ को करारी शिकस्त देकर सत्ता का सिंहासन हासिल किया। प्रेम सिंह तमांग कौन हैं उनका जन्म कब-कहां हुआ उन्होंने कहां से शिक्षा हासिल की उन्होंने कब राजनीति में कदम रखा कैसे अपने राजनीतिक गुरु कहे जाने वाले पूर्व सीएम चामलिंग के खिलाफ विद्रोह कर वे सिक्किम के मुख्यमंत्री बने विवाद में रहने के बाद भी उन्होंने कैसे मजबूत जनाधार हासिल किया इन सब सवालों का जवाब आपको इस रिपोर्ट में मिलेगा।प्रेम सिंह तमांग का जन्म 5 फरवरी 1968 को पश्चिम सिक्किम के सिंग्लिंग बस्टी में हुआ था। उनके पिता का नाम कालू सिंह तमांग और मां का नाम धन माया तमांग है। शुरुआती शिक्षा हासिल करने के बाद तमांग ने 1988 में दार्जिलिंग गवर्नमेंट कॉलेज से कला में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। राजनीति में आने से पहले तमांग सरकारी शिक्षक थे। हालांकि, शिक्षक की नौकरी के बदले उनकी सामाजिक कार्यो में अधिक रूचि रही। इसी वजह से वे बाद में सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) की राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेना शुरू कर दिया और पार्टी के सदस्य बन गए। इसके बाद उन्होंने सरकारी नौकरी से इस्तीफा दे दिया और एसडीएफ के स्थाई सदस्य बन गए। चामलिंग, एसडीएफ के संस्थापक रहे पूर्व सीएम पवन कुमार चामलिंग को अपना राजनीतिक गुरु मानते थे।वर्ष 1994 में तमांग ने अपने जीवन का पहला विधानसभा चुनाव लड़ा। एसडीएफ के टिकट पर सोरेंग चाकुंग सीट से चुनाव लड़कर उन्होंने पहली जीत भी दर्ज की। 1994 से 1999 तक वे पशुपालन, चर्च और उद्योग विभाग के मंत्री रहे।

1999 के विधानसभा चुनाव में में वे एक बार फिर से सोरेंग चाकुंग विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने गए। वर्ष 1999 से लेकर 2004 तक उन्होंने राज्य के उद्योग और पशुपालन मंत्री के रूप में कार्य किया। अगले चुनाव यानी वर्ष 2004 में उन्होंने एक बार फिर से चाकुंग निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार सतीश मोहन प्रधान को हराकर जीत दर्ज की। इसी के साथ वे राज्य के भवन एवं आवास विभाग के मंत्री बने। 2009 में प्रेम सिंह तमांग ने अपर बुर्तुक से चुनाव लड़ा और कांग्रेस प्रत्याशी अरुण कुमार राय को मात दी। चुनाव के तुरंत बाद उन्हें उद्योग विभाग का अध्यक्ष चुना गया हालांकि, उन्होंने अध्यक्ष के रूप में काम नहीं किया।दरअसल, 2009 में सिक्किम के कर्मचारियों द्वारा रोलू पिकनिक कार्यक्रम के बाद तमांग और एसडीएफ के बीच मनभेद हो गया। इसकी वजह यह थी कि सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। इस घटना के बाद से एसडीएफ से तमांग की दूरियां बढ़ने लगीं थीं। इसके बाद वह पार्टी के बागी विधायकों की श्रेणी में शामिल हो गए। समय के साथ-साथ वे प्रत्यक्ष रूप से एसडीएफ का विरोध करने लगे थे। इसके बाद वर्ष 2013 में उन्होंने आधिकारिक रूप से एसडीएफ से पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। वर्ष 2013 में एसडीएफ से प्रेम सिंह तमांग के इस्तीफे के बाद राज्य में सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) नाम से नई पार्टी अस्तित्व में आई। तमांग ने पार्टी का गठन किया और 2014 के विधानसभा चुनाव में ताल ठोक दी। इस दौरान एसकेएम ने राज्य की 32 में से 10 सीटों पर जीत दर्ज की। 43 प्रतिशत मतदान प्रतिशत के साथ राज्य में एसकेएम के लिए अच्छी शुरुआत थी। कह सकते हैं कि यह समय चामलिंग के नेतृत्व वाली एसडीएफ के लिए एक चुनौती की तरह था। 2014 के चुनाव में एसडीएफ ने 22 सीटें जीतीं और पवन कुमार चामलिंग लगातार पांचवीं बार सीएम बने थे।

पीएम मोदी ने चक्रवात को लेकर बैठक की, इन अहम मुद्दों पर भी चर्चा जारी

संवाददाता

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने इस साल भीषण गर्मी पड़ने की भविष्यवाणी की है। मई के माह में तापमान 50 के पार जा चुका है। इसे देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक्शन में आ गए हैं। पीएम मोदी गर्मी से निपटने को लेकर की जा रही तैयारियों पर समीक्षा बैठक की।प्रधानमंत्री मोदी आज विभिन्न विषयों पर सात बैठक कर रहे हैं। चक्रवात के बाद की स्थिति की समीक्षा के लिए पहली बैठक की। इस दौरान विशेष रूप से पूर्वोत्तर के राज्यों की स्थिति पर चर्चा की।इसके अलावा, वह देश में हीटवेव की स्थिति की समीक्षा के लिए एक बैठक करेंगे। वह बड़े पैमाने पर विश्व पर्यावरण दिवस मनाने की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए एक बैठक करेंगे। इसके बाद वह 100 दिवसीय कार्यक्रम के एजेंडे की समीक्षा के लिए एक लंबा मंथन सत्र आयोजित करेंगे।पीएमओ ने बताया कि बैठक के दौरान प्रधानमंत्री को प्रभावित राज्यों पर चक्रवात के प्रभाव के बारे में जानकारी दी गई। मिजोरम, असम, मणिपुर, मेघालय और त्रिपुरा में भूस्खलन और बाढ़ के कारण मानव जीवन के नुकसान और घरों और संपत्तियों को हुए नुकसान पर भी चर्चा की गई।प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत सरकार चक्रवात से प्रभावित राज्य को पूरा सहयोग देना जारी रखेगी। प्रधानमंत्री ने गृह मंत्रालय को स्थिति की निगरानी करने और बहाली के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए नियमित रूप से मामले की समीक्षा करने का भी निर्देश दिया।पीएम ने हाल में आए चक्रवात के बाद की स्थिति, खासकर पूर्वोत्तर राज्यों के संबंध में समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। चक्रवात रेमल के आने के बाद पूर्वोत्तर के आठ राज्यों में से चार में भारी बारिश और भूस्खलन में कम से कम 36 लोगों की मौत हो गई,

चुनावी गणित नहीं गुरु दर्शन, गोसेवा और बालप्रेम में रमे रहे सीएम योगी- होती रही रिमझिम बारिश

संवाददाता

लखनऊ। लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण का मतदान समाप्त होने के अगले दिन रविवार को जहां कई

राजनेता चुनावी गणित समझने में उलझे रहे होंगे तो वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए रविवार की सुबह भी रोज की तरह रही। गुरु दर्शन, पूजन, गोसेवा और भारत के भावी भविष्य को स्नेहाशीष का पोषण। सुबह की रिमझिम बारिश से गोवंश तथा बच्चों के बीच सीएम योगी की आत्मीयता का वातावरण और आनंदित करने वाला रहा।गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ की प्रातःकालीन दिनचर्या में बदलाव नहीं होता है। लोकसभा चुनाव को लेकर दो महीने की व्यस्तता के बीच सीएम जब भी मंदिर आए तो दर्शन-पूजन के साथ उन्हें बेहद आत्मीय संतोष देने वाली गोसेवा और बच्चों से मुलाकात-संवाद उनकी दिनचर्या का हिस्सा बनी रही। सीएम योगी शुक्रवार शाम से गोरखनाथ मंदिर प्रवास पर हैं। रविवार उनकी दिनचर्या परंपरागत रही। शिवावतार गुरु गोरक्षनाथ का दर्शन-पूजन कर उन्होंने लोकमंगल की कामना की। फिर अपने ब्रह्मलीन गुरुदेव महंत अवेद्यनाथ की समाधि पर जाकर मत्था टेका और उनका आशीर्वाद लिया।तत्पश्चात हर बार की तरह वह मंदिर परिसर के भ्रमण पर निकले। इस दौरान रिमझिम बारिश शुरू हो गई लेकिन उनके कदम नहीं रुके। भ्रमण करते हुए परिसर में उनकी नजर श्रद्धालुओं के साथ आए उनके बच्चों पर पड़ गई। मुस्कुराते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बच्चों को अपने पास बुला लिया, सबके माथे पर हाथ फेरकर प्यार-दुलार और आशीर्वाद देने लगे।उन्होंने बच्चों से उनका नाम, उनकी पढ़ाई के बारे में पूछा, खूब हंसी ठिठोली की और सभी को चॉकलेट देकर विदा किया।

अब पता नहीं कब लौटूंगा, तिहाड़ में सरेंडर से पहले बोले सीएम केजरीवाल

संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अंतरिम जमानत की अवधि खत्म होने पर आज तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण करेंगे। वह अपने आवास से निकल चुके हैं। वह राजघाट और हनुमान मंदिर भी गए। अब वह पार्टी दफ्तर पहुंच चुके हैं। यहां वह पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और उन्हें संबोधित किया। इसके बाद यहां से वह तिहाड़ के लिए रवाना होंगे।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भगत सिंह ने कहा था कि जब सत्ता तानाशाही बन जाती है, तो जेल जिम्मेदारी बन जाती है... देश को आजाद कराने के लिए भगत सिंह को फांसी दी गई थी। इस बार मैं जेल जा रहा हूं, मुझे नहीं पता कब वापस आऊंगा...भगत सिंह को फांसी हुई, तो मैं भी फांसी पर चढ़ने को तैयार हूं।केजरीवाल ने कहा कि आबकारी नीति मामले में जांच एजेंसियों ने 500 से ज्यादा जगह रेड मारी लेकिन वो 100 करोड़ रुपये कहां गया इनके पास केजरीवाल के खिलाफ कोई सबूत नहीं है। बिना सबूत के जेल में

डाल दिया। हम देश को बचाने के लिए जेल में जा रहे हैं।मैं आज इसलिए जेल नहीं जा रहा कि मैंने कोई भ्रष्टाचार किया है। मैं इसलिए जेल जा रहा हूं क्योंकि मैंने तानाशाही के खिलाफ आवाज उठाने की जुर्रत की हैः अरविंद केजरीवालसीएम केजरीवाल बोले, आम आदमी पार्टी उतनी जरूरी नहीं है, यह सेकेंडरी है। हमारे लिए देश बचाना जरूरी है। भारत माता की जय के साथ सीएम अरविंद केजरीवाल ने अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने सबसे पहले चुनाव प्रचार के लिए सुप्रीम कोर्ट की ओर से मिली मोहलत को लेकर कोर्ट का शुक्रिया किया। केजरीवाल ने कहा कि ये 21 दिन मेरे लिए अविस्मरणीय हैं। मैंने इन 21 दिनों में एक भी मिनट खराब नहीं किया। मैंने देश को बचाने के लिए देश भर में प्रचार किया। आप प्रमुख ने कहा कि पीएम मोदी ने एक इंटरव्यू में कहा कि मेरा मानना है कि केजरीवाल के खिलाफ कोई सबूत या बरामदगी नहीं है क्योंकि वह एक अनुभवी चोर हैं। चलो मान लेते हैं कि मैं एक अनुभवी चोर हूं, आपके पास मेरे खिलाफ कोई सबूत या कोई बरामदगी नहीं है तो आपने बिना सबूत के मुझे जेल में डाल दिया... उन्होंने पूरे देश को संदेश दिया कि क्या मैं उन्हें जेल में डाल सकता हूं फर्जी मामले में तो आपका क्या रुख है मैं किसी को भी गिरफ्तार करके जेल में डाल दूंगा। उन्होंने कहा कि मैं इस तानाशाही के खिलाफ लड़ रहा हूं और हमारा देश इस तरह की तानाशाही बर्दाश्त नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि भगत सिंह ने कहा था कि जब सत्ता तानाशाही बन जाती है तो जेल जिम्मेदारी बन जाती है। भगत सिंह देश को आजाद कराने के लिए जेल गए थे। इस बार मैं जेल जा रहा हूं, लेकिन मुझे नहीं पता कि कब वापस आऊंगा। ये हमारे साथ जेल में क्या-क्या करेंगे मैं इस देश के लिए जेल जा रहा हूं।मैं राजघाट गया था। पर चढ़ने को तैयार हूं। आम आदमी पार्टी जरूरी नहीं, देश जरूरी है। आपका बेटा दोबारा जेल जा रहा है। मैंने तानाशाही के खिलाफ आवाज उठाने की कोशिश की है। मोदी जी ने भी माना कि केजरीवाल के खिलाफ कोई सबूत नहीं है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल अनुभवी चोर है। मान लिया कि मैं अनुभवी चोर है। आपने बिना किसी सबूत के मुझे जेल में डाल दिया। आपने भारी बहुमत वाली सरकार को जेल में डाल दिया। यही तो तानाशाही है। जिसका मन होगा ये जेल में डाल देंगे। इसी तानाशाही के खिलाफ लड़ रहा हूं। भगत सिंह ने कहा था कि जब सत्ता तानाशाही बन जाए तो जेल जिम्मेदारी बन जाती है। भगत सिंह देश को आजाद कराने के लिए जेल गए थे। इस बार मैं जेल जा रहा हूं, लेकिन मुझे नहीं पता कि कब वापस आऊंगा... अगर भगत सिंह को फांसी हुई तो मैं भी फांसी

लोकतंत्र पर विपक्ष के सवाल रणनीति के तहत-पीएम मोदी

संवाददाता

नई दिल्ली। विपक्ष के नेता सोची समझी रणनीति के तहत दुनिया में भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर रहे हैं। यह कहना है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष के तमाम आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि देश में चुनाव आयोग स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से चुनाव कराता है। उन्होंने न्यायिक प्रक्रिया में सरकारी हस्तक्षेप से इनकार करते हुए कहा कि देश की अदालतें अपना काम करती हैं। उन्होंने एक साक्षात्कार में विपक्षी नेताओं पर निशाना साधा।

'दो मुख्यमंत्रियों को जेल भेजने के सवाल पर पीएम मोदी' ने जवाब दिया कि नोटों के पहाड़ पकड़े जा रहे हैं। सरकार कुछ करेगी नहीं तो कहेंगे कुछ अडजस्टमेंट हो चुका है। दिल्ली

के बच्चों की जिंदगी बर्बाद करने के लिए स्कूल के बगल में शराब के ठेके खुलवा दिए। किसी को न्यायिक प्रक्रिया देखनी है तो सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड के सीएम और दिल्ली के मंत्री के लिए हाईकोर्ट ने जो कहा है उसे देखना चाहिए। फैसले अदालत करती है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि यूपीए शासन 15 अगस्त और 26 जनवरी के कार्यक्रम में भाजपा अध्यक्ष रहे राजनाथ सिंह को समुचित सम्मान नहीं मिला। सातवीं-आठवीं कतार में उन्हें सीट दी गई। घटना पर किसी ने सवाल नहीं किया। हम आज सच बोलते हैं तो बुरा लगता है। सच बोलने की अगर सजा होती है तो मोदी उसे भुगतने को तैयार है।'विपक्षी नेता चुनाव आयोग को गाली देते हैं' इस सवाल पर पीएम मोदी ने कहा कि 1991 में आतंकी हमले में राजीव गांधी की हत्या के बाद बिना कारण देशभर में चुनाव रोक दिया गया। ये कौन सा लेवल प्लेइंग फील्ड था?पीएम मोदी ने कहा कि देश के कई राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू है। उत्तराखंड की भाजपा सरकार ने अपने यहां समान नागरिक संहिता को लागू कर दिया है। इससे वहां किसी को कोई परेशानी नहीं है। विपक्ष भी इसके खिलाफ नहीं बोल पा रहा। यूसीसी संविधान की भावना के अनुरूप है। हमारे संविधान निर्माता भी चाहते थे कि देश में एक तरह की नागरिक संहिता हो। समान नागरिक संहिता हमारे संकल्प पत्र का हिस्सा है और इसे लेकर हम प्रतिबद्ध हैं। मुझे आशा है कि जब हम सदन में इसे लेकर आएंगे तो विपक्ष इसका समर्थन करेगा। 2014 में जब सत्ता में आए, तब धारणा बनाई गई कि अब मुस्लिम देशों से भारत के रिश्ते प्रभावित होंगे।

फतेहगढ़ साहिब सरहिंद में बड़ा हादसा, दो मालगाड़ी और एक यात्री ट्रेन टकराई

संवाददाता

नई दिल्ली। फतेहगढ़ साहिब में बड़ा हादसा हुआ है। सरहिंद रेलवे स्टेशन से कुछ ही दूरी पर माधोपुर चौकी नजदीक रविवार तड़के करीब 3:30 रेल हादसा हुआ है। यहां दो गाड़ियों की टक्कर हो गई। एक माल गाड़ी का इंजन पलट गया और पैसेंजर गाड़ी भी चपेट में आई।

हादसे में दो लोको पायलट घायल हो गए। इनकी पहचान सहारनपुर यूपी के विकास कुमार (37) और हिमांशु कुमार (31) के तौर पर हुई है। इन्हें 108 एंबुलेंस की मदद से सिविल अस्पताल फतेहगढ़ साहिब में भर्ती कराया गया, जहां पर उनकी हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टर ने उन्हें राजिंद्रा अस्पताल

पटियाला रेफर किया। सिविल अस्पताल फतेहगढ़ साहिब में मौजूद डॉक्टर इवेनप्रीत कौर ने बताया कि विकास कुमार के सिर में हेड इंजरी आई है। हिमांशु की पीठ पर इंजरी है, हालत गंभीर है। गनीमत यह रही कि इस हादसे में बड़ा जानी नुकसान नहीं हुआ है। जानकारी के अनुसार, यह हादसा मालगाड़ियों के लिए बने डीएफसीसी ट्रैक के न्यू सरहिंद स्टेशन के पास हुआ।

अरुणाचल में खांडू सरकार की हैट्रिक, 46 सीटों के साथ मिला प्रचंड बहुमत, पीएम ने दी बधाई

संवाददाता

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए वोटों की गिनती जारी है। अरुणाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए 19 अप्रैल को मतदान हुआ था। अरुणाचल प्रदेश की दो लोकसभा सीटों के लिए मतगणना 4 जून को ही होगी। अरुणाचल प्रदेश में विधानसभा की 60 सीटें हैं, जिनमें से 50 सीटों पर मतदान हुआ और 10 सीटों पर निर्विरोध ही भाजपा उम्मीदवार जीत चुके हैं।

रुणाचल प्रदेश के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने बहुमत के साथ जीत हासिल की है। पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत दोरजी खांडू के बेटे पेमा खांडू राज्य में दो बार के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। अब तीसरी बार मिली जीत के साथ ही खांडू तीसरी बार सत्ता का सिंहासन संभालेंगे। क्या आप जानते हैं कि तीसरी बार सीएम बनने वाले पेमा खांडू कौन हैं उनके राजनीतिक जीवन की शुरुआत कब हुई कांग्रेस से बगावत करने बाद वे पहली बार मुख्यमंत्री कब बने किस तरह वे देश के सबसे युवा मुख्यमंत्री बने हम इस रिपोर्ट में आपको इन सब सवालों का जवाब देंगे। पेमा खांडू का जन्म 21 अगस्त, 1979 को तवांग में हुआ था। चीन की सीमा से सटे तवांग जिले के ग्यांगखर गांव से ताल्लुक रखने वाले पेमा खांडू मोनपा जनजाति से आते हैं। उन्होंने तवांग के बोम्बा में सरकारी माध्यमिक विद्यालय में शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद वर्ष 2000 में उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से कला स्नातक की उपाधि हासिल की। उच्च शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने राजनीति में कदम रखा। यूं तो पेमा खांडू को राजनीति विरासत में ही मिली है। उनके पिता दोरजी खांडू अरुणाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री रह चुके हैं। 2005 में पेमा खांडू राजनीति में कदम रख दिया था, जब उन्हें प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। लेकिन, उनके असल राजनीतिक सफर की शुरुआत तब होती है, जब उनके पिता दोरजी खांडू का हेलिकॉप्टर हादसे में निधन हो गया। दोरजी खांडू 2007 से 2011 तक अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे थे। इसके बाद पेमा खांडू ने वर्ष 2011 में अपने ही पिता के विधानसभा क्षेत्र मुक्तो से चुनाव लड़ा और विजयी हुए। इसके बाद पेमा खांडू को अरुणाचल प्रदेश मंत्रिमंडल में शामिल किया गया। वर्ष 2014 में पूर्व मुख्यमंत्री नबाम तुकी के नेतृत्व वाली सरकार में पेमा खांडू को शहरी विकास मंत्री नियुक्त किया गया। इसके बाद उनके राजनीतिक जीवन में बड़ा मोड़ आया। वर्ष 2014 में पेमा खांडू ने असंतुष्ट नेता कलिखो पुल का साथ देते हुए मंत्री पद छोड़ दिया। इस वजह से तुकी के नेतृत्व वाली सरकार को सत्ता से बाहर होना पड़ा। 16 जुलाई 2016 को पेमा खांडू को नबाम तुकी की जगह कांग्रेस विधायक दल का नेता चुना गया। इसके बाद 17 जुलाई 2016 को खांडू ने महज 37 वर्ष की उम्र में अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री की कुर्सी संभाली। इसके ठीक दो महीने बाद ही अरुणाचल प्रदेश में कांग्रेस के 43 विधायकों ने बगावत कर दी। खांडू के नेतृत्व में सभी विधायक भाजपा की सहयोगी पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल (पीपीए) में शामिल हो गए।

ट्रेनों में चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता

प्रयागराज। अपर पुलिस महानिदेशक रेलवे व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रयागराज अष्टभुजा प्रसाद सिंह द्वारा रेलवे स्टेशन, सर्कुलेटिंग एरिया एवं ट्रेनो में बढ़ती चोरी की घटनाओं की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी व बरामदगी, अवैध तस्करी के मद्देनजर चलायें जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी रेलवे प्रयागराज श्रीमती सुनीता सिंह के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक राजीव रंजन उपाध्याय थाना जीआरपी प्रयागराज के कुशल नेतृत्व में उ0नि0 राजवीर सिंह यादव चौकी प्रभारी जीआरपी लालगोपालगंज थाना जीआरपी प्रयागराज मय पुलिस टीम के रेलवे स्टेशन प्रयागराज पीएफ 1 पूर्वी छोर पर बने हनुमान मन्दिर के सामने से समय 08.15 बजे अभियुक्तगण (1) रामू उर्फ आदित्य भारतीया पुत्र दयाराम भारतीया नि0 खपटहिया थाना हण्डिया जनपद प्रयागराज उम्र करीब 31 वर्ष (2) अर्पित तिवारी पुत्र अनिल तिवारी नि0 ग्राम ब्यूर थाना हण्डिया जनपद प्रयागराज उम्र करीब 22 वर्ष वर्ष को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। 'नाम पता अभियक्त'

रामू उर्फ आदित्य भारतीया पुत्र दयाराम भारतीया नि0 खपटहिया थाना हण्डिया जनपद प्रयागराज उम्र करीब 31वर्ष और अर्पित तिवारी पुत्र अनिल तिवारी नि0 ग्राम ब्यूर थाना हण्डिया जनपद प्रयागराज उम्र करीब 22 वर्ष है।दोनो अभियुक्तगण उपरोक्त के कब्जे से (1) मु0अ0सं0 79/24 धारा 380/411 छ्झण से सम्बन्धित चोरी के खर्च केबाद शेष बचा धन 7000/- रूपये (रामू उर्फ आदित्य से 3800/रू0 व अर्पित तिवारी से 3200/-रूपया) तथा 2) अभि0 रामू (उर्फ आदित्य के कब्जे से (1) मु0अ0सं0 113/24 धारा 379/411 छ्झण से सम्बन्धित एक अदद चोरी की मोबाइल वीवो कम्पनी रंग गोल्डन टच स्क्रीन मय बैटरी बिना सीम चालू हालत मे चेक करने पर र्घ्इं (ग) 860378069923034 (गग) 860378069923026 वदोनो अभियुक्तगण के कब्जे से (घ्छ) मु0अ0सं0 117/24 धारा 379/411 भादवि से सम्बन्धित दो अदद अंगूठी पीली धातु की व एक जोड़ी पायल सफेद धातु (रामू उर्फ आदित्य भारतीया के कब्जे से एक पिली पन्नी में एक अदद अंगूठी पीली धातु एवं एक जोड़ी पायल सफेद धातु तथा अर्पित तिवारी के कब्जे से एक सफेद पन्नी में एक अदद अंगूठी पीली धातु) वअभि0 अर्पित तिवारी के कब्जे से (ग्न) मु0अ0सं0 124/24 धारा 379/411 छ्झण से सम्बन्धित एक अदद चोरी की मोबाइल वन प्लस कम्पनी रंग आसमानी टच स्क्रीन मय बैटरी बिना सीम चालू हालत मे चेक करने पर र्घ्इं (द) 869590064848252 (गग) 869590064848245 बरामद हुआ कुल कीमती लगभग 75000/- रू0 (पचहत्तर हजार रूपये) है।पूछने पर दोनों नें अलग अलग व एक साथ बताया कि हम लोग एक साथ मिलकर व अलग-अलग चलती ट्रेनों में यात्रा करके यात्रियों के कीमती सामानों व रेलवे स्टेशनो में चोरी कर उन्हें दूसरे अनजान यात्रियों को अपनी मजबूरी बताकरबेचकर अपने आवश्यकताओं की पूर्ती करते हैं।

आपराधिक इतिहास-अभियक्त राम उर्फ आदित्य भारतीया- (1) मु0अ0सं0 97/24 धारा 380/411 छ्झण थाना जीआरपी प्रयागराज
(2) मु0अ0सं0 113/24 धारा 379/411 छ्झण थाना जीआरपी प्रयागराज
(3) मु0अ0सं0 117/24 धारा 379/411 छ्झण थाना जीआरपी प्रयागराज
(4) मु0अ0सं0 17/22 धारा 420 छ्झण व 66 3 छ्ङ्ग थाना नैनी प्रयागराज
5) मु0अ0सं0 39/22 घारा 411/420 छ्झण व 66 3 छ्ङ्ग थाना नैनी प्रयागराज (6) मु0अ0सं0 170/22 धारा 411 छ्झण थाना नैनी प्रयागराज
((7) मु0अ0सं0 171/22 धारा 25/3 छ्ङ्ग थाना नैनी प्रयागराज
(8) मु0अ0सं0 763/21 धारा 420 छ्झण व 66 3 छ्ङ्ग थाना नैनी प्रयागराज
(9) मु0अ0सं0 823/21 धारा 379छ्झण थाना नैनी प्रयागराज
(10) मु0अ0सं0 262/21 धारा 406/411/419/420 छ्झण थाना नैनी प्रयागराज (11) मु0अ0सं0 949/18 धारा 363/366/3763 छ्झण थाना हण्डिया प्रयागराज

अभियक्त अर्पित तिवारी-(1) मु0अ0सं0 97/24 धारा 380/411 छ्झण थाना जीआरपी प्रयागराज
(2) मु0अ0सं0 117/24 धारा 379/411 छ्झण थाना जीआरपी प्रयागराज
(3) मु0अ0सं0 124/24 धारा 379/411 छ्झण थाना जीआरपी प्रयागराज
(4) मु0अ0सं0 300/21 धारा 323/452/504/506 छ्झण थाना नौबस्ता कानपुर

गिरफ्तार करने वाली टीम-उ0नि0 राजवीर सिंह यादव चौकी प्रभारी जीआरपी लालगोपालगंज। उ0नि0 मो0 गुलाम खाँ थाना जीआरपी प्रयागराज। हे0का0 पवन कुमार श्रीवास्तव थाना जीआरपी प्रयागराज। हे0का0 प्रवीण कुमार राय थाना जीआरपी प्रयागराज। उ0नि0 संजय तिवारी-इ्इ पोस्ट प्रयागराज।

भारत के सबसे लंबे समय तक सीएम रहने वाले पवन कुमार चामलिंग हारे

संवाददाता

नई दिल्ली। 74 वर्षीय चामलिंग को नामचेयबुंग विधानसभा क्षेत्र में चतुष्कोणीय मुकाबले में पूर्व नौकरशाह और एसकेएम उम्मीदवार राजू बासनेट के अलावा दो महिला उम्मीदवारों, पूजा शर्मा (भाजपा) और सेवरिन राय (सीएपी-सिक्किम) का सामना करना पड़ा। भारत के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले पवन कुमार चामलिंग और सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) के प्रमुख को पोकलोक-कामरांग निर्वाचन क्षेत्र में हार का सामना करना पड़ा। दूसरी सीट नामचेयबुंग पर शुरुआती रुझान में वह पीछे चल रहे हैं। उन्हें एसकेएम के भोज राज राय ने पोकलोक-कामरांग में 3,063 वोटों के अंतर से हराया, जबकि नामचेयबंग में वह 2,256 वोटों के अंतर से हार गए। एसडीएफ प्रमुख पवन कुमार चामलिंग विधायक के रूप में रिकॉर्ड नौवीं बार चुनाव लड़ रहे थे। उन्होंने दो विधानसभा क्षेत्रों - पोकलोक-कामरांग और नामचेयबुंग से चुनाव लड़ा था।74 वर्षीय चामलिंग को नामचेयबुंग विधानसभा क्षेत्र में चतुष्कोणीय मुकाबले में पूर्व नौकरशाह और एसकेएम उम्मीदवार राजू बासनेट के अलावा दो महिला उम्मीदवारों, पूजा शर्मा (भाजपा) और सेवरिन राय (सीएपी-सिक्किम) का सामना करना पड़ा। पोकलोक-कामरांग विधानसभा क्षेत्र में, एसडीएफ संरक्षक चतुष्कोणीय मुकाबले में हैं, जबकि एसकेएम के भोज राज राय दूसरे मुख्य उम्मीदवार हैं।

अखिलेश ने एक्जिट पोल पर कहा- इन आंकड़ों का आधार ईवीएम नहीं डीएम हैं

संवाददाता

लखनऊ। बीते शनिवार की शाम आए एक्जिट पोल में एनडीए की सरकार साफ बनते हुए दिख रही है। भाजपा भारी बहुमत के साथ वापसी करती दिख रही है। इस पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया दर्ज कराई है। अपने एक्स अकांउट पर उन्होंने एक्जिट पोल की क्रोनोलॉजी समझाई है।

एक्ज़िट पोल की क्रोनोलॉजी समझिएः - विपक्ष ने पहले ही घोषित कर दिया था कि भाजपाई मीडिया भाजपा को 300 पार दिखाएगा, जिससे घपला करने की गुंजाइश बन सके। आज का ये भाजपाई एक्ज़िट पोल कई महीने पहले ही तैयार कर लिया गया था बस चैनलों ने चलाया आज है। इस एक्ज़िट पोल के माध्यम से जनमत को धोखा दिया जा रहा है। इस एक्ज़िट पोल को आधार बनाकर भाजपाई सोमवार को खुलनेवाले शेयर बाज़ार से जाते-जाते लाभ उठाना चाहते हैं। अगर ये एक्ज़िट पोल झूठे न होते और सच में भाजपा

हार न रही होती तो भाजपावाले अपनों पर ही इल्ज़ाम न लगाते। भाजपाइयों के मुरझाए चेहरे सारी सच्चाई बयान कर रहे हैं। भाजपाई ये समझ रहे हैं कि पूरे देश का परिणाम चंडीगढ़ के मेयर के चुनाव की तरह बदला नहीं जा सकता है क्योंकि इस बार विपक्ष पूरी तरह से सजग है और जनाक्रोश भी चरम पर है। भाजपा से मिले हुए भ्रष्ट अधिकारी भी सर्वोच्च न्यायालय की सक्रियता देखकर धांधली करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं, साथ ही वो जनता के क्रोध का भी शिकार नहीं होना चाहते हैं। इंडिया गठबंधन के सभी कार्यकर्ता, पदाधिकारी और प्रत्याशी ईवीएम की निगरानी में एक प्रतिशत भी चूक न करें। इंडिया गठबंधन जीत रहा है। इसीलिए चौकन्ने रहकर मतगणना कराएं और जीत का प्रमाणपत्र लेकर ही विजय का उत्सव मनाएं। एक अन्य ट्वीट में अखिलेश ने लिखा। प्रशासन याद रखे जनशक्ति से बड़ा बल और कोई नहीं होता।

मालूम हो कि करीब-करीब सभी एक्जिट पोल में भाजपा और उसके सहयोगियों को साढ़े तीन सौ से लेकर चार सौ सीट तक जीतता हुआ दिखाया गया है। यूपी में भाजपा 62 से 72 सीटें तक जीत सकती है, ऐसा करीब करीब हर एग्जिट पोल ने अनुमान प्रकट किया है। वहीं समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने कहा कि एक्जिट पोल भी भाजपा नेताओं की तरह देश की जनता को गुमराह कर रहा है। एक्जिट पोल लोगों को निराश करने का प्रयास कर रहा है। इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ता वह चाहे कांग्रेस के हों या सपा के या दूसरी पार्टी के सभी लोग पूरी मुस्तैदी के साथ मतगणना कराएंगे और जीत हासिल करेंगे। श्यामालाल रविवार को अमर उजाला से खास बातचीत कर रहे थे।सपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इंडिया गठबंधन उत्तर प्रदेश में 70 से अधिक सीटें जीतने जा रही है। फूलपुर, इलाहाबाद के अलावा भदोही और कौशाम्बी सीट इंडिया गठबंधन के खाते में जा रही है। पूरे देश में करीब 300 सीट इंडिया गठबंधन जीतने जा रही है। गठबंधन के कार्यकर्ता निराश होने वाले नहीं है। वह अपने प्रत्याशी को जीत दिलाने के बाद ही मतगणना स्थल से हटेंगे। किसी के साथ नाइंसाफी नहीं होने देंगे। गर्मी प्रचंड है। चुनाव आयोग को चाहिए कि वह मतगणना स्थल पर अभिकर्ताओं के बैठने के लिए उचित व्यवस्था करने के साथ ही पर्याप्त हवा और पानी की व्यवस्था करे।

चिड़ियाघर में शेर को शांत करते, गैंडों को केले खिलाते दिखे सीएम योगी

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणि उद्यान (गोरखपुर चिड़ियाघर) का भ्रमण एवं निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चिड़ियाघर में करीब एक सप्ताह पूर्व इटावा लॉयन सफारी से लाए गए बब्बर शेर पांच साल के भरत और शेरनी सात साल की गौरी को भी देखा।

योगी को देख बाघ (रायल बंगाल टाइगर) अमर एक पैर उठाकर यूं दहाड़ पड़ा मानों देश के सबसे प्रभावशाली मुख्यमंत्री को सलामी दे रहा हो। उसकी दहाड़ पर सीएम हंस पड़े और कहने लगे, क्या रे, कैसा है तू। इस दौरान एक कर्मचारी को उन्होंने यह समझाया कि बाड़े की जाल को मत छुओ, इससे बाघ नाराज हो रहा है।बब्बर शेर पटौदी ने भी अपने बाड़े के सामने सीएम को देख दहाड़ लगाकर सलामी पेश की। योगी शेर और बाघ के जिन भी बाड़ों में पहुंचे, इन वन्यजीवों ने उन्हें देखकर दहाड़ लगाई और खुश कर दिया।

चिड़ियाघर का निरीक्षण करने के दौरान मुख्यमंत्री ने गैंडों की जोड़ी हरि और गौरी को केला खिलाया और अन्य कई वन्यजीवों के बारे में जानकारी लेकर उनकी समुचित देखभाल के निर्देश चिड़ियाघर के अधिकारियों को दिया।सीएम योगी को जब भी मौका मिलता है, वह यहां आकर वन्यजीवों का दीदार करते हैं। रविवार को चिड़ियाघर पहुंचने पर उन्होंने सबसे पहले पूरे चिड़ियाघर का भ्रमण करते हुए निरीक्षण किया। इस दौरान उनकी नजर गैंडों की जोड़ी हरि और गौरी पर पड़ी तो वह मुस्कुरा उठे।सीएम बाड़े के पास पहुंचे और अपने हाथों से दोनों को केला खिलाया। गैंडों की यह जोड़ी मुख्यमंत्री को काफी प्रिय है और इसके पहले भी वह यहां आकर उन्हें केला खिला चुके हैं। भ्रमण के दौरान उन्होंने शेर, बाघ, सफेद बाघ, हिरण, बंदर, जैकाल, तेंदुआ, हिप्पो, भालू आदि के बाड़ों की जानकारी भी ली।

उनके साथ चल रहे डीएफओ और चिड़ियाघर के निदेशक विकास यादव ने वन्यजीवों के देखभाल के बारे में जानकारी लेते रहे। मुख्यमंत्री जब बाघ अमर के बाड़े के पास पहुंचे तो वह उन्हें देखकर सलामी देने की मुद्रा में एक पैर उठाकर दहाड़ने लगा।उसे ऐसा करते देख सीएम योगी हंसने लगे। अमर को दहाड़ते देख मैलानी और सफेद बाघ गीता ने भी खूब दहाड़ लगाई। जब वह पहले से इस चिड़ियाघर में मौजूद बब्बर शेर पटौदी के बाड़े के पास पहुंचे तो वह भी सलामी देने के अंदाज में दहाड़ने लगा।उन्होंने एक सप्ताह पूर्व यहां लाए गए बब्बर शेरों भरत और गौरी को भी देखा और उन तेंदुओं चंडी और भवानी के पास भी गए, जिनको अपने हाथों से दूध पिलाकर नामकरण उन्होंने खुद किया था।सीएम योगी ने चिड़ियाघर के अस्पताल का भी निरीक्षण किया।इस दौरान उन्होंने वन्यजीवों के रेस्क्यू करने के तरीके और उनके इलाज तथा खानपान के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल में इलाजरत वन्यजीवों को भी देखा और पूछा कि ये कब तक स्वस्थ हो जाएंगे। चिड़ियाघर का भ्रमण करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां आए दर्शकों से भी मुलाकात की। देवरिया से आए दर्शकों के एक समूह ने उनसे कहा कि आपने चिड़ियाघर के रूप में पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों के लिए ज्ञान और मनोरंजन की एक बड़ी सौगात दी है।

यह एग्जिट पोल नहीं, बल्कि मोदी पोल है, कांग्रेस की बैठक के बाद बोले राहुल गांधी

संवाददाता

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के एग्जिट पोल में तीसरी बार भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार बनने का अनुमान है। एग्जिट पोल के आंकड़ों को इंडिया ब्लॉक के नेता ने मानने से इनकार कर दिया है। कांग्रेस ने एग्जिट पोल के नतीजों को एक मनोवैज्ञानिक खेल बताया। इन्हीं सब को लेकर विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने आज एक बैठक की। बैठक के तुरंत बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पत्रकारों से बात की। उन्होंने इस दौरान सिद्धू मूसेवाला के एक गाने की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि यह मोदी मीडिया पोल है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पार्टी के लोकसभा उम्मीदवारों, कांग्रेस विधायक दल के नेताओं और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों के साथ बैठक की। बैठक में कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा, 'ये एग्जिट पोल झूठे हैं। इंडिया गठबंधन को 295 सीटों से कम सीटें नहीं मिलने जा रही हैं। ये

एग्जिट पोल फर्जी हैं क्योंकि पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मनोवैज्ञानिक खेल खेल रहे हैं। वे विपक्षी दलों, चुनाव आयोग, मतगणना एजेंटों, रिटर्निंग अधिकारियों पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं और ऐसा माहौल बना रहे हैं कि वे वापस आ रहे हैं लेकिन वास्तविकता पूरी तरह से अलग है।'राहुल गांधी ने पत्रकारों से कहा, 'यह एग्जिट पोल नहीं है। यह मोदी मीडिया पोल है। यह मोदी जी का पोल है। उनका फैंटेसी पोल है।' इंडिया अलायंस के लिए सीटों की संख्या के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने कहा, 'क्या आपने सिद्धू मूसे वाला का गाना 295 सुना है 295।'एग्जिट पोल पर कर्नाटक के डिप्टी सीएम और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहा, 'हमें विश्वास है कि कांग्रेस पार्टी कर्नाटक में दो तिहाई सीटें जीतेगी। इस देश के लोग बदलाव चाहते हैं। सभी कार्यकर्ता आश्वस्त हैं और मुझे नहीं लगता कि हम कर्नाटक में हारने जा रहे हैं।'लोकसभा चुनाव 2024 के एग्जिट पोल पर गुजरात कांग्रेस के अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने कहा, 'पहले भाजपा कहती थी कि हम सभी 26 सीटें पांच लाख वोटों के अंतर से जीतेंगे, लेकिन अब वो ऐसा नहीं कह रहे हैं। 12 सीटों पर हम भाजपा को कड़ी टक्कर दे रहे हैं और कांग्रेस 4-5 सीटें जीतेगी।' पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने कहा, 'सभी सर्वेक्षणों में कांग्रेस पार्टी को सात से नौ सीटें दी गई हैं। हम नौ सीटों पर आगे हैं, एक सीट आप के खाते में जाएगी और तीन सीटें ऐसे उम्मीदवारों को मिलेंगी जो किसी भी तरह से एनडीए या पीएम मोदी की मदद नहीं करेंगे। मेरा मानना है कि इंडिया गठबंधन को कम से कम 10 सीटें मिलेंगी.पंजाब में एनडीए को एक भी सीट नहीं मिलने जा रही है।'राजस्थान कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा, 'राजस्थान में इंडिया गठबंधन 11-12 सीटें जीतने जा रहा है और आठ सीटों पर एक करीबी मुकाबला है। वे (एनडीए) राज्य में सात सीटों तक सीमित हैं। हमें किसी भी कीमत पर भाजपा से एक सीट ज्यादा मिलने वाली है।कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि हमने अपने पीसीसी अध्यक्षों, मुख्यमंत्रियों, प्रभारियों और उम्मीदवारों से चर्चा की है, वे सभी बहुत आश्वस्त हैं। यह एग्जिट पोल सरकार के लिए एक फर्जी पोल है। इंडिया गठबंधन को 295 सीटें मिलेंगी और निश्चित रूप से सरकार बनेगी। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा निवर्तमान प्रधानमंत्री, जिस व्यक्ति को 4 जून को निश्चित रूप से जाना होगा, उसने इन सभी चीजों की साजिश रची है और एग्जिट पोल को प्रबंधित किया है। उन्होंने कहा कि एग्जिट पोल और 4 जून के नतीजों में बहुत बड़ा अंतर होगा। इंडिया गठबंधन की कल एक बैठक हुई थी, हमने संख्याओं पर विस्तार से चर्चा की, यह असंभव है कि इंडिया गठबंधन को 295 से नीचे कुछ भी मिलेगा। लगभग सभी एग्जिट पोल में एनडीए को भारी जनादेश मिलने की भविष्यवाणी की गई है, जिसमें बीजेपी अपने दम पर बहुमत हासिल करेगी। इंडिया टुडे-एक्सिस माई इंडिया ने एनडीए के लिए 361-401 सीटों का अनुमान लगाया है, जिसमें बीजेपी ने बंगाल, तेलंगाना और ओडिशा में जीत हासिल की है। उन्होंने कहा कि ये एग्जिट पोल सिर्फ माहौल बनाने के लिए हैं कि इंडिया गठबंधन हार गया है, यह एक मनोवैज्ञानिक खेल है। हम इसका विरोध करेंगे.हम जानते हैं कि हम 4 जून को निवर्तमान प्रधानमंत्री को अलविदा कहेंगे।

न्यूज कार्नर

राम वन गमन मार्ग सड़क निर्माण की भेंट चढ़ गई कोखराज थाना क्षेत्र की प्रस्तावित सिंघिया पुलिस चौकी

कौशाम्बी। जिले में कोखराज थाना क्षेत्र की प्रस्तावित सिंघिया पुलिस चौकी राम वन गमन मार्ग सड़क निर्माण की भेंट चढ़ गई। प्रस्तावित सिंघिया पुलिस चौकी का निर्माण प्रशासन नही करा सका और अब तो वह जमीन भी सड़क निर्माण की भेंट चढ़ गई। ज्ञात हो कि कोखराज थाना क्षेत्र के सिंघिया स्थित पंचायत भवन में सिंघिया पुलिस चौकी स्थापित है यह पुलिस चौकी तीन दशकों से इसी जगह से संचालित हो रही है।? चूंकि पुलिस चौकी ग्राम पंचायत की जगह पर स्थापित है। इसलिए इसकी जानकारी 2017 में आये तत्कालीन एसपी प्रदीप गुप्ता को लोगों ने दी तो उन्होंने राजस्व विभाग की मदद से सिराथू विधानसभा क्षेत्र के बिसारा गाँव के पास सिंघिया चौकी बनाने के लिए जगह चिन्हित कराई। बिसारा गाँव के पास सिंघिया चौकी खुलने की जानकारी जब स्थानीय ग्रामीणों को हुई तो ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी और लोगों ने सोचा की गाँव के पास पुलिस चौकी होने से हमारा क्षेत्र सुरक्षित हो जायेगा। तत्कालीन एसपी की पहल पर बिसारा बीएसएनएल टावर के सामने सिंघिया पुलिस चौकी की जमीन पर भूमि पूजन हुआ और तत्काल वहां पर पुलिस विभाग द्वारा सिंघिया पुलिस चौकी के लिए प्रस्तावित जमीन लिखकर बोर्ड भी लगाया गया। विगत छः माह से राम वन गमन मार्ग निर्माण के चलते पुलिस चौकी के लिए प्रस्तावित यह जगह मार्ग चौड़ी करण की भेट चढ़ गयी। जिसमें सिर्फ़ प्रस्तावित चौकी का बोर्ड बचा है और जमीन चली गयी।अब सिंघिया पुलिस चौकी के निर्माण की बात तो गुजरे जमाने की बात हो गई।

रीवा एक्सप्रेस में बुजुर्ग की बिगड़ी हालत,यात्रियों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने बुजुर्ग को भेजा अस्पताल

कौशाम्बी। जिले में रीवा से चलकर नई दिल्ली को जाने वाली एक्सप्रेस ट्रेन रीवा नई दिल्ली एक्सप्रेस में सवार बुजुर्ग यात्री की भीषण गर्मी के चलते तबियत बिगड़ गई। ट्रेन जैसे ही सिराथू रेलवे स्टेशन पर रुकी तो ट्रेन में बैठे अन्य यात्रियों ने बुजुर्ग की हालत खराब होने की सूचना एंबुलेंस, रेलवे पुलिस और स्टेशन मास्टर को दी। ज्ञात हो कि यात्रियों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने बुजुर्ग यात्री को एंबुलेंस की सहायता से अस्पताल भेजा जहा उनका इलाज किया जा रहा है। मामला सैनी कोतवाली क्षेत्र के सिराथू रेलवे स्टेशन का है जहा देर रात रीवा एक्सप्रेस ट्रेन पर सवार बुजुर्ग यात्री की तबियत भीषण गर्मी के चलते बिगड़ गई। बुजुर्ग यात्री की तबियत खराब देख अन्य यात्रियों ने इसकी सूचना एंबुलेंस,रेलवे पुलिस और स्टेशन मास्टर को दी। तत्काल पुलिस ने बीमार बुजुर्ग को सिराथू रेलवे स्टेशन पर उतारकर उन्हे एंबुलेंस से अस्पताल में भर्ती कराया जहा यू का इलाज चल रहा है। बुजुर्ग कहा से कहा जा रहे थे,इसकी जानकारी उपलब्ध नहीं हो पाई है।

ट्रेन की टक्कर से युवक की मौत,नही हुई शिनाख्त, पुलिस जांच में जुटी

कौशाम्बी। जिले में ट्रेन की टक्कर से युवक की मौत हो गई है। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक की शिनाख्त का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच में जुट गई है। ज्ञात हो कि घटना कोखराज थाना क्षेत्र के शुजातपुर रेलवे स्टेशन के पास की है। जंहा एक युवक का क्षत विक्षत शव रेलवे लाइन पड़ा हुआ मिला है। सुबह ग्रामीणों ने रेलवे लाइन पार शव को देखा तो हड़कंप मच गया। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस पहुंची और शव की शिनाख्त का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच में जुट गई।

गर्मी से बेहाल कंटेनर चालक की चलती ट्रक में हुई मौत, अनियंत्रित ट्रक पेड़ से टकराया

कौशाम्बी। जनपद में भीषण गर्मी का कहर लगातार जारी है। भीषण गर्मी के चलते पंजाब से चावल लोडकर प्रयागराज जा रहे एक कंटेनर ट्रक चालक की चलती ट्रक में ही मौत हो गई। चालक की मौत से ट्रक अनियंत्रित हो गई और पेड़ से टकरा गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच में जुट गई। ज्ञात हो कि घटना कोखराज थाना क्षेत्र के चमरूपुर गाँव के पास की है। जहा पंजाब से चावल लोडकर प्रयागराज जा रहे कंटेनर चालक की भीषण गर्मी के चलते मौत हो गयी। सूचना पर पहुंची भरवारी चौकी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम को भेजा। और घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दी। पंजाब के स्टेट नम्बर 4 मोहाली गाँव निवासी राजू राणा (27) पुत्र बृज लाल राणा कंटेनर चालक था। वह कंटेनर में पंजाब से चावल लोडकर प्रयागराज की ओर जा रहा था। शनिवार की दोपहर को भीषण गर्मी होने के चलते वह कोखराज भरवारी मार्ग की ओर कंटेनर लेकर घुस गया। अत्यधिक गर्मी होने के चलते उसको हार्ट अटैक आ गया। जिससे उसकी गाड़ी अनियंत्रित होकर चमरूपुर गाँव के एक पेड़ से टकरा गयी। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी भरवारी चौकी पुलिस को दी सूचना पर पहुंची भरवारी चौकी पुलिस ने शव को कब्जे लेकर लिखापढ़ी कर पीएम को भेजा और मृतक के परिवार वालों को घटना की जानकारी दी।

रेलवे संविदा कर्मी का महिला के घर मिला शव, हत्या की आशंका

कौशाम्बी। एयरपोर्ट कोतवाली के चंद्रसेन गांव में शुक्रवार रात विवाहिता से मिलने गया युवक घर के अंदर मृत मिला। रेलवे में संविदा पर नौकरी करने वाला युवक विवाहिता के फोन कर बुलाने के बाद उसके घर पहुंचा था। युवक के पिता ने प्रेम संबंध को लेकर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर लेकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। ज्ञात हो कि पिपरी कोतवाली के गांजा गांव निवासी राजवेंद्र सिंह उर्फ विकास (30) प्रयागराज के सूबेदारगंज स्थित रेलवे के स्लीपर प्लांट में संविदा पर नौकरी करता था। राजवेंद्र के पिता नरपत सिंह के मुताबिक शुक्रवार रात आठ बजे चंद्रसेन गांव की एक महिला ने राजवेंद्र को फोनकर अपने घर बुलाया था। आरोप है कि राजवेंद्र के पहुंचने पर महिला के परिजनों ने उसे कमरे में बंद कर दिया। इसके बाद उसकी पिटाई कर गला दबाकर हत्या कर दी। खुदकुशी का रूप देने के लिए शव फंदे से टांग दिया गया। घटना की सूचना गांव के ही एक युवक ने फोन कर दी। इस घर में कोहराम मच गया। नरपत सिंह के मुताबिक वह रात को ही महिला के घर पहुंचे। काफी प्रयास के बाद भी दरवाजा अंदर से नहीं खोला गया तो पुलिस को खबर दी। पुलिस पहुंची, लेकिन दरवाजा नहीं खुला। बाद में इंस्पेक्टर फोर्स के साथ पहुंचे तो घर के अंदर राजवेंद्र का शव पड़ा मिला। पुलिस ने फोरेंसिक टीम के साथ जांच-पड़ताल कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इंस्पेक्टर अरुण कुमार सिंह का कहना है कि युवक व महिला के बीच प्रेम संबंध काफी पहले से थे। युवक की हत्या हुई या फिर उसने खुदकुशी की, इसका राज पोस्टमार्टम के बाद हो सकेगा।

जयगुरुदेव बाबा उमाकान्त जी द्वारा उज्जैन में जीते जी देवी-देवताओं के दर्शन का रास्ता नामदान की अमृत वर्षा

शाकाहारी नशामुक्त बनो, बीमारियों से बचो- संत बाबा उमाकान्त जी महाराज

जयगुरुदेव नाम प्रभु का, संकट में मददगार है, परीक्षा लेकर देख लो

उज्जैन (म.प्र.)विश्व विख्यात निजधामवासी बाबा जयगुरुदेव जी के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी, देश समाज पारिवारिक व व्यक्तिगत स्तर पर हर तरह की समस्याओं तकलीफों व बीमारियों में आराम मिलने का उपाय बताने वाले, आत्मा के कल्याण, जीते जी मुक्ति मोक्ष प्राप्त करने और देवी-देवताओं के दर्शन का दुर्लभ रास्ता नामदान देने वाले इस समय के पूरे समरथ सन्त सतगुरु, उज्जैन वाले बाबा उमाकान्त जी महाराज ने उज्जैन स्थित आश्रम में दिए व अधिकृत यूट्यूब चैनल जयगुरुदेवयूकेएम पर लाइव प्रसारित संदेश में बताया कि यह मनुष्य शरीर किराये का मकान है। साँसों की पूंजी खत्म होने पर सबको एक दिन खाली करना पड़ेगा। यह देव दुर्लभ अनमोल मनुष्य शरीर केवल खाने-पीने, मौज-मस्ती करने के लिए नहीं मिला। मनुष्य शरीर का असली उद्देश्य जीते जी प्रभु को पाना है। श्मशान घाट पर शरीर को मुक्ति मिलती है आत्मा को नहीं। मौत को हमेशा याद रखो क्योंकि एक दिन सब की आती है। मरने के बाद जो काम आवे वह काम करना और वह दौलत प्राप्त करनी चाहिए। पैदा होने से पहले जो मां के स्तन में दूध भरता है, उस मालिक पर भरोसा करो, पेट के लिए ईमान और धर्म मत बेचो। जीवन का जो समय बचा है उससे अपनी आत्मा को जगा लो। आत्मा को मुक्ति परमात्मा के पास पहुँच जाने पर मिलती है जो केवल समर्थ गुरु ही दिला सकते हैं। कोटि जन्मों के पुण्य जब इकट्ठा होते हैं तब सन्त दर्शन, सतसंग और नामदान का लाभ मिलता है। सन्त-सतगुरु किसी दाढ़ी, बाल या वेशभूषा का नाम नहीं होता। शिव नेत्र सबके पास है। समरथ गुरु की दया से खुल सकता है।

इस समय कलयुग में सीधा सरल प्रभु प्राप्ति का रास्ता पांच नाम के नामदान का है जो आदि से चला आ रहा और अंत तक रहेगा। सन्तमत की साधना सभी लोगों के लिए सरल है। यकीन करो जय गुरु देव नाम प्रभु का है। इसमें उस मालिक की पूरी ताकत है। बोलने से फायदा मिलेगा। मौत के समय पीड़ा इसी नाम को बोलने से कम होगी। दुःख, तकलीफ, बीमारी में राहत पाने के लिए शाकाहारी, सदाचारी, नशा मुक्त रहकर सुबह-शाम, रोज रात को सोने से पहले भाव के साथ बराबर कुछ दिन जय गुरु देव नामध्वनि बोलने से फायदा दिखने लगेगा। आजमाइश करके देख लीजिए। ऐसे बोलना रहेगा- जयगुरुदेव जयगुरुदेव जयगुरुदेव जयजय गुरुदेव जीव हत्या करने से खुदा, भगवान कभी खुश नहीं होते हैं। शाकाहारी नशा मुक्त बनोगे तभी पूजा पाठ का लाभ मिलेगा। कुदरती कहर से बचने के लिए शाकाहारी, सदाचारी, नशामुक्त बनो और बनाओ। शराब अपराध और भ्रष्टाचार की जननी है। शराब मांस को दूर हटाओ, माँ बहनों की लाज बचाओ। देश भक्ति महान भक्ति है। देश भक्त बनो। देश की सम्पत्ती को नुकसान पहुँचाने वाले हड़ताल, तोड़फोड़, आगजनी जैसे घृणित कार्य को मत करो। कलयुग में ही सतयुग आने का समय हो रहा है इसलिए लोगों को नशामुक्त, शाकाहारी, सदाचारी बनाओ जिससे खराब समय से बच जाय और सतयुग को अपनी आँखों से देख लें। संयम नियम से रहोगे जल्दी बीमारी नहीं लगेगी। माता-पिता, बूढ़े-बुजुर्गों, अधिकारी, कर्मचारियों का सम्मान करो। नियम-कानून का पालन करो, देश भक्त बनो और बनाओ। मेहनत व ईमानदारी की कमाई में बरकत होती है। थोड़ी देर रोज अपने-अपने तौर-तरीके से ही सही पूजा - भजन - इबादत जरूर करो। असली धर्म निरपेक्षता जनता को रोजी-रोटी और न्याय सुरक्षा देना- दिलाना है। चरित्रवान, संस्कारवान बनो। हिन्सा हत्या व आत्महत्या कभी मत करो। एक को गुस्सा आवे दूसरा चुप हो जाए तो झगड़ा टल जाता है। जातिवाद, भाई -भतीजावाद, भाषावाद, कौमवाद, एरियावाद खून बहा देता है, इससे दूर रहना चाहिए। किसी भी धर्म, मजहब, व्यक्ति की निंदा मत करो।

लगातार भीसड़ गर्मी को मात दे रही है स्वच्छ पर्यावरण आंदोलन सेना

यूपी फाइट टाइम्स
लखनऊ भीषण गर्मी को मात देते हुए स्वच्छ पर्यावरण सेना, संडे फॉर गोमती के दौरान कचरे से भरी गोमती नदी की तलहटी से लगभग 10 कुंतल कचरा निकालने में सफल रही। स्वच्छ पर्यावरण सेना ने आज प्रातः 5:00बजे हनुमान सेतु निकट झूले लाल पार्क गोमती नदी तट पर सफाई अभियान के 312वें रविवार को लगभग 3 घंटे नदी की तलहटी की सफाई की। संयोजक रणजीत सिंह के नेतृत्व में लगभग 3 घंटे चले इस अभियान में बबिता यादव, प्रीति जैन सरिता जैसवाल शांती कश्यप महेंद्र प्रताप सिंह अनुग्रह सिंह, अजय चौधरी,विवेक जोशी जितेन्द्र शर्मा सौरभ अग्रवाल, कमलेश कुमार प्रदीप वर्मा हरिनाम सिंह रमेश जोशी अनमोल वर्मा विष्णु तिवारी ,संजय वर्मा कृपा शंकर वर्मा , रामकुमार बाल्मीकि ,अभिषेक सिंह ,आनंद वर्मा,ललित सिंह कश्यप,रिंकू सिंह , मनोज सिंह, राकेश सोनकर परमेश जोशी, वीरेंद्र जोशी , जे पी गुप्ता इत्यादि स्वयं सेवकों ने गोमती नदी स्वच्छता अभियान चलाकर बड़ी मात्रा में पालीथीन बैग, सड़े गले कपड़े, पालीथीन पैकेटस तथा देवी देवताओं की सैकड़ों मूर्तियों को गोमती नदी से बाहर निकालकर नदी का लगभग 10 कुंतल कचरा कम किया। आदि गंगा गोमती मां की विधिवत आरती के बाद माननीय मुख्यमंत्री जी से लखनऊ में बहने वाली गोमती नदी में गिरने वाले गंदे नालों को बंद करने की मांग की गई।

अमांपुर विधायक हरिओम वर्मा का मनाया गया जन्मदिन

अमांपुर। क्षेत्रीय विधायक हरिओम वर्मा के जन्मदिन पर भाजपाइयों ने जन्मदिन समारोह का आयोजन कर उन्हें शुभकामनाएं दी और ईश्वर से उनके दीर्घायु होने का कामना की। रविवार को कस्बा के भाजपा कार्यालय पर परिजनों, समर्थकों व कार्यकताओं के साथ केक काटकर अपना जन्म दिन मनाया। उन्हे जन्म दिन की बधाई का सिलसिला रविवार सुबह से ही शुरू हो गया जो देर रात तक लगातार जारी रहा। इस मौके पर मां विद्या देवी वर्मा, लक्ष्मण सिंह ओपरेटर, प्रधानाचार्य रामजीलाल वर्मा, पूर्व जिला पंचायत सदस्य राजपाल सिंह, विधायक प्रतिनिधि यतेन्दर वर्मा, शिव सिंह, जिला महामंत्री संजय सोलंकी, तिर्मल सिंह, पुष्पेंद्र वर्मा, भाजपा मीडिया प्रभारी आकाश गुप्ता सर्राफ, हरीश लोधी, मनोज राजपूत, प्रधान संजय शाक्य, राजू वर्मा, भीमसेन कश्यप, संजय राजपूत, सुखवीर वर्मा, योगेन्द्र वर्मा, दिनेश वर्मा, अशोक वर्मा, अनुराग वर्मा, डॉ तिर्मल, प्यारेलाल, आकाश वर्मा, रूपकिशोर, मुनेंद्र वर्मा, प्रधान रूपकिशोर ने संयुक्त रूप से विधायक हरिओम वर्मा की दीर्घायु की कामना कर केक काटकर हैप्पी बर्थडे टू यू विधायक जी बोलकर खुशी मनाई। एक दूसरे को केक और मिठाई खिलाकर विधायक हरिओम वर्मा को जन्म दिन की शुभकामनाएं दी। इस दौरान विधायक हरिओम वर्मा का फूल माला पहनाकर और बुके व स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया गया।

गौनाहा के राजकीय प्राथमिक विद्यालय उर्दू हाजी टोला में एक भी शिक्षक नही रहे उपस्थित

उक्त विद्यालय के सभी शिक्षकों पर होगी कड़ी से कड़ी कार्यवाही बोले डीईओ रजनीकांत प्रवीण

रविवार के दिन भी उर्दू विद्यालय में शिक्षकों को नियमानुसार रहना है उपस्थित लेकिन एक भी शिक्षक नही रहे उपस्थित

सरकार के शिक्षा विभाग के सचिव के के पाठक के कानूनी आदेशों का उड़ाई जा रही है, खुलेआम धज्जियां

बनाई जा रही है गलत हाजरी और भेजा जा रहा है एक दिन पहले का ग्रुप फोटोग्राफ

यूपी फाइट टाइम्स
गौनाहा/ प्रखण्ड अंतगर्त मेंहनौल पंचायत के राजकीय प्राथमिक विद्यालय उर्दू हाजी टोला उस समय बंद पाया गया जब पत्रकारों की टीम 9:30 में विद्यालय में पहुंची। विद्यालय में कार्यरत प्रधानाध्यपक जसीमुद्दीन जया , सहायक शिक्षक इम्तियाज अली , अंकित तिवारी, शिक्षिका अभिलाषा कुमारी ,रुही नाज और शबाना अंजुम और रसोइया आदि कोई भी कर्मी विद्यालय में उपस्थित नही थे। बताते चलें कि सरकार के अपर मुख्य सचिव के के पाठक का कानूनी आदेश है इस गर्मी के समय में बच्चे विद्यालय में उपस्थित नही रहेंगे लेकिन विद्यालय के शिक्षकों को नियमानुसार विद्यालय में उपस्थित रहना है। लेकिन उक्त शिक्षकों ने सचिव के के पाठक के आदेशों का धज्जियां तो उड़ा ही रहे हैं। आज पुरा दिन कोई भी शिक्षक विद्यालय में उपस्थित हुए ही नही। लेकिन एक बात बहुत ही गहराई से सोचने और समझने वाली यह भी है कि शिक्षकों को अपने विद्यालय में ससमय उपस्थित होकर एक साथ विद्यालय के सभी शिक्षकों का फोटो ग्राफ मोबाइल से खींचकर बेतिया जिला शिक्षा पदाधिकारी के कार्यालय में एक सुनिश्चित किये गए ग्रुप में भेजना है। वही सूत्रों का कहना है की जब ये शिक्षक जिला शिक्षा पदाधिकारी महोदय को एक दिन पूर्व का खिंचे हुए फोटो ग्राफ को भेजकर अपना उपस्थिति दर्ज

करा सकते हैं तो इस तरह के शिक्षकों का उप नाम क्या देना चाहिए ? वही सूत्रों की माने तो इस तरह के जाली साजी करने के लिए शिक्षिकाएं और शिक्षक अपने पहने हुए कपड़े में थोड़ा कुछ बदलाव करके कल भेजने वाले फोटोग्राफ को आज ही खींच कर रख लेते हैं। और वही फोटो ग्राफ जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय को कल होकर कही से भी भेज देते हैं।और रही बात विद्यालय में शिक्षकों की उपस्थिति बनाने की तो वे लोग एक दिन पहले ही अपना उपस्थिति बना लेते हैं। इस तरह चल रहा है गौनाहा में उक्त शिक्षकों का यह खेल। जहाँ एक तरफ सरकार के शिक्षा सचिव के खौफ की चर्चा प्रत्येक जगहों पर हो रही है। वही इस तरह के शिक्षक अपना पुरजोर हिम्मत और साहस भी दिखा कर यह दिखाना चाहते हैं कि सरकार के शिक्षा विभाग के सचिव हमलोगों के सामने कुछ भी नही हैं। वही जब इसकी सूचना गौनाहा प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी को दी गई तो उन्होंने बताया कि उक्त शिक्षकों पर कार्यवाही की जाएगी। इस संदर्भ में जिला डीपीओ योगेश कुमार से बात करने का प्रयास किया गया तो उन्होंने फोन ही रिसीव नही किया और अन्त में जिला शिक्षा पदाधिकारी रजनीकांत प्रवीण से जब इसकी सूचना देने के लिए फोन किया गया तो उन्होंने बीना बिलम्ब किये फोन रिसिब किया और मामला जानने के बाद कहा कि अभी के अभी इस विद्यालय का वीडियो और फोटो इसी नम्बर पर डालिए , और उन्होंने कहा कि उक्त सभी शिक्षकों पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाएगी। वही इस संबंध में विद्यालय के प्रधान शिक्षक जसीमुद्दीन ज्या से बात करने के लिए अनेको बार फोन किया गया लेकिन इनका नम्बर बंद पाया गया।जिससे उनसे बात नही हो पाई ।

मतगणना हेतु 15 अतिरिक्त सहायक रिटर्निंग आफिसर की गई नियुक्ति

यूपी फाइट टाइम्स
बस्ती। लोकसभा सामान्य निर्वाचन के अन्तर्गत 61 बस्ती संसदीय क्षेत्र की मतगणना हेतु 15 अतिरिक्त सहायक रिटर्निंग आफिसर की नियुक्ति की गयी है उक्त जानकारी देते हुए जिलाधिकारी जिला निर्वाचन अधिकारी अंद्रा वामसी ने बताया है कि ये ईटीपीबीएस एवं पोस्टल बैलेट की गणना का कार्य सम्पादित करेंगे उन्होने बताया कि टेबल संख्या 1 के लिए खण्ड विकास अधिकारी परसरामपुर, 2 के लिए खण्ड शिक्षा अधिकारी कप्तानगंज 3 के लिए खण्ड शिक्षा अधिकारी हर्रैया 4 के लिए खण्ड विकास अधिकारी सल्टौआ गोपालपुर 5 के लिए खण्ड शिक्षा अधिकारी बस्ती सदर 6 के लिए खण्ड विकास अधिकारी सॉऊघाट 7 के लिए खण्ड शिक्षा अधिकारी दुबौलिया 8 के लिए खण्ड विकास अधिकारी बहादुरपुर 9 के लिए खण्ड शिक्षा अधिकारी रूधौली तथा 10 के लिए खण्ड शिक्षा अधिकारी कप्तानगंज की नियुक्ति की गयी है उन्होने बताया की समस्त टेबल के लिए खण्ड विकास अधिकारी विक्रमजोत को नियुक्ति किया गया है।

थानाध्यक्ष महेश सिंह के नेतृत्व में शान्ति भंग में 3 अभियुक्तों गिरफ्तार

यूपी फाइट टाइम्स
बस्ती। पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी के निर्देश क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह के दिशा निर्देश पर बस्ती सदर क्षेत्राधिकारी विनय कुमार सिंह चौहान के कुशल पर्यवेक्षण में पुरानी बस्ती थानाध्यक्ष महेश सिंह ने बताया कि शान्ति व्यवस्था भंग में 3 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है उपनिरीक्षक अनिल कुमार ओझा मा0 का0 आरजू द्वारा 3 नफर अभियुक्ता मधु देवी पत्नी जयदीप चुन्नी देवी पत्नी प्रदीप कुमार अनीता देवी पत्नी दीपक निवासी पांडे बाजार मारवाड़ी मंदिर थाना पुरानी बस्ती शान्ति व्यवस्था भंग में गिरफ्तार कर पेश करने न्यायालय एसडीएम सदर बस्ती के समक्ष रवाना किया गया।

उमरे में हीट स्टोक से बचाव को संरक्षा काउन्सलिंग का किया आयोजन

कार्यालय संवाददाता
प्रयागराज। सूबेदारगंज स्टेशन पर गर्मी के मौसम में संरक्षित-सुरक्षित गाड़ी का संचालन के साथ-साथ कर्मचारियी द्वारा ड्यूटी के दौरान हीट स्ट्रोक से बचाव के बारे में संरक्षा-काउन्सलिंग का आयोजन किया गया। जिसमे परिचालन विभाग के कुल 25 कर्मचारी तथा स्टेशन सफाई कर्मचारियों ने के भाग लिया।
उनको निम्न विषयों पर चर्चा किया गया। बताया गया कि उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल में तापमान 6 से 46 सेंटीग्रेट तक पहुँच जाता है, तापमान के अप डाउन होने से ट्रैन संचालन में प्रभाव पड़ता है,जैसे जाड़े में रेल फ्रैक्चर तथा गर्मी में ल्म्व्त्गहु, हॉट एक्सल, कोयले रेक में आग, रेलवे परिसर में आग की संभावना रहती है।उन्होंने चर्चा में बताया कि गर्मी के दिनों में हीट स्ट्रोक से बचाव के लिये, पानी का सेवन,कॉटन के फुल शर्ट, कैप एवं गमछा का प्रयोग अधिक से अधिक करें।हीट स्ट्रोक में सिर में दर्द, चक्कर आना, आँख से धुंधला दिखना, पसीना आना तथा बेहोश हो जाना इत्यादि शामिल है। सावधानी बताते हुए कहा कि हीट स्ट्रोक से बचाव के लिये सबसे पहले कर्मचारी को छाये में लायें,शरीर के कपड़े को खोल(ढीला)दे,हवा दे,पानी पिलाये,पानी डाले तथा डॉक्टर के पास भेजवायें।
लू लगने पर तरल पदार्थ का अधिक मात्रा में सेवन करें तथा डॉक्टर को दिखाये।संरक्षा-काउन्सलिंग के दौरान संरक्षा-विभाग से आये संरक्षा-सलाहकार चन्द्रिका प्रसाद तथा स्टेशन अधीक्षक राजेश कुमार गुप्ता ने विस्तार से बताया जिसमें 05 उप स्टेशन अधीक्षक भी उपस्थित थे।

'आंख' लगते ही 'मिचौनी' कर रही बिजली, रातभर होती है जबदस्त ट्रिपिंग

कार्यालय संवाददाता
प्रयागराज। उपकेंद्रों पर ट्रांसफार्मरों को ओवरहीटिंग से बचाने के लिए कूलर व पंखे लगाए गए हैं। अधिकारी लगातार लाइनमैनों की टीम बनाकर पेट्रोलिंग भी करा रहे हैं। जहां भी जर्जर एबीसी केबल मिल रही है, उसे तत्काल बदला भी जा रहा है। एक-एक घंटे पर प्रत्येक फीडर पर लोड को भी जांचा जा रहा है, बावजूद इसके बिजली की ट्रिपिंग नहीं रुक रही है। दिन के साथ ही रात दस बजे के बाद बिजली की आंख मिचौनी इस कदर होती है कि लोग दो पल चैन से नहीं सो पा रहे हैं। शुक्रवार रात आधे शहर में ऐसी ही समस्या बनी रही, जिसे लेकर लोग परेशान रहे। रात करीब दस बजे से गढ़ीसराय, जीटीबी नगर, गौसनगर, अटाला, सीता नर्सरी रोड, शिवकुटी मेला रोड, ट्रांसपोर्ट नगर, नीमसराय, सदियाबाद, दरियाबाद, लीडर रोड, लूकरगंज, खुल्दाबाद, हिम्मतगंज, काला डांडा, नीवां, करैलाबाग, तिरंगा चौराहा, दुर्गा पूजा पार्क, जीरो रोड, सोहबतियाबाग आदि मुहल्ले में बिजली की आवाजाही शुरू हुई तो शनिवार भोर में करीब चार बजे तक चलती रही।कई जगह हालत यह रही कि बिजली 10-15 मिनट में ट्रिप होती रही। इससे भीषण गर्मी में रातभर लोग परेशान रहे। लोगों ने उपकेंद्रों में फोन लगाया तो कर्मचारियों ने बताया कि लोकल फाल्ट की वजह से आपूर्ति बाधित हुई है। कर्मचारी मरम्मत कार्य में लगे हैं।उधर, डांडी महेवा में शनिवार को दिन में बिजली की आवाजाही से लोग उमस भरी गर्मी में पसीने-पसीने हो गए। उपकेंद्र के कर्मचारियों ने बताया कि बार-बार पेटी कटने से आपूर्ति प्रभावित हो रही है। हालांकि, शुक्रवार को मौसम में हुए मामूली बदलाव से बिजली की लुकाछिपी से लोगों को राहत जरूर मिली।कसारी-मसारी उपकेंद्र से संबंधित आनंदपुरम मुहल्ले में शनिवार को दिन में करीब 11 बजे ट्रांसफार्मर में खराबी आ गई। कर्मचारियों ने मरम्मत कार्य किया, जब जाकर दोपहर लगभग दो बजे आपूर्ति बहाल हुई। इसके पहले भी यहां कई बार ट्रांसफार्मर में खराबी आ चुकी है।अधिकारियों की मानें तो ओवरलोड से यह समस्या उत्पन्न हो रही है। वहीं, 60 फीट रोड पर शनिवार शाम करीब 5:30 बजे बिजली का पोल सड़क पर गिर गया। इससे सैकड़ों घरों की आपूर्ति बाधित हो गई। सड़क पर पोल गिरने से आवागमन भी प्रभावित हुआ। कर्मचारियों ने मरम्मत कार्य किया, जब जाकर करीब तीन घंटे बाद आपूर्ति सुचारू हुई।गर्मी में ट्रांसफार्मर भी जमकर फुंके। हालांकि, बड़े ट्रांसफार्मर पिछले वर्ष की अपेक्षा बेहद कम जले। जो ट्रांसफार्मर फुंके, उसमें सबसे अधिक 10, 25, 100 केवीए के ट्रांसफार्मर रहे। जबकि 250 व 400 केवीए के ट्रांसफार्मर कम संख्या में खराब हुए। मई में जिले में 161 ट्रांसफार्मर फुंके।

पत्नी के मायके जाने से नाराज युवक ने निगला जहर, मौत

कौशाम्बी। सैनी कोतवाली के कनवार में एक युवक ने पत्नी के मायके जाने से नाराज होकर जहरीला पदार्थ खा लिया। गंभीर हालत में उसे मंझनपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना से पीड़ित परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। ज्ञात हो कि कनवार निवासी सुरेश सोनकर के बेटे अनिल कुमार (45) की शादी 15 वर्ष पहले खखरेरू थाना के शिवपुरी में अंजू देवी के साथ हुई थी। अनिल के तीन बेटी व बेटा है। अनिल ई-रिक्शा चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था। पति- पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता, था। जिस पर अंजू बच्चों सहित मायके चली जाया करती थी। बाद अनिल खुद उसे मनाकर घर ले आया करता था। 20 मई को अंजू देवी ने पति से विवाद कर एक छोटी बेटी और जेवर लेकर मायके चली गई। पत्नी काफी दिनों तक नहीं आई तो शुक्रवार को घरवाले उसे बुलाने पहुंचे।

बरूआ हंटर टीम सेमीफाइनल में पहुंची

पश्चिम शरीरा कौशांबी

विकास खंड सरसवा के ग्राम पंचायत पलरा मे पलरा क्रिकेट लीग में रविवार को क्वार्टर फाइनल के दूसरा मुकाबला में बरूआ हंटर व अंधावा के बीच मैच खेला गया।जिसमें टास जीतकर पहले अंधावा टीम बल्लेबाजी करते हुए 135 रन का अच्छा स्कोर बनाया यह मुकाबला 12 -12 ओवरों का हुआ।उसी को चेस करने बरूआ हंटर टीम ने जोरदार बल्लेबाजी करते हुए मुकाबला को एकतरफा जीत हासिल किया।बरूआ हंटर के कैप्टन आकाश त्रिपाठी 72 रन बनाए व 2 महत्वपूर्ण विकेट लिए बरुआ को मैन ऑफ द मैच रहे। हंटर ने यह मुकाबला 9 विकेट से जीत लिया इसी सानदार जीत के साथ बरूआ हंटर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पीसीएल संरक्षक विकास त्रिपाठी आकाश त्रिपाठी प्रधान सुमित कुमार प्रजापति क्षेत्र के दर्शक मौजूद रहे।

थानाध्यक्ष महेश सिंह के नेतृत्व में शान्ति भंग में 2 अभियुक्त गिरफ्तार

यूपी फाइट टाइम्स
बस्ती । पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी के निर्देश क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह के दिशा निर्देश पर बस्ती सदर क्षेत्राधिकारी विनय कुमार सिंह चौहान के कुशल पर्यवेक्षण में पुरानी बस्ती थानाध्यक्ष महेश सिंह ने बताया कि शान्ति व्यवस्था भंग में 2 अभियुक्त को किया गया है गिरफ्तार उपनिरीक्षक आशुतोष शुक्ला हेड कांस्टेबल शिब्बनलाल द्वारा 2 नफर अभियुक्त विश्व कुमार सोनकर पुत्र रंगलाल निवासी डफली टोला थाना पुरानी बस्ती राघवेंद्र कुमार शर्मा पुत्र राधेश्याम शर्मा निवासी भरौली थाना रुदौली जनपद बस्ती शान्ति व्यवस्था भंग में गिरफ्तार कर पेश करने न्यायालय एसडीएम सदर बस्ती के समक्ष रवाना किया गया।

ब्राह्मण सभा का आयोजन कर बनाई युवा कार्यकारिणी

कासगंज। शहर के कपिल मुनि धर्मशाला में विश्व ब्राह्मण दिवस पर आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें नगर क्षेत्र के अतिरिक्त अन्य कस्बाई और ग्रामीण अंचल के ब्राह्मण बंधुओं ने हिस्सा लिया। बैठक में ब्राह्मण कल्याण सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद पांडे ने विप्र शिरोमणि भगवान विष्णु के छटे अवतार महर्षि परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित किया। साथ ही संगठन को मजबूत बनाने एवं समाज हित में योगदान करने हेतु जागरूक किया गया। इस दौरान जनपद कार्यकारिणी का भी गठन किया गया जिसमें अमित उपाध्याय को युवा जिलाध्यक्ष, आचार्य आयुष मिश्र को महामंत्री, आचार्य यशवर्धन उपाध्याय को कोषाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। इसके अतिरिक्त आयुष पचौरी, सानू मिश्र, नीरज शर्मा, दिनेश शर्मा, वैभव मिश्र, कृष्ण उपाध्याय को मंत्री बनाया गया। इस दौरान अभिषेक दुबे राष्ट्रीय सोशल मीडिया प्रभारी आदर्श ब्राह्मण फाउंडेशन, विपिन, अमित, वीरेश, अंकित, गजेंद्र वशिष्ठ, अंकित उपाध्याय, हर्षित शर्मा, आशू उपाध्याय, बिट्टू मिश्र, आर्यमन सहित बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के बंधु उपस्थित रहे।

असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर बन किया जनपद का नाम रोशन

कासगंज। शहर के मोहल्ला खेरिया निवासी जय शर्मा ने अपने पहले ही प्रयास में जनजातीय कार्य मंत्रालय में अफसर बन जनपद का नाम रोशन किया है। उनकी नियुक्ति असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर के पद पर महाराष्ट्र में हुई है। शुरू से ही होनहार रहे जय शर्मा ने दसवीं, बारहवीं, स्नातक, परस्नातक और बी.एड. प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की है। परिवार में पिता राम नरेश शर्मा आर्मी से रिटायर हैं और मां गृहणी है। इनके अतिरिक्त एक छोटा भाई है जो अपनी पढ़ाई कर रहा है। शनिवार देर शाम जैसे ही नियुक्ति पत्र मिला तो पूरा परिवार खुशी से झूम उठा। अपने संबंधियों एवं निकटवर्ती लोगों को इस सफलता की जानकारी दी गई तो घर पर बधाइयां देने वालों का तांता लग गया।जय ने निरंतर एवं लगनपूर्ण अध्ययन के साथ पिता द्वारा सिखाए गए अनुशासन को सफलता का मूल मंत्र बताया है। साथ ही सभी युवाओं को लगनपूर्वक अपनी तैयारी करने के लिए प्रेरित किया है। बधाई देने वालों में मयंक सिंह, सुधांशु दीक्षित, राज चौधरी, पुनीत वशिष्ठ, शिवांग बंसल सहित अन्य स्वजन प्रमुख हैं।

मोदी की ध्यान साधना और उस पर उठते सवालों के बीच यह भी एक सच है !

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

प्रधानमंत्री मोदी उत्तराखण्ड जाते हैं, फिर वहां विकास का एक नया दौर शुरू होता दिखता है। वे वाराणसी बाबा विश्वनाथ से होते हुए सारनाथ, विंध्यवासिनी, वहां से बोध गया, नालंदा तक संदेश देते हुए उज्जैयनी के महाकाल लोक में आते हैं और रामपथ गमन का संपूर्ण मार्ग प्रशस्त करते हैं! फिर ओंकारेश्वर होते हुए दक्षिण भारत, गुजरात, पूर्वोत्तर भारत की यात्रा करते-करते प्रधानमंत्री मोदी जम्मू कश्मीर से कन्याकुमारी तक संपूर्ण भारत को उसकी प्राचीन आध्यात्मिक देव परंपरा के साथ एक नए सिरे से जोड़ते हुए दिखाई देते हैं। जिसमें विकास भी है, रोजगार भी है, आध्यात्म भी है और शांति भी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पिछली बार की तरह इस बार भी चुनाव प्रचार समाप्त होते ही ध्यान साधना के लिए चले गए। हम सभी जानते हैं कि पहले उन्होंने उत्तराखंड के केदारनाथ की रूद्र गुफा को अपनी ध्यान स्थली के रूप में चुना था और इस बार वे तमिलनाडु राज्य में कन्याकुमारी स्थित विवेकानंद रॉक मेमोरियल में ध्यान मग्न होने पहुंचे। यानी प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के हिमालय के उस क्षेत्र में जहां आद्य गुरु शंकराचार्य ने साधना की से लेकर सुदूर कन्याकुमारी जहां आधुनिक ऋषि विवेकानन्द की तपोस्थली है, वहां स्वयं की साधना के लिए स्थान तय किया।

आश्चर्य होता है यह जानकर कि प्रधानमंत्री मोदी की व्यक्तिगत कामना और निज से जुड़े बेहद आध्यात्मिक प्रसंग को भी भारत जैसे सर्वपंथ सद्भाव वाले देश में कई लोगों द्वारा नकारात्मक रूप से प्रस्तुत किया जा रहा है। इसके उदाहरण स्वरूप मीडिया में चल रहीं कई अंतहीन बहसों में इंडी गठबंधन से जुड़े नेता प्रधानमंत्री के इस निजि प्रसंग को भी राजनीतिक चश्में से देख रहे हैं और उनकी भरपूर आलोचना कर रहे हैं। क्या विपक्ष का यह रवैया सही है? आइए इस विषय पर कुछ गहन चर्चा करें; प्राचीन ग्रंथ 'बृहस्पति आगम' में भारत के भू-भाग को एक श्लोक में बहुत ही सुंदर ढंग से समझाया गया है -

'हिमालयात् समारभ्य यावत् इन्दु सरोवरम्।
तं देवनिर्मितं देशं हिन्दुस्थान प्रचक्षते॥'

इसका अर्थ है, हिमालय से प्रारंभ होकर इन्दु सरोवर (हिन्द महासागर) तक यह देव निर्मित देश हिन्दुस्थान कहलाता है। इस श्लोक की साधारण व्याख्या आगे स्वातंत्र्यवीर सावरकर ने अपने अंदाज में बहुत सरल एवं आवश्यक व्याख्या की है । वे लिखते हैं -

आसिन्धुसिन्धुपर्यंता यस्य भारतभूमिका ।
पितृभूः पुण्यभूश्चैव स वै हिन्दुरिति स्मृतः ।।

तात्पर्य है कि 'सिन्धु नदी के उद्गमस्थान से कन्याकुमारी के समुद्रतक (विस्तृत भूभाग को) भारत भूमि को जो पितृ भूमि

(मातृ भूमि) और पुण्य भूमि मानते हैं, उन्हें 'हिन्दू' कहते हैं । 1923 में प्रकाशित सावरकर की रचना 'एसेंशियल ऑफ हिन्दुत्व' अस्तित्व में आई । उन्होंने इस पुस्तक में भारत वर्ष में रहनेवाले लोग कौन हैं इस पर गहराई से प्रकाश डाला है।

पुस्तक का 'सारतत्व यह है कि, हिंदू वह है, जो सिंधु से सिंधुपर्यन्त समुद्र तक फैले हुए इस देश को अपने पूर्वजों की भूमि के रूप में अपनी पितृभूमि (पितृभु), मानकर पूजता हो; जिसके शरीर में उस महान जाति का रक्त प्रवाहित हो रहा हो जिसका मूल वैदिक सप्तसिंधुओं में सर्वप्रथम दिखाई देता है और जो कुछ भी इसमें शामिल था उसको आत्मसात करते हुए तथा जो भी शामिल था उसको और बेहतर योग्य करते हुए संसार में 'हिंदू' नाम से विख्यात हुई; और जो हिन्दुस्तान को अपनी पितृभूमि (पितृभु) और हिन्दू जाति को अपनी जाति मानने के कारण उस हिन्दू संस्कृति को अपनी विरासत मानता है और दावा करता है जो मुख्य रूप से उनकी सामान्य पारंपरिक भाषा, संस्कृत में व्यक्त की जाती है और एक साझा इतिहास, एक साझा साहित्य, कला और वास्तुकला, कानून और न्यायशास्त्र, संस्कारों और रिवाजों, समारोहों और धार्मिक उत्सवों, मेलों और त्योहारों द्वारा प्रकट होती है; और सबसे बढ़कर इस भूमि को, इस सिंधुस्तान को अपनी पवित्र भूमि (पुण्यभु) के रूप में संबोधित करता है, और इसे धर्मप्रवर्तकों (पैगम्बरों) की भूमि के रूप में, अपने ईश्वर और गुरुओं की तथा धर्मपरायणता और तीर्थभूमि के रूप में देखता है।' 'एसेंशियल ऑफ हिन्दुत्व' में सावरकर जोर देकर कहते हैं कि 'ये हिंदुत्व की अनिवार्यताएं हैं- एक साझा राष्ट्र (राष्ट्र), एक साझा नस्ल (जाति), और एक साझा सभ्यता (संस्कृति) । इन सभी आवश्यक बातों को समेटकर, संक्षेप में यह कहकर प्रस्तुत किया जा सकता है कि एक हिंदू वह है जिसके लिए सिंधुस्थान न केवल पितृभूमि (पितृभु) है, बल्कि पवित्र भूमि (पुण्यभू) भी है।' हिन्दू शब्द पर की गई इस व्याख्या से इतना तो स्पष्ट हो जाता है कि किसी भी पंथ, मजहब, धर्म, विचार को माने या न मानें कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन भारत-भू को अपना सर्वस्व माननेवाला यहां निवासरत प्रत्येक मनुष्य हिन्दू है। क्योंकि उसकी पुण्यभूमि और जन्म भूमि भारत है और उसके पुरखे भी समान हैं।

अब प्रधानमंत्री मोदी यहां क्या कर रहे हैं? वे अपने पूर्वजों द्वारा स्थापित ज्ञान परंपरा के तमाम केंद्रों पर लगातार जा रहे हैं । जो भारत की मूल सांस्कृतिक पहचान हैं, उस पहचान के आधुनिक विस्तार में आज प्रधानमंत्री मोदी अपना (राजनीतिक, आर्थिक समाजिक, धार्मिक) हर संभव योगदान दे रहे हैं । पिछले 10 सालों में सत्ता में रहते हुए उन्होंने एक ओर आधुनिक भारत के लिए जरूरी सभी आवश्यकताओं को अपरिहार्य रूप से पूरा करने के लिए अपना संकल्प दिखाया है तो दूसरी ओर भारतीय ज्ञान परंपरा के वाहक स्तम्भों को कैसे और अधिक विस्तार दिया जा सकता है उस दिशा में कार्य किया है । आलोचना करनेवाले जो भी कहें, किंतु इस बात को क्या कोई नकार सकता है कि सांस्कृतिक भारत के पुनर्निमाण में प्रधानमंत्री मोदी का योगदान लोकतंत्रात्मक शासन प्रणाली में अभी तक की सभी सरकारों के कार्यकाल में सबसे अधिक रहा है।

आप देखिए, प्रधानमंत्री मोदी उत्तराखण्ड जाते हैं, फिर वहां विकास का एक नया दौर शुरू होता दिखता है। वे वाराणसी बाबा विश्वनाथ से होते हुए सारनाथ, विंध्यवासिनी, वहां से बोध गया, नालंदा तक संदेश देते हुए उज्जैयनी के महाकाल लोक में आते हैं और रामपथ गमन का संपूर्ण मार्ग प्रशस्त करते हैं! फिर ओंकारेश्वर होते हुए दक्षिण भारत, गुजरात, पूर्वोत्तर भारत की यात्रा करते-करते प्रधानमंत्री मोदी जम्मू कश्मीर से कन्याकुमारी तक संपूर्ण भारत को उसकी प्राचीन आध्यात्मिक देव परंपरा के साथ एक नए सिरे से जोड़ते हुए दिखाई देते हैं। जिसमें विकास भी है, रोजगार भी है, आध्यात्म भी है और शांति भी है।

संपादकीय

पाकिस्तान को देर से समझ आई

पाकिस्तान के लाहौर समझौते के उल्लंघन को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की टिप्पणी के गहरे मायने हैं। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई व उनके दरम्यान 1999 में हुए समझौते के उल्लंघन को उन्होंने पाक की गलती माना। जो जनरल परवेज मुशर्रफ द्वारा कारगिल पर किए गए हमले से जोड़ कर देखा जा रहा है। उस पर भारत ने दो दिन बाद कहा कि पड़ोसी देश का निष्पक्ष दृष्टिकोण उभर रहा है। दोनों देशों के बीच शांति व स्थिरता के दृष्टिकोण पर बात करने वाला यह समझौता सफलता का संकेत माना गया था। शरीफ ने पाकिस्तान के 28 मई 1998 में पांच परमाणु परीक्षणों की बात भी की। पाकिस्तान की आंतरिक स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। राजनैतिक अस्थिरता, भारत के प्रति उसका नकारात्मक नजरिया तथा आतंकवाद को प्रश्रय देने वाली उसकी नीतियों ने दुनिया के समक्ष दयनीय साबित किया है। विश्व बैंक कह रहा है कि पाक की आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ रही है। 2011 में पाक पर 66बिलियन डॉलर का कर्ज था। जो 2023 में 124 बिलियन डॉलर पर पंहुच गया। नगदी संकट और उच्च महंगाई दर से जूझ रही जनता गरीबी रेखा से नीचे जा रही है। भारत के साथ सीमा विवाद, कश्मीर के बड़े हिस्से पर कब्जा व जल विवाद तो हैं ही, इनके साथ आतंकवाद सबसे बड़ा मुद्दा है। भारत के खिलाफ किये युद्धों में जबरदस्त मात खाने के बावजूद वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। हालांकि पाकिस्तानी हुक्मरान जानते हैं कि भारत के साथ दोस्ताना रवैया उन्हें फायदा देने वाला ही साबित होगा। मगर छिछली राजनीति और जनता को खोखली बयानबाजियों से फुसलाने से वे बाज नहीं आ रहे। भारत के खिलाफ जहर उगलने तथा आतंकवाद की आड़ लेकर दुश्मनी कायम रखने के फिलसफे से निकलने को राजी नहीं हैं। पच्चीस साल बाद गलती को स्वीकार कर नवाज अपनी राजनीति को नयी दिशा देने को तैयार होते नजर आ रहे हैं। तीन बार प्रधानमंत्री रह चुके नवाज अपने खिलाफ चल रहे अदालती मामलों की गिरफ्तारी से बचने के लिए ब्रिटेन भाग गये थे। सत्ता परिवर्तन के बाद बीते अक्टूबर में वापिस लौटे हैं।

चिंतन-मनन

सच्चा मित्र संजीवनी की तरह

हम सभी के परिचित और दोस्त होते हैं। भले ही बचपन के, स्कूल, कॉलेज, ऑफिस या आस-पास कॉलोनी में रहने वाले हों, मित्र तो सभी के होते हैं। सच्चा मित्र बनना और बनाना हर इंसान की इच्छा होती है। लेकिन, सच्चे मित्र बहुत कम मिल पाते हैं। ऐसा मित्र, जिस पर हम भरोसा कर सकें, जिसके साथ अपनी हर बाते शेयर कर सकें। धर्मशास्त्रों में सच्चा मित्र उसे कहा गया है, जो सुख-दुख में साथ दे। ऐसे दोस्त से कभी भी डर नहीं लगता। ये सही रास्ते पर चलने में हमारे मददगार होते हैं। लेकिन, ऐसा दोस्त कौन है? क्या वह जो सिर्फ परिचित है? सच्ची दोस्ती प्रेम, विश्वास व भरोसा, एक-दूसरे का ख्याल रखने और चिंताओं पर ही आधारित होती है। क्या, कभी इस प्रश्न का उत्तर आपने खुद से पूछा है?

प्रिय शब्दों से मित्रों की संख्या बढ़ती है और मधुर वाणी से मैत्रीपूर्ण व्यवहार। हमारे परिचित अनेक हों, किंतु परामर्शदाता ईश्वर एक ही है। ईश्वर ही सच्चा दोस्त है, जो जीवन के हर पल में हमारी परछाई बनकर साथ रहता है। उस पर अपनी आंखें बंद कर, विश्वास व भरोसा करते हैं। जब सुखी या दुखी होते हैं, ईश्वर से प्रार्थना करते हैं और प्रार्थना के रूप में उससे बातें करते हैं। जीवन की हर बात उससे साझा करते हैं और फिर खुद को हल्का महसूस करते हैं। किसी भी कार्य की शुरूआत हम ईश्वर से आशीर्वाद लेकर ही करते हुए कहते हैं-हे मेरे मालिक, मुझ पर अपनी छत्र-छाया बनाए रख, मेरा मार्गदर्शन कर और मुझे सफलता प्रदान कर।

कोई मित्र अवसरवादी होता है, वह विपत्ति में साथ नहीं देगा। कोई मित्र शत्रु बन जाता है और अलगाव का दोष भी हमें ही देता है। कोई मित्र हमारे यहां खाता-पीता है, किंतु विपत्ति के वक्ति दिखाई नहीं देता। समृद्धि के दिनों में वह हमारा अंतरंग बन कर रौब जमाता है, किंतु दुर्दिन आते ही शत्रु बनकर मुंह फेर लेता है। परीक्षा लेने के बाद किसी को मित्र बना लो, लेकिन उस पर तुरंत विश्वास मत करो। अपमान, अहंकार और विश्वासघात के कारण मित्रता टूट जाती है। कभी ऐसा भी होता है, जिस दोस्त पर हम सबसे ज्यादा विश्वास व भरोसा करते हैं, वही विश्वासघात करता है और हृदय पर चोट लगने पर मित्रता टूट जाती है।

अगर, हम संकट और दरिद्रता में मित्र का साथ दें तो उसकी समृद्धि और विरासत के साझेदार बन सकते हैं। सच्चा दोस्त जीवन में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। उससे घर-परिवार व समाज में पहचान बनती है। सच्चा मित्र प्रबल सहायक है। जिसे मिल जाता है, समझो उसे खजाना मिल गया। ऐसे मित्र की कीमत धन से नहीं चुकाई जा सकती। सच्चा मित्र असल में संजीवनी है। इंसान जैसा है, उसका मित्र भी वैसा ही होगा।

एग्जिट पोल गलत साबित हुए तो भारतीय शेयर बाजार में आएगी भारी गिरावट

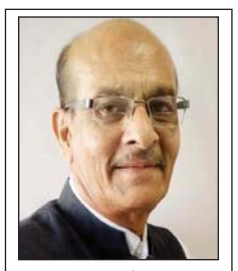

सनत जैन

गोदी मीडिया बनाम सोशल मीडिया में मुकाबला...

1 जून को लोकसभा चुनाव के सातों चरण का मतदान पूर्ण हो चुका है। इसके बाद जो एग्जिट पोल आए हैं, उनमें एनडीए गठबंधन और भाजपा को पूर्ण बहुमत दिखाया गया है। नेशनल मीडिया चैनल द्वारा जारी एग्जिट पोल में, भारी बहुमत से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीसरी बार सरकार बनती हुई दिख रही है। इन दिनों भारत में अधिकांश नेशनल न्यूज चैनल्स को गोदी मीडिया कहा जाता है। जो सरकार के इशारे पर, सरकार के लिए काम करता है। 2024 के लोकसभा चुनाव में यह एक अविश्वसनीय मीडिया के रूप में आम मतदाताओं के बीच में पहचाना गया है। जिस तरह से 2014 और 2019 का चुनाव व्हाट्सएप के जरिए सोशल मीडिया पर लड़ा गया था। इसका पूरा फायदा भारतीय जनता पार्टी को हुआ था। इस बार व्हाट्सएप और सोशल मीडिया जिसमें यूट्यूबर शामिल है। वह आम जनता के बीच में काफी लोकप्रिय साबित हुए हैं। नेशनल टीवी चैनल द्वारा जो नहीं दिखाया और बताया गया, उसकी कमी इस बार व्हाट्सएप और सोशल मीडिया के कई प्लेटफार्म्स ने पूरी करते हुए आम जनता तक अपनी अच्छी खासी पहुंच बनाई है। लाखों लोग गांव-गांव में रोजाना सोशल मीडिया मे यूट्यूब और व्हाट्सएप के माध्यम से सारी जानकारी प्राप्त कर रहे थे। महंगाई और बेरोजगारी की लड़ाई, सोशल मीडिया में जिस तरह से लड़ी गई है, इसका असर चुनाव प्रचार के दौरान देखने को मिला है। विपक्षी दल इंडिया गठबंधन की रेलियों और जनसभाओं में भारी भीड़ सभी राज्यों में उमड़ी है। मतदान का प्रतिशत घटा है। धार्मिक ध्रुवीकरण का मुद्दा मतदाताओं के बीच में नहीं देखा गया। राम मंदिर का मुद्दा भी इस बार कोई काम नहीं आया। उल्टे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह से कांग्रेस के घोषणा पत्र का पोस्टमार्टम उससे उन्होंने कांग्रेस के घोषणा पत्र को जन-जन तक पहुंचाने का काम कर दिया। जिसका असर आम मतदाताओं में इंडिया गठबंधन के पक्ष में देखने को मिला है।

इस बार सोशल मीडिया, इंडिया गठबंधन की सरकार बना रही है। सोशल मीडिया में निष्पक्ष और वरिष्ठ पत्रकार हैं। वह इंडिया गठबंधन की सरकार को बनता हुआ दिखा रहे हैं। ज्योतिषियों के अनुसार भी भारतीय जनता पार्टी की ग्रह दशा सबसे खराब है। इंडिया गठबंधन और कांग्रेस की ग्रह दशा सबसे अच्छी ज्योतिषी बता रहे हैं। नेशनल मीडिया ने जो एग्जिट पोल दिखाया है, ठीक उसके विपरीत सोशल मीडिया का एग्जिट पोल है। जिसके कारण मतदाता और निवेशक भ्रम की स्थिति में है। शेयर बाजार के विदेशी निवेशक वेट एंड वॉच की मुद्रा में है। अभी तक वह 40000 करोड रुपए से ज्यादा की निकासी कर चुके हैं। 4 तारीख को मतगणना के दिन भारतीय जनता पार्टी की सरकार तीसरी बार केंद्र में बनती हुई दिखी, तो निश्चित रूप से शेयर बाजार में सुपर बुल की स्थिति देखने को मिलेगी। शेयर बाजार 75000 के ऊपर कारोबार करता हुआ दिखेगा। 4 जून को यदि इंडिया गठबंधन को सरकार बनने लायक बहुमत मिला, तो डॉलर के मुकाबले भारतीय करेंसी 85 रुपए के स्तर को छू सकती है। शेयर बाजार की भाषा में यदि यह स्थिति बनी, तो बाजार में भारी गिरावट होना तय माना जा रहा है। म्युचुअल फंड के निवेशकों को नुकसान होना तय माना जा रहा है। शेयर बाजार के 10 फीसदी से ज्यादा गिरने की आशंका व्यक्त की जाने लगी है। शेयर बाजार के मंदडियों का मानना है, कि बाजार 73000 के अंक से घटकर 60000 के स्तर पर आ जाता है, तो इस पर किसी को आश्चर्य नहीं होगा। चुनाव के हर चरण के मतदान के पहले और बाद में शेयर बाजार में तेजी-मंदी का दौर बना रहा। विदेशी निवेशकों में भी भय बना हुआ है। 4 जून को क्या होगा इसको लेकर सभी लोगों के बीच में उत्सुकता बनी हुई है।

विश्व साइकिल दिवसः पर्यावरण हितैषी वाहन है साइकिल

रमेश सर्राफ धमोरा

भारत की आर्थिक तरक्की में साइकिल ने बहुत अहम भूमिका निभाई है। आजादी के बाद से ही साइकिल देश में यातायात व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा रही है। खासतौर पर 1960 से लेकर 1990 तक भारत में ज्यादातर परिवारों के पास साइकिल थी। यह व्यक्तिगत यातायात का सबसे ताकतवर और किफायती साधन था। गांवों में किसान साप्ताहिक मंडियों तक सब्जी और दूसरी फसलों को साइकिल से ही ले जाते थे। दूध की सप्लाई गांवों से पास से कस्बाई बाजारों तक साइकिल के जरिये ही होती थी। डाक विभाग का तो पूरा तंत्र ही साइकिल के बूते चलता था। आज भी पोस्टमैन साइकिल से चिट्ठियां बांटते हैं। चीन के बाद आज भी भारत दुनिया में सबसे ज्यादा साइकिल बनाने वाला देश है।

दो सौ साल पहले 12 जून 1817 को जर्मनी के मैनहेम में बैरन कार्ल वॉन ड्रैस ने दुनिया की पहली साइकिल पेश की थी। यह लकड़ी से बना था और इसमें पैडल, गियर या जंजीर नहीं थी। उसने खुद को पहले एक पैर से और फिर दूसरे पैर से धकेला। उन्होंने इसे लॉफमाशाइन (जर्मन में चलने वाली मशीन) कहा। अब तो जापान के फुकुकोआ शहर में छात्रों ने एक ऐसी साइकिल बनाई है जो हवा से चलती है। इसकी अधिकतम रफ्तार 64 किलोमीटर प्रति घंटा है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड ने इसे कंप्रेस्ड हवा से चलने वाली दुनिया में सबसे तेज साइकिल का सर्टिफिकेट दिया है।

3 जून 2018 को विश्व में पहला विश्व साइकिल दिवस मनाया गया। तब से दुनिया में प्रतिवर्ष साइकिल दिवस मनाया जाने लगा है। इस बार हम छठवां विश्व साइकिल दिवस मना रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ ने परिवहन के सामान्य, सस्ते, विश्वसनीय, स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल साधन के रूप में इसे बढ़ावा देने के लिए विश्व साइकिल दिवस को मनाने की घोषणा की थी।

भारत में भी विकसित की जा रही ज्यादातर आधारभूत आधुनिक संरचनाएं मोटर-वाहनों को ही सुविधा प्रदान करने के लिए बन रही हैं। साइकिल जैसे पर्यावरण-

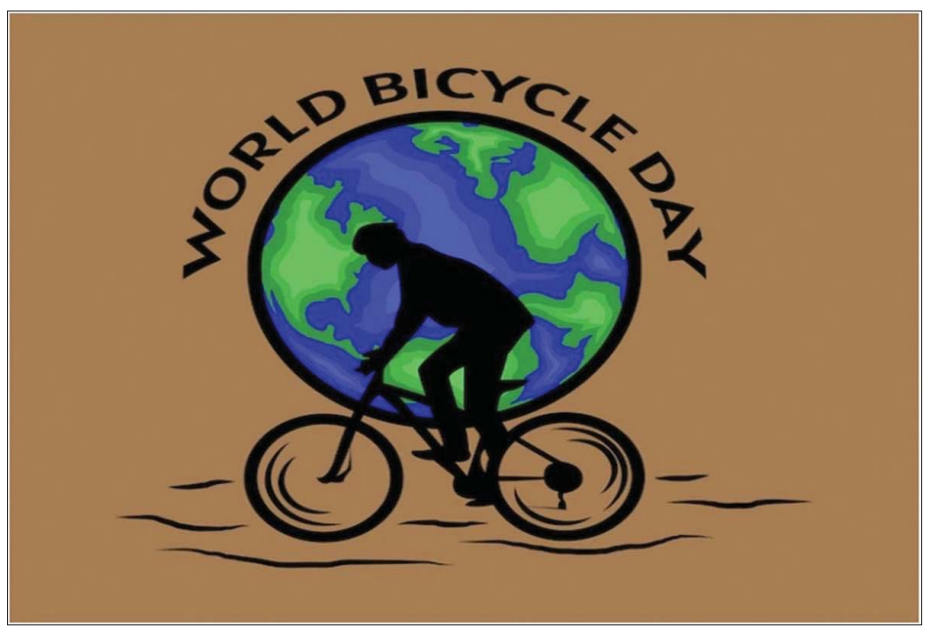

हितैषी वाहन को नजरअंदाज किया जा रहा है। जबकि शहरी व ग्रामीण परिवहन में भी साइकिल का महत्वपूर्ण स्थान है। खासतौर से कम आय-वर्ग के लोगों के लिए साइकिल उनके जीविकोपार्जन का एक सस्ता, सुलभ और जरूरी साधन है। यह इसलिए भी कि भारत का कम आय-वर्ग के लोग अपनी कमाई से प्रतिदिन सौ-पचास रुपये परिवहन पर खर्च करने में सक्षम नहीं हैं।

भारत सरकार अपनी साइकिल परिवहन व्यवस्था में कुछ जरूरी मूलभूत सुधार करके आम और खास लोगों को साइकिल चलाने के लिए प्रेरित कर सकती है। सरकार के इस कदम से ऐसे सभी लोग प्रेरणा पा सकते हैं। जिनकी प्रतिदिन औसत यातायात दूरी पांच-सात किलोमीटर के आसपास बैठती हैं। हमारे देश की कई राज्य सरकारें अपने स्कूली छात्र-छात्राओं को बड़ी संख्या में साइकिल वितरण कर रही हैं। जिससे साइकिल सवारों की संख्या में वृद्धि हुई है। ह्रद एनर्जी ऐंड रिसर्च इंस्टीट्यूट्ह्र के अनुसार पिछले एक दशक में साइकिल चालकों की संख्या ग्रामीण क्षेत्रों में 43 फीसदी से बढकर 46 फीसदी हुई है। जबकि शहरी क्षेत्रों में यह संख्या 46 फीसदी से घटकर 42 फीसदी पर आ गई है। इसकी मुख्य वजह साइकिल सवारी का असुरक्षित होना ही पाया गया है।

बच्चे सबसे पहले साइकिल चलाना ही सीखते है। इसलिये बचपन में हम सभी ने साइकिल चलाई है। पहले के जमाने में जिसके पास साइकिल होती थी वह बहुत प्रतिष्ठित व्यक्ति माना जाता था। गांव के लोग जब कभी शहरों में जाते थे। तब लोगों को साइकिल चलाते हुए देखते थे और फिर वे खुद भी धीरे-धीरे साइकिल चलाना सीख जाते थे। पहले शहरों में किराए पर भी साइकिले मिलती थी।

देश की युवा पीढ़ी को अब साइकिल के बजाय मोटरसाइकिल ज्यादा अच्छी लगने लगी है। शहरों में मोटरसाइकिल का शौक बढ़ रहा था। गांवों में भी इस मामले में बदलाव की शुरूआत हो चुकी थी। इसके बावजूद भारत में साइकिल की अहमियत खत्म नहीं हुई है। 1990 के बाद से साइकिलों की बिक्री में बढ़ोतरी आई है। लेकिन ग्रामीण इलाकों में इसकी बिक्री में गिरावट आई है। दरअसल 1990 से पहले जो भूमिका साइकिल की थी। उसकी जगह गांवों में मोटरसाइकिल ने ले ली है। इसके उपरांत भी साइकिल आज भी हमारे जीवन का अभिन्न अंग हैं।

देश में लॉकडाउन के दौरान दूसरे प्रदेशों में कमाने गए लाखों लोग साइकिल पर 1000-1500 किलोमीटर की दूरी तय कर अपने घर पहुंचे थे। संकट के समय साइकिल ही उनके घर पहुंचने का एकमात्र साधन बनी थी। लॉकडाउन के दौरान लाखों लोगों के घर पहुंचने का सबसे उपयोगी साधन बनने से लोगों को यह बात अच्छी तरह समझ में आ गयी की साइकिल आज भी आम लोगों का सबसे सस्ता व सुलभ साधन है।

अब तो विभिन्न प्रकार के फीचर से लैस गियर वाली कीमती साइकिले बाजार में आ गई है। पहले लोगों के पास सामान्य साइकिले ही हुआ करती थी। जिनके पीछे एक कैरियर लगा रहता था। जिस पर व्यक्ति अपना सामान रख लेता था व जरूरत पड़ने पर दूसरे व्यक्ति को बैठा लेता था। कई बार तो साइकिल सवार आगे लगे डंडे पर भी अपने साथी को बिठाकर 3-3 लोग साइकिल पर सवारी करते थे। साइकिल से वातावरण में किसी तरह का प्रदूषण नहीं होता था। पेट्रोल डलवाने का झंझट भी नहीं था। साइकिल उठाई पैडल मारे और पहुंच गए अगले स्थान पर। पहले के जमाने में साइकिल के आगे एक छोटी सी लाइट भी लगी रहती थी। जिसका डायनुमा पीछे के टायर से जुड़ा रहता था। साइकिल सवार जितनी तेजी से साइकिल चलाता उतनी ही अधिक लाइट की रोशनी होती थी।

तीन साल पहले विश्व साइकिल दिवस के दिन ही भारत की सबसे बड़ी साइकिल निमार्ता कम्पनी एटलस बंद हो गयी थी। प्रतिवर्ष 40 लाख साइकिल का उत्पादन करने वाली भारत की सबसे बड़ी व दुनिया की जानी मानी कम्पनी एटलस के बंद होने से साइकिल उद्योग को बड़ा धक्का लगा है। एटलस की फैक्ट्री बंद होने से वहां काम करने वाले करीबन एक हजार लोग बेरोजगार हो गये। एटलस साइकिल कम्पनी की स्थापना 1951 में हुई थी। इसका कई विदेशी साइकिल निमार्ता कंपनियों के साथ गठबंधन था। जिस कारण एटलस कम्पनी की साइकिल दुनिया भर की श्रेष्ठ साइकिलों में शुमार होती थी। अमेरिका के बड़े-बड़े डिपार्टमेंट स्टोर में भी एटलस की साइकिले बेची जाती थी। अब समय आ गया है कि शहर एवं गांवो में साइकिल चालन को एक बड़े स्तर पर प्रोत्साहन देने का। ताकि बढ़ते प्रदूषण को कुछ हद तक रोका जा सके। शहरों में समर्पित साइकिल मार्गों का निर्माण किया जाना चाहिये। हमें विश्व साइकिल दिवस को महज एक सांकेतिक कवायद के रूप में नहीं देखना चाहिये। आज के दिन हमें मन ही मन इस बात का संकल्प लेना चाहिये कि हम हमारे रोजमर्रा के काम साईकिल से पूरा करेगें। तभी सही मायने में साइकिल दिवस मनाना सफल हो पायेगा।

बढ़ते प्रदूषण की वजह से दुनिया के बहुत से देशों में साइकिल चलाने को बढ़ावा दिया जा रहा है। नीदरलैंड की राजधानी एम्सटर्डम में सिर्फ साइकिल चलाने की ही अनुमति है। भारत में भी दिल्ली, मुंबई, पुणे, अहमदाबाद और चंडीगढ़ में सुरक्षित साइकिल लेन का निर्माण किया गया है। उत्तर प्रदेश में भी 200 किलोमीटर लम्बा एशिया का सबसे लंबा साइकिल हाई वे बना है। अभी देश में साइकिल चालकों के अनुपात में साइकिल रोड़ विकसित किए जाने की प्रबल आवश्यकता है। पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से देखा जाए तो दुनिया के देशों में साइकिल की वापसी पर्यावरण की दृष्टि से एक शुभ संकेत माना जा सकता है।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

मतगणन सुहब 8 बजे शुरू होगी, त्रुटिरहित मतगणना हेतु तैयारी पूरी-मुख्य निर्वाचन अधिकारी

कार्यालय संवाददाता

झांसी। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवदीप रिणवा ने बताया कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 की मतगणना 04 जून, 2024 को प्रातः 8.00 बजे से प्रारम्भ होगी। मतगणना प्रदेश के 75 जनपदों में, 81 मतगणना केन्द्रों पर होगी। आगरा, मेरठ, आजमगढ, देवरिया, सीतापुर, कुशीनगर जनपद में मतगणना 02-02 केन्द्रों पर होगी। 08 लोकसभा क्षेत्रों की मतगणना 03 जनपदों में, 37 लोकसभा क्षेत्रों की मतगणना 02 जनपदों में तथा 35 लोकसभा क्षेत्रों की मतगणना 01 जनपद में होगी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवदीप रिणवा ने रविवार को विकास भवन सचिवालय स्थित निर्वाचन कार्यालय के कान्फ्रेंस हॉल में प्रेसवार्ता कर 04 जून को होने वाली मतगणना की तैयारियों के सम्बन्ध में जानकारी दी। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि पोस्टल बैलेट की मतगणना आर0ओ0 मुख्यालय जनपद के मतगणना स्थल में होगी। मतगणना विधानसभा क्षेत्रवार होगी। तत्पश्चात् लोकसभा क्षेत्र में समाहित विधानसभा क्षेत्रों के परिणाम का योग कर लोकसभा क्षेत्र का परिणाम घोषित किया जायेगा। 12-गाजियाबाद लोकसभा क्षेत्र में समाहित 55-साहिबाबाद विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक 1127 मतदेय स्थल होने के कारण सबसे अधिक 41 राउण्ड में मतगणना सम्पन्न होगी। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतगणना हेतु 179 प्रेक्षक तैनात किये गये हैं। 15 प्रेक्षक को 01-01 विधानसभा क्षेत्र, 104 प्रेक्षक को 02-02 विधानसभा क्षेत्र तथा 60 को 03-03 विधानसभा क्षेत्र आवंटित किये गये हैं। 80 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतगणना 80 रिटर्निंग आफिसर तथा 1581 सहायक रिटर्निंग आफिसर द्वारा सम्पन्न करायी जायेगी। 136-ददरौल (शाहजहांपुर), 173-लखनऊ पूर्व (लखनऊ), 292-गैंसड़ी (बलरामपुर) तथा सोनभद्र जनपद की 403-दुद्धी (अ0ज0जा0) विधानसभा उप निर्वाचन क्षेत्र की मतगणना 04 रिटर्निंग आफिसर तथा 26 सहायक रिटर्निंग आफिसर द्वारा सम्पन्न करायी जायेगी।

समस्त मतगणना एवं सीलिंग की कार्यवाही सी0सी0टी0वी0 की निगरानी में की जायेगी। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 में कुल 851 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं, जिसमें 771 पुरूष एवं 80 महिला है। सबसे अधिक 28 प्रत्याशी 70-घोसी लोकसभा क्षेत्र में तथा सबसे कम 4 प्रत्याशी 57-कैसरगंज लोकसभा क्षेत्र में हैं। मतगणना सकुशल सम्पन्न कराने हेतु पर्याप्त मात्रा में केन्द्रीय अर्द्ध सैनिक बलों की तैनाती भी की गयी है। अभ्यर्थी या उसके निर्वाचन अभिकर्ता द्वारा मतगणना प्रारम्भ होने के दिनांक से 03 दिन पूर्व सायं 5.00 बजे तक काउंटिंग एजेण्ट बनाये जाने हेतु प्रारूप-18 पर रिटर्निंग आफिसर के समक्ष आवेदन किया गया है। मतगणना एजेण्ट नियुक्त करने हेतु कोई योग्यता निर्धारित नहीं है। अभ्यर्थियों द्वारा 18 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति को काउंटिंग एजेण्ट बनाया जा सकता है। केन्द्र/राज्य सरकार के मंत्रिपरिषद के सदस्यों, सांसदों, विधायकों, मेयर, नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत के अध्यक्ष को काउंटिंग एजेण्ट बनाये जाने पर प्रतिबंध है। केन्द्र/राज्य सरकार से सुरक्षा प्राप्त व्यक्तियों को काउंटिंग एजेण्ट बनाये जाने पर प्रतिबंध है। ग्राम प्रधान, सरपंच, पंचायत सदस्यों, सभासद आदि को काउंटिंग एजेण्ट बनाये जाने के संबंध में कोई प्रतिबंध नहीं है, जो निर्वाचन क्षेत्र के निवासी हैं। अप्रवासी भारतीय को भी काउंटिंग एजेण्ट बनाया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि सभी लोकसभा क्षेत्रों में पोस्टल बैलेट की गणना हेतु अतिरिक्त कक्ष का अनुमोदन भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदान किया गया है। पोस्टल बैलेट की गणना हेतु होम वोटिंग एवं वोटर फैसिलिटेशन सेंटर पर प्राप्त पोस्टल बैलेट मतों की गणना प्रातः 8.00 बजे प्रारम्भ होगी तथा सर्विस वोटर से प्राप्त ईटीपीबीएस की स्कैनिंग भी प्रातः 8.00 बजे से प्रारम्भ की जायेगी। स्कैनिंग के उपरान्त ईटीपीबीएस मतों की गणना की जायेगी। ईटीपीबीएस की स्कैनिंग/प्री काउंटिंग हेतु 871 टेबल एवं पोस्टल बैलेट की मतों की गणना 794 टेबल पर की जायेगी। मतगणना स्थल की सुरक्षा हेतु त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लगायी गयी है। प्रथम स्तर की सुरक्षा मतगणना स्थल से 100 मीटर की परिधि पर होगी, जहां क्षेत्रीय पुलिस बल तैनात रहेगा। द्वितीय स्तर की सुरक्षा मतगणना स्थल के गेट पर होगी, जहां राज्य पुलिस बल तैनात रहेगी। तृतीय स्तर की सुरक्षा मतगणना हॉल के लिए होगी जो कि सीएपीएफ की निगरानी में होगी। मतगणना स्थल परिसर में मीडिया सेंटर स्थापित किया जा रहा है। सूचना विभाग से 01 अधिकारी मीडिया सेंटर का प्रभारी रहेगा। आर0ओ0 द्वारा नियुक्त अधिकारियों द्वारा समय-समय पर छोटे समूहों में मीडिया बन्धुओं को कुछ समय के लिए मतगणना हाल का भ्रमण भी कराया जायेगा। मतगणना हाल के भीतर भारत निर्वाचन आयोग से जारी मीडिया पास धारक मीडिया कर्मी को ही बिना स्टैण्ड का कैमरा ले जाने की अनुमति होगी। मीडिया बन्धुओं को मीडिया सेंटर पर मोबाइल प्रयोग किये जाने की अनुमति रहेगी। प्रत्येक मतगणना स्थल पर पब्लिक कम्युनिकेशन कक्ष भी स्थापित किया जा रहा है, जहां पर प्रत्याशी व उनके एजेण्ट आवश्यकता पड़ने पर मोबाइल फोन का प्रयोग कर सकते हैं तथा उनके फोन सुरक्षित रखे जाने की व्यवस्था भी की जा रही है। प्रत्येक मतगणना हॉल में 01 ब्लैक बोर्ड/व्हाइट बोर्ड की व्यवस्था की जायेगी जिसमें प्रत्याशियों के नाम व राउण्डवार परिणाम लिखा जाएगा ताकि सभी मतगणना एजेण्ट उसे देख सकें। मीडिया कर्मी एवं आमजन ेल्ूि.म्ुदन्.ग्ह पर जाकर मतगणना के रूझान एवं परिणाम जान सकते हैं। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र एवं लोकसभा क्षेत्र में सार्वजनिक उदबोधन प्रणाली (इ्लत्रम्ी एबेस) की भी व्यवस्था की गयी है। सर्वप्रथम प्रत्येक टेबल पर काउंटिंग एजेण्ट के बैठने की व्यवस्था रहेगी। सबसे आगे मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दल, उसके बाद रजिस्ट्रीकृत अमान्यता प्राप्त दल तथा उसके बाद निर्दलीय प्रत्याशी के एजेण्ट बैठेंगे।टेबल पर सी0यू0 आने के उपरान्त मतगणना पर्यवेक्षक द्वारा सी0यू0 का नम्बर दिखाया जायेगा, जिससे यह स्पष्ट होगा कि यह सी0यू0 उसी बूथ से संबंधित है। सी0यू0 के साथ 17सी भाग-1 में उल्लिखित मतों को एजेण्टों को बताया जायेगा। इसके बाद सी0यू0 को ऑन कर प्रत्याशीवार मतगणना परिणाम 17सी भाग-2 पर अंकित किया जायेगा। किसी एजेण्ट द्वारा पुनः परिणाम दिखाये जाने के अनुरोध पर मतगणना पर्यवेक्षक द्वारा पुनः परिणाम दिखाया जाएगा। 17सी भाग-2 पर मतगणना पर्यवेक्षक एवं काउंटिंग एजेण्ट के हस्ताक्षर के उपरान्त एक प्रति फीडिंग के लिए जायेगी तथा दूसरी प्रति की छायाप्रतियां कराकर काउंटिंग एजेण्ट को प्राप्त करायी जायेगी।

पत्रकारों का उत्पीड़न एवं शोषण एसोशिएशन रोकने के लिए प्रदेश व्यापी होगा आंदोलन-सुनील त्रिपाठी

कार्यालय संवाददाता

फतेहपुर/लखनऊ। जून प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक जर्नलिस्ट एसोसिएशन के 25 वे स्थापना दिवस एवं राष्ट्रीय अधिवेशन में राज्यों एवं प्रदेश तथा जिलों से आए पत्रकारों को राष्ट्रीय चिन्ह तिरंगा एवंसम्राट अशोक एवं भगवा पटटे से प्रेक्षा ग्रह उद्यान विभाग हजरतगंज लखनऊ में 1 जून को सैकड़ो पत्रकारों को सम्मानित करने के बाद छत्तीसगढ़ से पधारे मुख्य अतिथि अशोक अग्रवाल राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रभारी छत्तीसगढ़ नै पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा की प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक जर्नलिस्ट एसोसिएशन 25 वर्ष से पत्रकारों को उनके मौलिक अधिकार दिलाने के लिए संघर्ष के साथ-साथ पूरे देश के कई राज्यों में पत्रकारों को सम्मानित करने एवं उनको सम्मान दिलाने के लिए आयोजन के माध्यम से पत्रकारों को एकजुट कर उनके मौलिक अधिकार दिलाने के लिए प्रयास रत है

मुख्य अतिथि श्री अग्रवाल ने कहा एसोसिएशन पत्रकारों के मौलिक अधिकार दिलाने के लिए केंद्र एवं राज्यों की सरकारों से पत्रकारों का उत्पीड़न एवं शोषण रोकने एवं उनके मौलिक अधिकार दिलाने के लिए प्रतिनिधि मंडल के साथ मुलाकात कर रणनीति तय करेगा इसके पूर्व श्री अग्रवाल ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक जर्नलिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय सचिव कृपा शंकर दुबे ,बलराम मौर्य, डॉक्टर कलप राम त्रिपाठी, शेर सिंह, राजेश कुमार गुप्ता ने स्थापना दिवस पर संकल्प लेते हुए पत्रकारों को उनके मौलिक अधिकार दिलाने के लिए सड़क से लेकर सदन तक के आंदोलन में सहयोग करने क्या ऐलान किया एसोसिएशन के हरिराम त्रिपाठी राष्ट्रीय सचिव एवं सह प्रभारी उत्तर प्रदेश ने आयोजन में उपस्थित पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा उत्तर प्रदेश इकाई के जिला अध्यक्षों को पत्रकारों को

उनके मौलिक अधिकार दिलाने के लिए उन्हें पावर देकर पत्रकारों का उत्पीड़न एवं शोषण रोका जाएगा उन्होंने स्पष्ट कहा पत्रकारों को एसोसिएशन से जुड़कर अपनी लड़ाई लड़नी चाहिए और पूरे उत्तर प्रदेश में एसोसिएशन ही एक ऐसा संगठन है जो पत्रकारों के मौलिक अधिकारों के लिए संघर्ष करता है एस के पांडेय राष्ट्रीय सचिव एवं सह प्रभारी उत्तर प्रदेश नै? आए हुए आयोजन में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा जब तक पत्रकार एकजुट होकर अपने प्रताड़ित पत्रकार साथी का शासन और प्रशासन से न्याय दिलाने के लिए खुलकर समर्थन नहीं करेंगे तब तक पत्रकारों का उत्पीड़न रुकना संभव नहीं है संगठन के समस्त प्रदेश इकाई के पदाधिकारी को स्वस्थ करते हुए कहा जनपद में पत्रकार उत्पीड़न को गंभीरता से लेकर पीड़ित पत्रकार को न्याय दिलाए और उनका मान सम्मान पत्रकारों के मान सम्मान के साथ सुरक्षित रहेगा उपरोक्त अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय महासचिव एवं उत्तर प्रदेश के प्रभारी राजेश अग्रवाल की सहमति पर उत्तर प्रदेश के सह प्रभारी डॉक्टर हरिराम त्रिपाठी एवं उत्तर प्रदेश के सह प्रभारी श्री पांडेय ने लखनऊ के वरिष्ठ पत्रकार सुनील त्रिपाठी को उत्तर प्रदेश इकाई का नया प्रदेश अध्यक्ष घोषित करते हुए नए प्रदेश अध्यक्ष का एसोसिएशन के सदन में सैकड़ो पत्रकारों

की उपस्थिति में फूल मालाओं से भव्य स्वागत एवं सम्मान आयोजित किया गया आयोजन को सचिव एवं लखनऊ मंडल के प्रभारी जी पी दीक्षित ने शासन और प्रशासन को मंच से ललकार करते हुए कहा प्रदेश के पत्रकारों को न्याय दिलाना और उनके मौलिक अधिकार दिलाना एसोसिएशन का महत्वपूर्ण काम है और पूरे उत्तर प्रदेश में एक यही एक एसोसिएशन है जो पत्रकारों के लिए संघर्ष करता है उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा विज्ञापन बिचौलियों के माध्यम से मिलना और विज्ञापन में भारी कमीशन बाजी तथा बिलों का समय से पेमेंट ना होना इसमें भ्रष्टाचार की हुआ रही है इसके अतिरिक्त संपादकों का आर एन आई एवं डीएवीपी द्वारा बार-बार संपादकों का उत्पीड़न करना यह पत्रकार के हित में नहीं है सरकार को अपनी नीतियों के माध्यम से देश के चौथे स्तंभ पत्रकार को भी रोटी कपड़ा मकान देने के लिए विचार विमर्श करना चाहिए तभी देश में न्याय प्रिय और लोकप्रिय सरकार का संचालन संभव है ऐसा न करने से भ्रष्टाचार एवं आतंकवाद को बढ़ावा मिलता है आयोजन को नंदकिशोर शिवहरे राजेश जायसवाल के अतिरिक्त राज्यों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश सिकाई के प्रदेश कार्यकारिणी एवं जिला अध्यक्षों ने संबोधित कियाभव्य एवं सुंदर कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कार्यक्रम के संयोजक गिरीश चंद्र कुशवाहा ने मंचासीन अतिथियों को अंग वस्त्र एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं पंडित गणेश शंकर विद्यार्थी अवार्ड से सम्मानित किया तथा उनका फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया तत्पश्चात आए हुए अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा पत्रकारों का उत्पीड़न एवं शोषण किसी भी कीमत में बर्दाश्त नहीं करूंगा उपरोक्त आयोजन में महोबा से बी बंसल हमीरपुर से मेरे मधु निगम गोंडा से राजपाल सिंह अयोध्या से आचार्य स्कंद दास बरेली से भूपेंद्र वर्मा मैनपुरी से मनोज वर्मा लखनऊ से स्वामी दयाल गौडआज लोगों ने अपने विचार व्यक्त किया उपरोक्त अवसर पर अनुपम सिंह मीनू तिवारी कविता निगम बाबूराम सिंह नीरज कुशवाहा विमल कुमार शाक्य एडवोकेट बलवंत कुशवाहा अरुणा त्रिवेदी रजिया परवीन आशीष त्रिवेदी आदि पत्रकारों ने आयोजन को सफल बनाने के लिए अपना बहुमूल्य समय प्रदान किया उपरोक्त अवसर पर संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री कुशवाहा का हर्षो उल्लास के साथ जन्मदिन मनाया गया।

मालगाड़ी का पहिया निकलकर रेलवे लाइन के हुआ बाहर

कार्यालय संवाददाता

कौशाम्बी। दिल्ली हावड़ा रेल लाइन के डीएफसी लाइन पर एक मालगाड़ी डीरेल हो गई है,मालगाड़ी के डिब्बे का पहिया निकलकर बाहर हो गया ,मालगाड़ी के पहिए निकल जाने के चलते डीएफसी रेलवे लाइन पर रेल यातायात बाधित हो गया है,मालगाड़ी के डीरेल हो जाने की सूचना पर रेलवे कर्मचारी पहुंचे और पहिए को सही करने में जुटे हुए है।

दिल्ली हावड़ा रेल लाइन के सैनी कोतवाली क्षेत्र के कनवार रेलवे स्टेशन के पास डीएफसी रेलवे लाइन की डाउन लाइन पर रविवार की भोर 5:20 भोर दिल्ली से प्रयागराज की तरफ जा रही मालगाड़ी पटरी से उतर गई इस दौरान मालगाड़ी का कुछ हिस्सा कौशांबी बॉर्डर के खंभा नम्बर 573/25 के पास रह गया जबकि बोगी के आगे का हिस्सा कुछ दूर जाकर फतेहपुर जनपद के छीमी पुरईन के पास मालगाड़ी का पहिया निकल कर रेलवे लाइन के बाहर हो गए है,अचानक पहिया के निकल जाने से मालगाड़ी डीरेल हो गई।जिसके चलते रेल यातायात बाधित हो गया, ट्रेन के लोको पायलट ने इसकी सूचना रेलवे स्टेशन मास्टर और उच्च अधिकारियों को दी,जिसके बाद रेल कर्मचारी मालगाड़ी पहिया ठीक करने और रेलवे लाइन को दुरुस्त करने में जुट गए है। मामले में सीजीएम प्रयागराज मंडल ई वी सरम ने बताया की मालगाड़ी का पहिया पटरी से उतरने से पहिया निकलने की खबर मिली है , रेलवे कर्मचारी पटरी को दुरुस्त करने में जुटे है , शाम 5 बजे तक यातायात सुचारू रूप से चालू हो जाएगा , हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है।

साहब जमीन में भू माफिया जबरन डाल रहे मिट्टी

कार्यालय संवाददाता

कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में कुछ भू माफिया जबरन पीड़ित की जमीन में अवैध कब्जा करने की नियत से मिट्टी डाल रहे है , जिसका विरोध करने पर दबंग झगड़े पर अमादा हो जाते है , पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से करते हुए कार्यवाही की मांग की है ।सैनी कोतवाली क्षेत्र के चकसैनी गांव का रहने वाला महेंद्र कुमार पुत्र सजावल ने रविवार को सैनी पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया की गांव में उसकी जमीन है । महेंद्र कुमार का आरोप है की गांव का एक व्यक्ति उसकी जमीन पर अवैध कब्जा करने की नियत से उसकी जमीन में ट्रैक्टर से जबरन मिट्टी डाल रहा है जिसका विरोध करने पर दबंग झगड़े पर अमादा होकर धमकी देता है , पीड़ित ने मामले में पुलिस से कार्यवाही की मांग की है।

रीवा एक्सप्रेस ट्रेन में बुजुर्ग की बिगड़ी हालत

कौशाम्बी। रीवा से चलकर नई दिल्ली को जाने वाली रीवा नई दिल्ली एक्सप्रेस ट्रेन में सवार बुजुर्ग यात्री की भीषण गर्मी के चलते अचानक तबियत बिगड़ गई,ट्रेन जैसे ही सिराथू रेलवे स्टेशन पर रुकी तो ट्रेन में बैठे अन्य यात्रियों ने बुजुर्ग की हालत खराब होने की सूचना एंबुलेंस, रेलवे पुलिस और स्टेशन मास्टर को दी।यात्रियों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने बुजुर्ग यात्री को ट्रेन से उतारकर एंबुलेंस की मदद से इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया ।दिल्ली हावड़ा रेल लाइन के सराय अकिल थाना क्षेत्र के भगवानपुर कोटिया गांव के रहने वाले घसीटे पुत्र शुकरू 70 वर्ष अपने पुत्र रामलाल के साथ भरवारी रेलवे स्टेशन से रीवा एक्सप्रेस ट्रेन में बैठकर इलाज के लिए दिल्ली जा रहे थे ट्रेन जैसे ही सैनी कोतवाली क्षेत्र के सिराथू रेलवे स्टेशन के नजदीक पहुंची तभी ट्रेन में सवार घसीटे की तबियत भीषण गर्मी के चलते अचानक बिगड़ गई,बुजुर्ग यात्री की तबियत बिगड़ते देख अन्य यात्रियों ने इसकी सूचना एंबुलेंस,रेलवे पुलिस और स्टेशन मास्टर को दी,तत्काल पुलिस ने बीमार बुजुर्ग को सिराथू रेलवे स्टेशन पर उतारकर उन्हे एंबुलेंस की मदद से इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया ।

भीषण गर्मी के चलते चलती ट्रक में चालक की मौत

कौशाम्बी। भीषण गर्मी का कहर लगातार जारी है , भीषण गर्मी के चलते शनिवार को पंजाब से चावल लोडकर प्रयागराज जा रहे एक कंटेनर ट्रक चालक की चलती ट्रक में ही मौत हो गई,चालक की मौत से ट्रक अनियंत्रित हो गई और पेड़ से टकरा गई,सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच में जुट गई। पंजाब से चावल लोडकर प्रयागराज जा रहे कंटेनर चालक की भीषण गर्मी के चलते मौत हो गयी। सूचना पर पहुंची भरवारी चौकी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम को भेजा। और घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दी।पंजाब के स्टेट नम्बर 4 मोहाली गाँव निवासी राजू राणा पुत्र बृज लाल राणा 30 वर्ष कंटेनर चालक था। वह कंटेनर में पंजाब से चावल लोडकर प्रयागराज की ओर जा रहा था।शनिवार की दोपहर को भीषण गर्मी होने के चलते वह कोखराज भरवारी मार्ग की ओर कंटेनर लेकर घुस गया। अत्यधिक गर्मी होने के चलते उसको हार्ट अटैक आ गया। जिससे उसकी गाड़ी अनियंत्रित होकर चमरूपुर गाँव के एक पेड़ से टकरा गयी। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी भरवारी चौकी पुलिस को दी सूचना पर पहुंची भरवारी चौकी पुलिस ने शव को कब्जे लेकर लिखापढ़ी कर पीएम को भेजा। और मृतक के परिवार वालों को घटना की जानकारी दी।

सेवा करता रहूंगा : रवि किशन

गोरखपुर। गोरखपुर लोकसभा सीट से सांसद पद के प्रत्यासी व अभिनेता रवि किशन शुक्ल ने रविवार को कहा कि मैं राजनेता नही हूं मैं तो जनता का सेवक हूं सेवा करने आया हूं और हमेशा करता रहूंगा। गोरखपुर की देवतुल्य जनता ने जो प्यार और आशीर्वाद दिया है मैं ये कभी नहीं भूलूंगा। मैं वादा करता हूं की अपने देवतुल्य जनता और कार्यकर्ताओं की सेवा हमेशा करता रहूंगा। मैं दिल से मोदी जी' योगी जी को धन्यवाद आभार व्यक्त करता हूँ जो मुझ जेसे छोटे कार्यकर्ता के ऊपर दोबारा भरोसा किया व भाजपा के उन सभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को दिल से धन्यवाद करता हूं जो पिछले दो माह से चुनाव में जी जान से लगे रहे।मैं शुरू से ही धरातल से जुड़कर जनता के बीच रहकर काम करता रहा हूं। और आगे भी करता रहूंगा उन्होंने कहा की हमारे देश में वीआईपी, वीवीआईपी संस्कृति खत्म हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पहले कार्यकाल में ही इस वीआईपी संस्कृति को खत्म कर दिया था ताकि नेता हो या मंत्री जनता के बीच जाकर जनता के दुःख को समझे और उनके जरूरतों के हिसाब से काम करें। लोकसभा चुनाव का परिणाम 4 जून को आ जायेगा। जनता तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शपथ लेते देखेगी।

घर के कमरे में मृत मिला अधेड़ का 3 दिन पुराना मिला शव

कौशाम्बी। मंझनपुर थाना क्षेत्र के एक गांव के घर में अधेड़ की लाश मिली है। लाश का शरीर काला पड़ चुका है। पड़ोसियों के मुताबिक घर से दुर्गंध उठने पर मौत की जानकारी हुई। पुलिस को सूचना देकर कार्यवाही की मांग की गई है। थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है।

मंझनपुर के नारा गांव में रहने वाला फकरुद्दीन (65) पुत्र स्व सुलाखी अकेला था। पत्नी की मौत के बाद वह तन्हा अपने घर में रहता। आसपास के लोग से जो कुछ खाने को मिलता उसी से गुजर बसर करता था। फकरुद्दीन की कोई संतान नहीं थी। गांव के लोगो के मुताबिक, फकरुद्दीन को आखिरी बाद 3 दिन पहले गांव में देखा गया था। इसके बाद उसे किसी से नहीं देखा। लोगो को लगा कि वह घर बंद कर मंझनपुर कस्बा गया होगा। शनिवार की शाम घर के पास से दुर्गंध लोगो से महसूस की। घर के पास आने पर दुर्गंध बढ़ गई। स्थानी लोगों ने घर के अंदर झांक कर देखा तो फखरुद्दीन की लाश घर के कमरे में पड़ी हुई थी उसका शरीर पूरी तरीके से काला पड़ चुका है। हत्या की आशंका से स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी संतोष शर्मा के मुताबिक, गांव के लोगों की सूचना पर लाश को कब्जे में लिया गया है। मौत के कर्म की जांच के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पीएम रिपोर्ट के आधार पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

लोक अदालत का आयोजन 13 को

कार्यालय संवाददाता

रायबरेली। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार व मा0 जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली तरुण सक्सेना के दिशा-निर्देशन में दिनांक 13 जुलाई 2024 को दीवानी न्यायालय, रायबरेली में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है।अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनुपम शौर्य के द्वारा बताया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में व्यापक स्तर पर बैंक से सम्बान्धित प्री-लिटिगेशन मामले, बीमा से सम्बन्धित मामले, राजस्व से संबंधित मामले, विद्युत से संबंधित मामले, जल से संबंधित मामले, सर्विस में वेतन एवं भत्ते से सम्बन्धित, श्रम से सम्बन्धित, मोटर दुर्घटना से सम्बन्धित, पारिवारिक मामले एवं अन्य छोटे-मामलों का निस्तारण किया जाएगा। लोक अदालत में निस्तारण हेतु किसी प्रकार का शुल्क देय नहीं है ।

अनियंत्रित डाक पार्सल की चपेट में आने से आधा दर्जन लोग जख्मी

डीएम-एसपी सहित मौके पर पहुंचे आलाधिकारी

कार्यालय संवाददाता

कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के थुलगुला का मजरा टेढ़ीमोड़ में रविवार की देर शाम अनियंत्रित डीसीएम डाक पार्सल की चपेट में आने से आधा दर्जन के करीब लोग जख्मी हो गए , हादसा देख आसपास हड़कंप मच गया हादसे की सूचना पर एसडीएम व क्षेत्राधिकारी सिराथू सहित पुलिस के आलाधिकारी घटनास्थल पर पहुंचकर घायलों को एंबुलेंस की मदद से इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया ।

कड़ा धाम थाना क्षेत्र के ताज मल्लहन निवासी अवधेश यादव पुत्र रामचंद्र 30 वर्ष डीसीएम डाक पार्सल का चालक है , अवधेश रविवार की शाम गांव से डीसीएम लेकर सैनी की ओर जा रहा था चालक रविवार की शाम सैनी कोतवाली क्षेत्र के टेढ़ीमोड़ चौराहे के नजदीक पहुंचा तभी डीसीएम अचानक अनियंत्रित हो गई इस दौरान चौराहे पर दुकान लगाए मोची अशोक कुमार पुत्र दयाराम 45 वर्ष , एवं बरेली जनपद के रहने वाले ओमनिश , संतोष , पन्नी , नोखेलाल सहित लगभग सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हादसे के दौरान चौराहे पर अफरा तफरी मच गई इस दौरान चौराहे पर मौजूद लोग इधर उधर भागने लगे वही कुछ लोगो ने डीसीएम चालक को पकड़कर मारपीट करने लगे । हादसे की सूचना पर एसडीएम सिराथू महेंद्र कुमार श्रीवास्तव , क्षेत्राधिकारी सिराथू अवधेश कुमार विश्वकर्मा , नायब तहसीलदार विनय कुमार सिंह , थाना प्रभारी सैनी जयचंद्र शर्मा सहित बड़ी संख्या में पहुंची पुलिस बल ने घायलों को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया । वही एसडीएम व सीओ ने घटनास्थल का जायजा लेते हुए मदद का आश्वासन दिया । सैनी कोतवाली क्षेत्र के टेढ़मोड़ चौराहे पर डीसीएम की टक्कर से घायल आधा दर्जन लोग बरेली जनपद के रहने वाले। थे जो थुलगुला का मजरा काजीपुर में निर्माणाधीन पानी की टंकी में मजदूर थे जो रविवार की देर शाम ड्यूटी खत्म कर टेढ़ी मोड़ में राशन लेने के लिए गए थे लेकिन अनियंत्रित डीसीएम की चपेट में आने से जख्मी हो गए।

आंधी में छप्पर गिरने से वृद्ध महिला की मौत

कार्यालय संवाददाता

खागा (फतेहपुर) कोतवाली क्षेत्र के बरकतपुर गांव में बीती रात तेज आंधी के चलते एक के बाद एक दो छप्पर बुजुर्ग महिला के ऊपर जा गिरे। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मचा रहा। और घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजवा दिया। जानकारी के अनुसार खागा कोतवाली क्षेत्र की चौकी मझिलगो अन्तर्गत बरकतपुर गांव निवासी सूरज कली (75) पत्नी स्व. बनवारी अपने घर के बाहर सोते समय तेज रफ्तार आंधी के चलते छप्पर महिला के ऊपर गिर जाने के कारण मौत हो गयी। बताया जाता है कि दिनांक 1 जून 2024 दिन शनिवार की रात घर के बाहर छप्पर के नीचे सो रही थी। तभी देर रात तेज आंधी के दौरान छप्पर उसके ऊपर जा गिरा। और इतना ही नहीं पड़ोसी का भी छप्पर व ईंट की दीवार उसके ऊपर जा गिरी। शोर सुनकर दौड़कर परिजन बाहर निकले और किसी तरह ग्रामीणों की मदद से छप्पर व दीवार के मलबे को हटाया गया।लेकिन तब तक महिला की मौत हो जा चुकी थी।वही परिजनों की सूचना पर सुबह पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजवा दिया।

मडगांव एक्सप्रेस में शेर के किरदार में कैसे ढले प्रतीक गांधी? अभिनेता ने किया खुलासा

अभिनेता प्रतीक गांधी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म डेढ़ बीघा जमीन को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। यह फिल्म शुक्रवार से जियो सिनेमा पर अपने प्रीमियर के लिए तैयार है। अभिनेता जोरो-शोरों से इसका प्रमोशन कर रहे हैं। प्रतीक को आखिरी बार कुणाल खेमू के निर्देशन डेब्यू फिल्म मडगांव एक्सप्रेस में देखा गया था। हालिया इंटरव्यू में प्रतीक ने अपनी पिछली फिल्म पर भी बात की। साथ ही कुणाल खेमू के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा करते नजर आए।

मडगांव एक्सप्रेस में अपने किरदार पर प्रतीक की दो टूक

अभिनेता प्रतीक गांधी का कहना है कि लेखक-निर्देशक कुणाल खेमू स्पष्ट थे कि वह मडगांव एक्सप्रेस को कैसे आकार देना चाहते हैं। फिल्म में प्रतीक ने एक नम्र मामा के लड़के की भूमिका निभाई, जो एक आत्मविश्वासी व्यक्ति में बदल जाता है और गलती से नशीली दवाओं का सेवन करने के बाद शेर की तरह व्यवहार करना शुरू कर देता है। रोड ट्रिप ड्रामा खेमू के निर्देशन में पहली फिल्म थी। दिव्येंदु और अविनाश तिवारी अभिनीत, कहानी तीन बचपन के दोस्तों के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनकी लंबे समय से योजनाबद्ध गोवा यात्रा तब बिगड़ जाती है जब वे ड्रग माफियाओं और बंदूकधारी गुंडों से मिलते हैं।

बांधे कुणाल खेमू की तारीफों के पुल

गुजराती थिएटर आर्टिस्ट और फिल्म स्टार प्रतीक गांधी को हिंदी सिनेमा में स्कैम 1992- द हर्षद मेहता स्टोरी से ख्याति हासिल हुई। वहीं, मडगांव एक्सप्रेस पर अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए प्रतीक ने कहा कि खेमू ने प्रभाव को बढ़ाने के लिए पोस्ट-प्रोडक्शन चरण में शेर की दहाड़ को जोड़ा। प्रतीक के अनुसार, कुणाल ने पोस्ट प्रोडक्शन में शेर की पूरी दहाड़ को जोड़ा, मुझे यकीन है कि पोस्ट में भी, उन्होंने कई चीजों की कोशिश की होगी और फिर फैसला किया कि यह सबसे अच्छा काम करता है।

सत्यवती के रूप में नज़र आनेवाली शिल्पा शेट्टी ने फिल्म की शूटिंग पूरी की

वर्ष 2024 में शिल्पा शेट्टी ने इंडियन पुलिस फॉर्स में अपने प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया था। और अब, वह केडी - द डेविल में सत्यवती के रूप में सभी का दिल जितने के लिए तैयार है। शिल्पा शेट्टी ने मैसूर में ध्रुव सरजा और संजय दत्त स्टारर इस फिल्म का आखिरी शेड्यूल पूरा कर लिया है। मार्च में, यह घोषणा की गई थी कि अभिनेत्री सत्यवती के रूप में केडी के बैटलफील्ड में शामिल होंगी। पोस्टर में शिल्पा रेट्रो लुक रिलीज़ किया गया था , जिसमे वे पोल्का डॉट्स साड़ी और ओवरसाइज्ड चश्मा पहने हुए नज़र आयी थीं । केडी - द डेविल के निर्देशक प्रेम ने शिल्पा को एक पावरहाउस कहा था और लिखा था, युद्ध राज्यों के बीच होता है और एक राज्य को एक शक्तिशाली सत्यवती की आवश्यकता होती है। शिल्पा पहले भी कन्नड़ फिल्मों में काम कर चुकी हैं, इस फिल्म में उनके साथ संजय दत्त और नोरा फतेही भी होंगी। 1970 के दशक की बैंगलोर की सच्ची घटनाओं पर आधारित एक पीरियड एक्शन एंटरटेनर, केडी - द डेविल में शिल्पा शेट्टी कुंद्रा, संजय दत्त और वी रविचंद्रन भी हैं। केवीएन प्रोडक्शंस प्रस्तुत करता है केडी-द डेविल, जिसका निर्देशन प्रेम ने किया है। पैन-इंडिया बहुभाषी तमिल, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम और हिंदी में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर का हुआ ब्रेकअप

बीते कई महीनों से अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा के ब्रेकअप की खबरें सुर्खियों में हैं। लेकिन अब उनसे जुड़े कुछ करीबियों ने इन खबरों को कन्फर्म कर दिया है। दोनों ही ब्रेकअप पर चुप्पी साधे हुए हैं और नहीं चाहते हैं कि लोग उनका रिश्ता टूटने पर बतंगड़ बनाएं। हाल ही में आई रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से लिखा गया है, मलाइका और अर्जुन का रिश्ता बेहद खास रहा है और दोनों के दिलों में एक-दूसरे के लिए खास जगह रहेगी। उन्होंने अलग होने का फैसला कर लिया है और वो इस मामले में गरिमामई चुप्पी बनाए रखना चाहते हैं। वो नहीं चाहते कि कोई भी इस मामले को तोड़-मरोड़कर पेश करे। आगे बताया गया है, उनका काफी लंबा, लविंग रिश्ता था, जो दुर्भाग्य से अब खत्म हो चुका है। इसका मतलब ये नहीं है कि दोनों के बीच अब कड़वाहट आ गई है। वो दोनों एक-दूसरे की इज्जत करते हैं और हमेशा एक दूसरे के लिए सपोर्ट बनकर रहेंगे। बदलते सालों के साथ उन्होंने एक-दूसरे को सम्मान दिया है। वो अलग होने के बाद अब भी वही इज्जत देते रहेंगे। दोनों ही लंबे सालों तक सीरियस रिलेशनशिप में रहे हैं और वो चाहते हैं कि लोग उनके इस इमोशनल टाइम में स्पेस देंगे।

शादी के चलते रिश्ते में आई अनबन!

जनवरी में आई जूम की रिपोर्ट के मुताबिक, मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर ने नवंबर 2023 में ही ब्रेकअप कर लिया था। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि दोनों में से कोई एक शादी कर सेटल होना चाहता था, जबकि दूसरा इसके लिए समय चाहता था। यही वजह उनकी अनबन का कारण बनी थी। बताते चलें कि दोनों के ब्रेकअप की खबरें तब सुर्खियों में आईं जब मलाइका अरोड़ा ने अर्जुन और उनके रिलेटिव्स को इंस्टाग्राम से अनफॉलो कर दिया।

कैसे मुझे तुम मिल गए में मेरे किरदार को दर्शक रखेंगे सालों तक याद

टीवी एक्ट्रेस किशोरी शहाणे विज एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से 35 साल से जुड़ी हुई हैं। इन दिनों वह शो कैसे मुझे तुम मिल गए में नजर आ रही हैं। अपने किरदार को लेकर उन्होंने बताया कि कैसे वह हर दिन अपना 100 प्रतिशत देती हैं, ताकि दर्शक उनके किरदार बबीता आहूजा को आने वाले कई सालों तक याद रखें। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए किशोरी ने कहा, जब मुझे पता चला कि बबीता का किरदार नेगेटिव है, तो इससे मुझे जरा भी हैरानी नहीं हुई। यह किरदार नेगेटिव होने के साथ-साथ मजबूत भी है, जो हमेशा विराट की सुरक्षा का ध्यान रखता है। उन्होंने कहा, बबीता के नजरिए से देखें तो वह अपने बेटे की रक्षा कर रही हैं और उसमें कुछ भी गलत नहीं है। इस किरदार को निभाना चुनौतीपूर्ण है। वह कोई बुरी इंसान नहीं है, वह सिर्फ अपने परिवार की रक्षा करती हैं। ऐसे कई पल आते हैं जब अमृता के प्रति उसका स्वभाव बदल जाता है, जिससे मुझे अपने किरदार में अचानक बदलाव लाना होता है, मेरा मानना है कि दर्शक इस किरदार को एन्जॉय करेंगे। एक्ट्रेस ने कहा, मेरे किरदार का एक बड़ा मकसद है और एक एक्टर के लिए ऐसे किरदार को निभाना हमेशा दिलचस्प भरा होता है। हर दिन, मैं अपना 100 प्रतिशत देती हूं ताकि आने वाले कई सालों में मेरे किरदार बबीता आहूजा को याद किया जाए। शो में सृति झा अमृता की भूमिका में हैं और अर्जित तनेजा विराट का रोल निभा रहे हैं। शो में, अमृता और विराट की नकली शादी का सीक्वेंस चल रहा है। शादी की तैयारियों के बीच वे उस अपराधी को ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं जिसने उनकी गलत तस्वीरें लीक की थीं। वहीं, विराट की मां बबीता खुद को पकड़े जाने से बचाने की पूरी कोशिश कर रही हैं। सीरियल में हर बार की तरह दो प्यार करने वाले शख्स एक दूजे पर भरोसा करने से बच रहे हैं। ऐसे में दर्शक मेकर्स से कुछ नया लाने की मांग कर रहे हैं। कैसे मुझे तुम मिल गए जी टीवी पर प्रसारित होता है।

आप कितने भी कामयाब क्यों न हो जाओ, आप ट्रोलिंग से बच नहीं सकते

सुपरहिट धारावाहिक दीया और बाती से अपनी पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस दीपिका सिंह ने शो मंगल लक्ष्मी से छोटे पर्दे पर वापसी की। इस शो को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। जहां एक तरफ उनकी एक्टिंग की सराहना की जाती है, तो वहीं वह अक्सर सोशल मीडिया पर अपने डांसिंग वीडियो को लेकर ट्रोल होती रहती हैं। दीपिका ने कहा, ट्रोलिंग का मुझ पर कोई असर नहीं पड़ता। मैं इसे बहुत शालीनता से स्वीकार करती हूं, क्योंकि मेरे आस-पास मेरे माता-पिता, पति और मेरे ओडिसी डांस टीचर्स जैसे लोग हैं। उनके साथ रहकर मैंने जिंदगी की हर परिस्थितियों को स्वीकार करना सीखा है। उन्होंने मुझे सिखाया है कि चाहे आप कितने भी कामयाब क्यों न हो जाओ, आप इससे बच नहीं सकते। एक्ट्रेस ने कहा, सभी लोग आपको स्वीकार नहीं कर सकते। जो लोग आपकी तरह सोचते हैं, केवल वही आपको स्वीकार कर पाएंगे। मेरे जैसे लोग ही मुझे समझेंगे। दीपिका ने कहा, कुछ लोग मुझे पसंद तो करते हैं लेकिन मेरी सराहना नहीं करते। लेकिन मैं जानती हूं कि मैं क्या कर रही हूं। मैं खुद के बारे में सोचना पसंद करती हूं, ना कि इस बारे में कि दूसरे क्या सोचते हैं। मैं अपने लिए और अपनी खुशी के लिए काम करती हूं, चाहे वह मेरा इंस्टाग्राम पेज हो या मेरी एक्टिंग। एक्ट्रेस ने कहा, यह मेरी लाइफ है और भगवान ने मुझे इसके लिए चुना है, इसलिए मैं किसी के भी प्रति जवाबदेह नहीं हूं। यही वजह है कि ट्रोलिंग और आलोचनाओं का मुझ पर कोई असर नहीं होता। उन्होंने कहा, जब आपको कामयाबी मिलती है और आप ऊपर की ओर बढ़ रहे होते हैं, तो आपको प्रतिरोध का सामना करना पड़ता है, क्योंकि एक ऐसी शक्ति होती है जो आपको नीचे गिराने की कोशिश करेगी। उन्होंने कहा, जब बिना किसी कारण के ट्रोलिंग होती है, तो मुझे पता चलता है कि मैं अच्छा काम कर रही हूं, इसीलिए लोग मुझे नीचे गिराने की कोशिश कर रहे हैं। फिर मैं और भी ज्यादा ताकत के साथ वापस आती हूं और पहले से भी बेहतर काम करती हूं। मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मेरे आलोचक भी हैं। दीपिका ने कहा, कुछ लोग ऐसे भी हैं जो दिखते ही नहीं। कम से कम, मुझे लोग देख तो रहे हैं जो मेरी आलोचना कर रहे हैं, इसका मतलब है कि मैं कुछ अच्छा कर रही हूं। इसलिए मैं खुश हूं। मंगल लक्ष्मी कलर्स पर प्रसारित होता है।

भंसाली की 'देवदास' ना करने का मनोज बाजपेयी को है पछतावा

मनोज बाजपेयी की फिल्म 'भैयाजी' सिनेमाघरों में आ चुकी है। हालांकि, फिल्म कुछ खास कमाल नहीं कर पा रही है, लेकिन मनोज बाजपेयी अपने अभिनय के चलते चर्चा में बने हुए हैं। अभिनेता से जब एक साक्षात्कार में पूछा गया कि क्या उन्हें किसी फिल्म को ठुकराने का पछतावा है? इसपर अभिनेता ने कहा कि उन्होंने ऐसी कोई भी फिल्म नहीं ठुकराई है जो व्यावसायिक रुप से बहुत अच्छी चली हो, सिवाय संजय लीला भंसाली की फिल्म 'देवदास' के।

देवदास बनना चाहते थे मनोज बाजपेयी

अभिनेता ने बताया कि वह भंसाली की इस फिल्म में देवदास की भूमिका निभाना चाहते थे, जो शाहरुख खान को मिली। बता दें कि अभिनेता अपने थिएटर के दिनों से ही देवदास की भूमिका निभाना चाहते थे।

'देवदास' छोड़ने का है पछतावा

यूट्यूब पर दिए गए एक साक्षात्कार में जब मनोज बाजपेयी से पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी ऐसी फिल्म को ठुकराया है जो बड़ी हिट हुई हो। उन्होंने स्पष्ट रुप से कहा कि नहीं। अभिनेता ने आगे कहा, 'हां मुझे देवदास में जैकी श्रॉफ की भूमिका की पेशकश की गई थी, लेकिन उसके लिए मैंने तुरंत मना कर दिया। मैंने संजय से कहा, संजय, यार, मेरी तो हमेशा से इच्छा थी देवदास करने की। वह फिल्म सुपरहिट हुई, लेकिन मुझे उसे छोड़ने का पछतावा है। मैं अपने थिएटर के दिनों से ही देवदास का किरदार निभाना चाहता था। लेकिन मुझे इस बात का कभी बुरा नहीं लगा।'

शेखर सुमन को चुन्नी लाल के किरदार की हुई थी पेशकश

हीरामंडी के प्रचार के दौरान शेखर सुमन ने भी साझा किया था कि देवदास में उन्हें चुन्नी लाल का किरदार निभाने की पेशकश हुई थी, लेकिन अपनी व्यस्तता के चलते वह इस किरदार को नहीं कर सके। 'देवदास' शाहरुख खान, ऐश्वर्या राय और माधुरी दीक्षित के करियर में मील का पत्थर साबित हुई।

ये रिश्ता क्या कहलाता है का इमोशनल ड्रामा दर्शकों को पसंद आता है

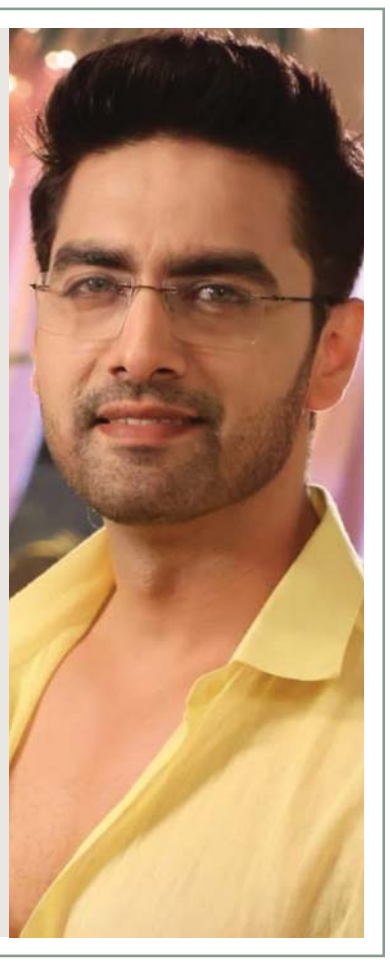

ये रिश्ता क्या कहलाता है (वाईआरकेकेएच) टीवी पर सबसे लंबे समय तक चलने वाला सीरियल है। शो में अरमान का किरदार निभाने वाले एक्टर रोहित पुरोहित का कहना है कि रिश्तों के मूल्य और इमोशनल ड्रामा दर्शकों को काफी पसंद आते हैं। उन्होंने आगे कहा, चाहे एक साथ सेलिब्रेट करने की खुशी हो या हमारे सामने आने वाली चुनौतियां, हमारे किरदार कई परिवारों के अनुभवों को दर्शाते हैं। दर्शक किरदारों के जीवन के उतार-चढ़ाव से जुड़े होते हैं, और वे पारिवारिक मूल्यों को समझते हैं। यह शो व्यक्तिगत स्तर पर लोगों के दिलों तक पहुंचता है। रोहित के लिए अरमान का किरदार निभाना काफी दिलचस्प है, जो जिंदगी के सभी उतार-चढ़ाव से भरपूर है। उन्होंने कहा, अरमान का किरदार निभाना उतार-चढ़ाव भरा रहा। मुझे अच्छा लगता है कि कैसे लेखक उनके किरदार में नए-नए शेड्स शामिल करते हैं। ये ट्विस्ट एंड टर्न दर्शकों को शो से बांधे रखते हैं। चाहे वह अभिरा के साथ अरमान की प्रेम कहानी हो या अन्य किरदारों के साथ उसका संघर्ष, इस शो का हिस्सा बनने के लिए मेकर्स का आभारी हूं।

रोहित को अपने परिवार से पूरा सपोर्ट है। वह भी शो के काफी बड़े फैन हैं। उन्होंने कहा, हां, मेरा परिवार मेरा सबसे बड़ा सपोर्ट सिस्टम है। वे ये रिश्ता क्या कहलाता है का एक भी एपिसोड मिस नहीं करते। वे मेरे सबसे बड़े आलोचक और चीयरलीडर्स हैं।

मडगांव एक्सप्रेस में शेर के किरदार में कैसे ढले प्रतीक गांधी? अभिनेता ने किया खुलासा

अभिनेता प्रतीक गांधी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म डेढ़ बीघा जमीन को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। यह फिल्म शुक्रवार से जियो सिनेमा पर अपने प्रीमियर के लिए तैयार है। अभिनेता जोरो-शोरों से इसका प्रमोशन कर रहे हैं। प्रतीक को आखिरी बार कुणाल खेमू के निर्देशन डेब्यू फिल्म मडगांव एक्सप्रेस में देखा गया था। हालिया इंटरव्यू में प्रतीक ने अपनी पिछली फिल्म पर भी बात की। साथ ही कुणाल खेमू के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा करते नजर आए।

मडगांव एक्सप्रेस में अपने किरदार पर प्रतीक की दो टूक

अभिनेता प्रतीक गांधी का कहना है कि लेखक-निर्देशक कुणाल खेमू स्पष्ट थे कि वह मडगांव एक्सप्रेस को कैसे आकार देना चाहते हैं। फिल्म में प्रतीक ने एक नम्र मामा के लड़के की भूमिका निभाई, जो एक आत्मविश्वासी व्यक्ति में बदल जाता है और गलती से नशीली दवाओं का सेवन करने के बाद शेर की तरह व्यवहार करना शुरू कर देता है। रोड ट्रिप ड्रामा खेमू के निर्देशन में पहली फिल्म थी। दिव्येंदु और अविनाश तिवारी अभिनीत, कहानी तीन बचपन के दोस्तों के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनकी लंबे समय से योजनाबद्ध गोवा यात्रा तब बिगड़ जाती है जब वे ड्रग माफियाओं और बंदूकधारी गुंडों से मिलते हैं।

बांधे कुणाल खेमू की तारीफों के पुल

गुजराती थिएटर आर्टिस्ट और फिल्म स्टार प्रतीक गांधी को हिंदी सिनेमा में स्कैम 1992- द हर्षद मेहता स्टोरी से ख्याति हासिल हुई। वहीं, मडगांव एक्सप्रेस पर अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए प्रतीक ने कहा कि खेमू ने प्रभाव को बढ़ाने के लिए पोस्ट-प्रोडक्शन चरण में शेर की दहाड़ को जोड़ा। प्रतीक के अनुसार, कुणाल ने पोस्ट प्रोडक्शन में शेर की पूरी दहाड़ को जोड़ा, मुझे यकीन है कि पोस्ट में भी, उन्होंने कई चीजों की कोशिश की होगी और फिर फैसला किया कि यह सबसे अच्छा काम करता है।

सत्यवती के रूप में नज़र आनेवाली शिल्पा शेट्टी ने फिल्म की शूटिंग पूरी की

वर्ष 2024 में शिल्पा शेट्टी ने इंडियन पुलिस फॉर्स में अपने प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया था। और अब, वह केडी - द डेविल में सत्यवती के रूप में सभी का दिल जितने के लिए तैयार है। शिल्पा शेट्टी ने मैसूर में ध्रुव सरजा और संजय दत्त स्टारर इस फिल्म का आखिरी शेड्यूल पूरा कर लिया है। मार्च में, यह घोषणा की गई थी कि अभिनेत्री सत्यवती के रूप में केडी के बैटलफील्ड में शामिल होंगी। पोस्टर में शिल्पा रेट्रो लुक रिलीज़ किया गया था , जिसमे वे पोल्का डॉट्स साड़ी और ओवरसाइज्ड चश्मा पहने हुए नज़र आयी थीं । केडी - द डेविल के निर्देशक प्रेम ने शिल्पा को एक पावरहाउस कहा था और लिखा था, युद्ध राज्यों के बीच होता है और एक राज्य को एक शक्तिशाली सत्यवती की आवश्यकता होती है। शिल्पा पहले भी कन्नड़ फिल्मों में काम कर चुकी हैं, इस फिल्म में उनके साथ संजय दत्त और नोरा फतेही भी होंगी। 1970 के दशक की बैंगलोर की सच्ची घटनाओं पर आधारित एक पीरियड एक्शन एंटरटेनर, केडी - द डेविल में शिल्पा शेट्टी कुंद्रा, संजय दत्त और वी रविचंद्रन भी हैं। केवीएन प्रोडक्शंस प्रस्तुत करता है केडी-द डेविल, जिसका निर्देशन प्रेम ने किया है। पैन-इंडिया बहुभाषी तमिल, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम और हिंदी में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर का हुआ ब्रेकअप

बीते कई महीनों से अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा के ब्रेकअप की खबरें सुर्खियों में हैं। लेकिन अब उनसे जुड़े कुछ करीबियों ने इन खबरों को कन्फर्म कर दिया है। दोनों ही ब्रेकअप पर चुप्पी साधे हुए हैं और नहीं चाहते हैं कि लोग उनका रिश्ता टूटने पर बतंगड़ बनाएं। हाल ही में आई रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से लिखा गया है, मलाइका और अर्जुन का रिश्ता बेहद खास रहा है और दोनों के दिलों में एक-दूसरे के लिए खास जगह रहेगी। उन्होंने अलग होने का फैसला कर लिया है और वो इस मामले में गरिमामई चुप्पी बनाए रखना चाहते हैं। वो नहीं चाहते कि कोई भी इस मामले को तोड़-मरोड़कर पेश करे। आगे बताया गया है, उनका काफी लंबा, लविंग रिश्ता था, जो दुर्भाग्य से अब खत्म हो चुका है। इसका मतलब ये नहीं है कि दोनों के बीच अब कड़वाहट आ गई है। वो दोनों एक-दूसरे की इज्जत करते हैं और हमेशा एक दूसरे के लिए सपोर्ट बनकर रहेंगे। बदलते सालों के साथ उन्होंने एक-दूसरे को सम्मान दिया है। वो अलग होने के बाद अब भी वही इज्जत देते रहेंगे। दोनों ही लंबे सालों तक सीरियस रिलेशनशिप में रहे हैं और वो चाहते हैं कि लोग उनके इस इमोशनल टाइम में स्पेस देंगे।

शादी के चलते रिश्ते में आई अनबन!

जनवरी में आई जूम की रिपोर्ट के मुताबिक, मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर ने नवंबर 2023 में ही ब्रेकअप कर लिया था। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि दोनों में से कोई एक शादी कर सेटल होना चाहता था, जबकि दूसरा इसके लिए समय चाहता था। यही वजह उनकी अनबन का कारण बनी थी। बताते चलें कि दोनों के ब्रेकअप की खबरें तब सुर्खियों में आईं जब मलाइका अरोड़ा ने अर्जुन और उनके रिलेटिव्स को इंस्टाग्राम से अनफॉलो कर दिया।

कैसे मुझे तुम मिल गए में मेरे किरदार को दर्शक रखेंगे सालों तक याद

टीवी एक्ट्रेस किशोरी शहाणे विज एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से 35 साल से जुड़ी हुई हैं। इन दिनों वह शो कैसे मुझे तुम मिल गए में नजर आ रही हैं। अपने किरदार को लेकर उन्होंने बताया कि कैसे वह हर दिन अपना 100 प्रतिशत देती हैं, ताकि दर्शक उनके किरदार बबीता आहूजा को आने वाले कई सालों तक याद रखें। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए किशोरी ने कहा, जब मुझे पता चला कि बबीता का किरदार नेगेटिव है, तो इससे मुझे जरा भी हैरानी नहीं हुई। यह किरदार नेगेटिव होने के साथ-साथ मजबूत भी है, जो हमेशा विराट की सुरक्षा का ध्यान रखता है। उन्होंने कहा, बबीता के नजरिए से देखें तो वह अपने बेटे की रक्षा कर रही हैं और उसमें कुछ भी गलत नहीं है। इस किरदार को निभाना चुनौतीपूर्ण है। वह कोई बुरी इंसान नहीं है, वह सिर्फ अपने परिवार की रक्षा करती हैं। ऐसे कई पल आते हैं जब अमृता के प्रति उसका स्वभाव बदल जाता है, जिससे मुझे अपने किरदार में अचानक बदलाव लाना होता है, मेरा मानना है कि दर्शक इस किरदार को एन्जॉय करेंगे। एक्ट्रेस ने कहा, मेरे किरदार का एक बड़ा मकसद है और एक एक्टर के लिए ऐसे किरदार को निभाना हमेशा दिलचस्प भरा होता है। हर दिन, मैं अपना 100 प्रतिशत देती हूं ताकि आने वाले कई सालों में मेरे किरदार बबीता आहूजा को याद किया जाए। शो में सृति झा अमृता की भूमिका में हैं और अर्जित तनेजा विराट का रोल निभा रहे हैं। शो में, अमृता और विराट की नकली शादी का सीक्वेंस चल रहा है। शादी की तैयारियों के बीच वे उस अपराधी को ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं जिसने उनकी गलत तस्वीरें लीक की थीं। वहीं, विराट की मां बबीता खुद को पकड़े जाने से बचाने की पूरी कोशिश कर रही हैं। सीरियल में हर बार की तरह दो प्यार करने वाले शख्स एक दूजे पर भरोसा करने से बच रहे हैं। ऐसे में दर्शक मेकर्स से कुछ नया लाने की मांग कर रहे हैं। कैसे मुझे तुम मिल गए जी टीवी पर प्रसारित होता है।

आप कितने भी कामयाब क्यों न हो जाओ, आप ट्रोलिंग से बच नहीं सकते

सुपरहिट धारावाहिक दीया और बाती से अपनी पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस दीपिका सिंह ने शो मंगल लक्ष्मी से छोटे पर्दे पर वापसी की। इस शो को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। जहां एक तरफ उनकी एक्टिंग की सराहना की जाती है, तो वहीं वह अक्सर सोशल मीडिया पर अपने डांसिंग वीडियो को लेकर ट्रोल होती रहती हैं। दीपिका ने कहा, ट्रोलिंग का मुझ पर कोई असर नहीं पड़ता। मैं इसे बहुत शालीनता से स्वीकार करती हूं, क्योंकि मेरे आस-पास मेरे माता-पिता, पति और मेरे ओडिसी डांस टीचर्स जैसे लोग हैं। उनके साथ रहकर मैंने जिंदगी की हर परिस्थितियों को स्वीकार करना सीखा है। उन्होंने मुझे सिखाया है कि चाहे आप कितने भी कामयाब क्यों न हो जाओ, आप इससे बच नहीं सकते। एक्ट्रेस ने कहा, सभी लोग आपको स्वीकार नहीं कर सकते। जो लोग आपकी तरह सोचते हैं, केवल वही आपको स्वीकार कर पाएंगे। मेरे जैसे लोग ही मुझे समझेंगे। दीपिका ने कहा, कुछ लोग मुझे पसंद तो करते हैं लेकिन मेरी सराहना नहीं करते। लेकिन मैं जानती हूं कि मैं क्या कर रही हूं। मैं खुद के बारे में सोचना पसंद करती हूं, ना कि इस बारे में कि दूसरे क्या सोचते हैं। मैं अपने लिए और अपनी खुशी के लिए काम करती हूं, चाहे वह मेरा इंस्टाग्राम पेज हो या मेरी एक्टिंग। एक्ट्रेस ने कहा, यह मेरी लाइफ है और भगवान ने मुझे इसके लिए चुना है, इसलिए मैं किसी के भी प्रति जवाबदेह नहीं हूं। यही वजह है कि ट्रोलिंग और आलोचनाओं का मुझ पर कोई असर नहीं होता। उन्होंने कहा, जब आपको कामयाबी मिलती है और आप ऊपर की ओर बढ़ रहे होते हैं, तो आपको प्रतिरोध का सामना करना पड़ता है, क्योंकि एक ऐसी शक्ति होती है जो आपको नीचे गिराने की कोशिश करेगी। उन्होंने कहा, जब बिना किसी कारण के ट्रोलिंग होती है, तो मुझे पता चलता है कि मैं अच्छा काम कर रही हूं, इसीलिए लोग मुझे नीचे गिराने की कोशिश कर रहे हैं। फिर मैं और भी ज्यादा ताकत के साथ वापस आती हूं और पहले से भी बेहतर काम करती हूं। मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मेरे आलोचक भी हैं। दीपिका ने कहा, कुछ लोग ऐसे भी हैं जो दिखते ही नहीं। कम से कम, मुझे लोग देख तो रहे हैं जो मेरी आलोचना कर रहे हैं, इसका मतलब है कि मैं कुछ अच्छा कर रही हूं। इसलिए मैं खुश हूं। मंगल लक्ष्मी कलर्स पर प्रसारित होता है।

भंसाली की 'देवदास' ना करने का मनोज बाजपेयी को है पछतावा

मनोज बाजपेयी की फिल्म 'भैयाजी' सिनेमाघरों में आ चुकी है। हालांकि, फिल्म कुछ खास कमाल नहीं कर पा रही है, लेकिन मनोज बाजपेयी अपने अभिनय के चलते चर्चा में बने हुए हैं। अभिनेता से जब एक साक्षात्कार में पूछा गया कि क्या उन्हें किसी फिल्म को ठुकराने का पछतावा है? इसपर अभिनेता ने कहा कि उन्होंने ऐसी कोई भी फिल्म नहीं ठुकराई है जो व्यावसायिक रुप से बहुत अच्छी चली हो, सिवाय संजय लीला भंसाली की फिल्म 'देवदास' के।

देवदास बनना चाहते थे मनोज बाजपेयी

अभिनेता ने बताया कि वह भंसाली की इस फिल्म में देवदास की भूमिका निभाना चाहते थे, जो शाहरुख खान को मिली। बता दें कि अभिनेता अपने थिएटर के दिनों से ही देवदास की भूमिका निभाना चाहते थे।

'देवदास' छोड़ने का है पछतावा

यूट्यूब पर दिए गए एक साक्षात्कार में जब मनोज बाजपेयी से पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी ऐसी फिल्म को ठुकराया है जो बड़ी हिट हुई हो। उन्होंने स्पष्ट रुप से कहा कि नहीं। अभिनेता ने आगे कहा, 'हां मुझे देवदास में जैकी श्रॉफ की भूमिका की पेशकश की गई थी, लेकिन उसके लिए मैंने तुरंत मना कर दिया। मैंने संजय से कहा, संजय, यार, मेरी तो हमेशा से इच्छा थी देवदास करने की। वह फिल्म सुपरहिट हुई, लेकिन मुझे उसे छोड़ने का पछतावा है। मैं अपने थिएटर के दिनों से ही देवदास का किरदार निभाना चाहता था। लेकिन मुझे इस बात का कभी बुरा नहीं लगा।'

शेखर सुमन को चुन्नी लाल के किरदार की हुई थी पेशकश

हीरामंडी के प्रचार के दौरान शेखर सुमन ने भी साझा किया था कि देवदास में उन्हें चुन्नी लाल का किरदार निभाने की पेशकश हुई थी, लेकिन अपनी व्यस्तता के चलते वह इस किरदार को नहीं कर सके। 'देवदास' शाहरुख खान, ऐश्वर्या राय और माधुरी दीक्षित के करियर में मील का पत्थर साबित हुई।

ये रिश्ता क्या कहलाता है का इमोशनल ड्रामा दर्शकों को पसंद आता है

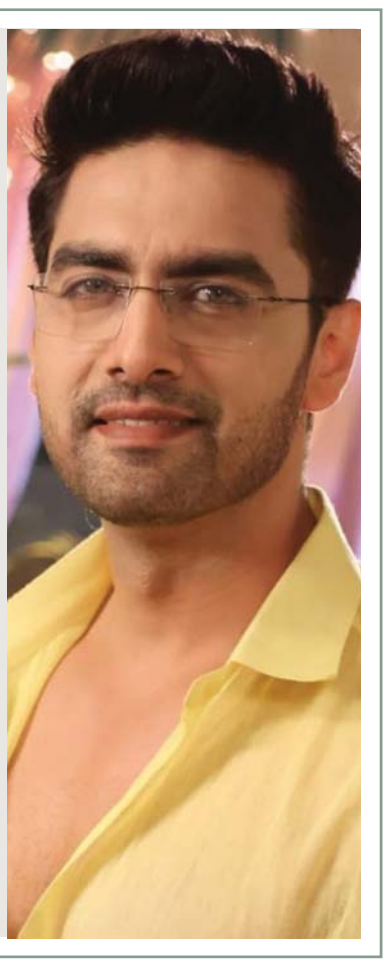

ये रिश्ता क्या कहलाता है (वाईआरकेकेएच) टीवी पर सबसे लंबे समय तक चलने वाला सीरियल है। शो में अरमान का किरदार निभाने वाले एक्टर रोहित पुरोहित का कहना है कि रिश्तों के मूल्य और इमोशनल ड्रामा दर्शकों को काफी पसंद आते हैं। उन्होंने आगे कहा, चाहे एक साथ सेलिब्रेट करने की खुशी हो या हमारे सामने आने वाली चुनौतियां, हमारे किरदार कई परिवारों के अनुभवों को दर्शाते हैं। दर्शक किरदारों के जीवन के उतार-चढ़ाव से जुड़े होते हैं, और वे पारिवारिक मूल्यों को समझते हैं। यह शो व्यक्तिगत स्तर पर लोगों के दिलों तक पहुंचता है। रोहित के लिए अरमान का किरदार निभाना काफी दिलचस्प है, जो जिंदगी के सभी उतार-चढ़ाव से भरपूर है। उन्होंने कहा, अरमान का किरदार निभाना उतार-चढ़ाव भरा रहा। मुझे अच्छा लगता है कि कैसे लेखक उनके किरदार में नए-नए शेड्स शामिल करते हैं। ये ट्विस्ट एंड टर्न दर्शकों को शो से बांधे रखते हैं। चाहे वह अभिरा के साथ अरमान की प्रेम कहानी हो या अन्य किरदारों के साथ उसका संघर्ष, इस शो का हिस्सा बनने के लिए मेकर्स का आभारी हूं।

रोहित को अपने परिवार से पूरा सपोर्ट है। वह भी शो के काफी बड़े फैन हैं। उन्होंने कहा, हां, मेरा परिवार मेरा सबसे बड़ा सपोर्ट सिस्टम है। वे ये रिश्ता क्या कहलाता है का एक भी एपिसोड मिस नहीं करते। वे मेरे सबसे बड़े आलोचक और चीयरलीडर्स हैं।

एग्जिट पोल के नतीजे सही साबित हुए तो विपक्ष की होगी बड़ी हार

कई दल और कई सारे वादे पर पीएम मोदी की गारंटी रही भारी

नई दिल्ली।

लोकसभा चुनाव खत्म हो चुके हैं और एग्जिट पोल के नतीजे भी आ गए हैं। अगर एग्जिट पोल के नतीजे सही साबित हुए तो विपक्षी दल खासकर कांग्रेस के लिए मुश्किल घड़ी होगी। जैसा एग्जिट पोल के नतीजे बता रहे हैं यह विपक्ष के लिए बड़ी हार हो सकती है। कांग्रेस समेत दूसरे दलों की ओर से चुनाव में तमाम बड़े वादे किए गए थे लेकिन लगता है कि जनता को उनके वादों पर भरोसा नहीं हुआ। वहीं दूसरी ओर पीएम मोदी जिनकी बातों पर जनता को अब भी भरोसा है। पीएम ने जो गारंटी की बात कही उस पर भी विश्वास है। एग्जिट पोल से तो साफ है कि विपक्ष एक बार फिर पीएम मोदी को समझ नहीं पाया। चुनाव में टकाटक, फटाफट और चुनाव खत्म होने से कुछ दिन पहले बिहार की धरती से सफाचट की बात कही गई। अब यह उल्टा पड़ता दिख रहा है। एक ओर एनडीए गठबंधन जिसकी अगुवाई पीएम मोदी कर रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर विपक्ष जिसकी अगुवाई कौन कर रहा किसी को पता नहीं। एनडीए की ओर से सिर्फ मोदी की गारंटी थी तो वहीं विपक्ष की ओर से कांग्रेस, सपा, आरजेडी, आम आदमी पार्टी, डीएमके के अपने-अपने वादे। कई दल और कई सारे वादे। इन दलों की ओर से कहा जा रहा था कि बहुमत मिला तो हम अपने वादे पूरे कराने के लिए दबाव डालेंगे। सभी दलों ने अपने-अपने राज्यों और मतदाताओं के हिसाब से वादे किए। वहीं दूसरी ओर सिर्फ मोदी की गारंटी थी। अब एग्जिट पोल के हिसाब से मोदी की गारंटी विपक्ष पर भारी पड़ रही है। एग्जिट पोल के नतीजे 4 जून को सही निकले तो फिर विपक्ष चाहें जो दलील दे लेकिन एक बात तय है कि जनता किसी किंतु परंतु के मूड में शुरू से नहीं है। विपक्ष भले ही जनता और मोदी को भांपने में चूक कर रहा था, लेकिन जनता का मन एकदम साफ था। लगातार तीसरी बार बहुमत के साथ सत्ता में

लौटना कोई आसान काम नहीं। पीएम मोदी ऐसा करते हुए दिख रहे हैं। विपक्षी दलों ने मिलकर इंडिया गठबंधन तो बना लिया लेकिन जनता को उस पर भरोसा नहीं हो रहा था। जो साथ आ भी रहे थे वह शर्तों के साथ। ऐसे में लगता है कि जनता को नियम और शर्तें लागू वाली बात पसंद नहीं आई। इसलिए जनता ने अपना मत बनाकर वोट किया है।

झारखंड में पहली बार नक्सली मुक्त हुए लोकसभा चुनाव, कहीं 20 तो कहीं 30 साल बाद वोटिंग

रांची ।

हाल फिलहाल चाईबासा का टोंटो इलाका भी माओवादियों के प्रभाव में है। टोंटो में सभी प्रमुख माओवादी अभी कैंप कर रहे हैं, लेकिन नक्सलियों के प्रभाव से मुक्ति की राह देख रहे ग्रामीणों ने यहां भी 20 सालों के बाद मतदान किया। टोंटो प्रखंड के रेंगडाहातू में 20 सालों बाद ग्रामीणों ने मतदान किया।

वहीं, पहले चरण में खूंटी के पीएलएफआई व माओवाद प्रभावित इलाकों में भी उत्साहजनक वोटिंग हुई थी, पत्थलगड़ी प्रभावित खूंटकटी गांवों में भी 2019 में जहां वोट का बहिष्कार हुआ था, वहां लोगों ने जम कर वोट डाले। दूसरे चरण में भी चतरा के टीपीसी प्रभावित इलाकों में मतदान का प्रतिशत ठीक-ठाक रहा था। संताल के दुमका का शिकारीपाड़ा का इलाका माओवादियों के लिहाज से चुनौतीपूर्ण होता था, लेकिन यहां भी अब माओवाद की कोई आहट नहीं रही। राज्य पुलिस के आंकड़ों पर गौर करें तो साल 2014 के चुनाव में सर्वाधिक नक्सल हिंसक वारदातें हुई थीं। 24 अप्रैल 2014 को दुमका से चुनाव कार्य संपन्न करा कर लौट रहे चुनावकर्मियों पर नक्सलियों ने हमला कर दिया था। पांच पुलिसकर्मी समेत आठ लोग मारे गए थे। चुनाव हिंसा की ये सबसे बड़ी वारदात थी। साल 2014 में कुल 13 नक्सल कांड राज्यभर में हुए थे। इस साल चुनाव में चार विस्फोट, पांच पुलिस मुठभेड़, एक पुलिस आक्रमण, 2 मिसचीफ, एक मारपीट की घटना हुई थी। साल 2014 के विधानसभा चुनाव में 10 नक्सल वारदातें हुई थीं।

चार पुलिस मुठभेड़, एक पुलिस आक्रमण, पांच आगजनी की वारदातें हुई थीं। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में माओवादियों ने पलामू और खरसावां में भाजपा के कार्यालय को उड़ा दिया था। जबकि विस चुनाव में चंदवा में तीन पुलिसकर्मियों पर हमला कर मौत के घाट उतार दिया गया था।बता दें कि झारखंड में 14 लोकसभा सीटों के लिए शांतिपूर्ण तरीके से चार चरणों के चुनाव संपन्न हो गए। घोर नक्सल प्रभाव वाले इलाकों में भी जहां वोट बहिष्कार की गूंज के बीच लोकतंत्र की स्याही सूखी रह जाती थी, जहां बंदूकों के साये में लोकतंत्र सिसकता था, नक्सल उन्मूलन के बाद वहां लोकतंत्र गुलजार हुआ।

भीषण गर्मी और तेज हवाओं ने फिर भड़काई जंगल की आग

-शनिवार तक पूरे उत्तराखंड में वनाग्नि की 57 घटनाएं हुईं

देहरादून।

भीषण गर्मी के बीच एक बार फिर उत्तराखंड के जंगल धधकने लगे हैं। शनिवार सुबह तक प्रदेशभर में वनाग्नि की 57 घटनाएं दर्ज की। वन विभाग के मुताबिक कई जगह आग ने विकराल रुप ले लिया, जिसे बुझाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

वनाग्नि कंट्रोल रूम के आंकड़ों के अनुसार, प्रदेशभर में शनिवार सुबह तक वनाग्नि के 57 अलर्ट आ चुके थे। उत्तरकाशी वन प्रभाग में सबसे ज्यादा 15 घटनाएं हुई। इसके बाद टिहरी में 10 और बड़कोट में आग की 8 घटनाएं सामने आईं। इसी तरह टौंस डिवीजन में 5, गोविंद वाइल्ड लाइफ सेंचुरी में 3 घटनाएं दर्ज की गईं। कुमाऊं में आग की केवल 3 घटनाएं अल्मोड़ा में दर्ज हुईं। बाकी घटनाएं गढ़वाल मंडल में सामने आईं। जंगलों में आग फैलने के पीछे तापमान में बढ़ोतरी, तेज हवाएं चलने को भी कारण माना जा रहा है। रेंजर हेमंत बिष्ट ने स्थानीय लोगों और वनकर्मियों समेत पचास लोगों की टीम बनाई और मौके पर आग बुझाने में जुट गए। टीम में वन दरोगा जयपाल रांगड़, अर्जुन कंडारी, वन रक्षक

सपना राणा, मनजीत कंडारी, जबर सिंह थे। मसूरी वन प्रभाग के तहत इस सीजन में दून और आसपास के जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ रही थीं, लेकिन कुछ समय से जनसहयोग के चलते इन घटनाओं में कमी आई है। लोगों को वनाग्नि रोकने में सहयोग के लिए जानकारी गांव-गांव में दे रहे हैं। जानबूझकर सहयोग नहीं करने पर जेल जैसी कार्रवाई भी की जा सकती है। इसके अलावा भद्रीगाड़ रेंज में भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का एनडीए को 360 सीटें मिलने का दावा

अहमदाबाद ।

लोकसभा चुनाव संपन्न हो चुके हैं और 4 जून को इसके नतीजे आएंगे। इससे पहले शनिवार को आखिरी चरण का मतदान खत्म होने के सामने आए ज्यादातर एग्जिट पोल में तीसरी बार भाजपा के नेतृत्ववाले एनडीए को बहुमत मिलने की संभावना व्यक्त की गई है. हांलाकि विपक्ष एग्जिट पोल के आंकड़े स्वीकार करने को तैयार नहीं है। ऐसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी एनडीए को 360 से अधिक सीटें मिलने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि सभी एग्जिट पोल में एनडीए को सबसे अधिक सीटें मिलने की संभावना जताई गई है। विजय रूपाणी ने कहा कि गुजरात में भाजपा सभी 26 सीटों पर जीत दर्ज करेगी और देश में 360 से भी ज्यादा सीटें मिलेंगी। पंजाब में भाजपा ने इस बार अपने दम पर चुनाव लड़ा है और वहां 2 से 5 सीट मिलने की संभावना है। क्षत्रिय आंदोलन को लेकर उन्होंने कहा कि क्षत्रिय समाज एक राष्ट्रभक्त समाज है, जिसने देश की संस्कृति के लिए अनेक बलिदान दिए हैं। आंदोलन के कारण भाजपा को थोड़ी मुश्किल जरूर हुई है, लेकिन क्षत्रियों ने अपना वोट भाजपा को ही दिया है। बता दें कि भाजपा 400+ सीटों के लक्ष्य के साथ चुनाव मैदान में उतरी थी। लेकिन ज्यादातर एग्जिट पोल में भाजपा को अपना लक्ष्य मिलता नहीं दिख रहा है। फिलहाल सभी को 4 जून का इंतजार है, जिस दिन लोकसभा चुनाव के नतीजों का ऐलान होगा।

कोलकाता में 230 बूथों पर दोबारा मतदान की मांग करेगी बीजेपी

बूथों पर लाइव वेबकास्टिंग में अनियमितता का लगाया आरोप

कोलकाता।

लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण का मतदान 1 जून का सम्पन्न हो गया। इसके बाद शाम से एग्जिट पोल के आंकड़ें सामने आने आने लगे। वहीं पश्चिम बंगाल में बीजेपी के डायमंड हार्बर लोकसभा क्षेत्र के 260 मतदान केंद्रों में से 230 पर दोबारा मतदान की मांग करेगी। बीजेपी ने बूथों पर लाइव वेबकास्टिंग में अनियमितता का आरोप लगाया है। ये सभी बूथ फाल्टा विधानसभा क्षेत्र का हिस्सा है। पश्चिम बंगाल में बीजेपी नेता शुभेंदु अधिकारी ने एक प्रेसवार्ता में कहा कि बीजेपी ने डायमंड हार्बर सीट पर फाल्टा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले 260 मतदान केंद्रों में से 230 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान के लिए चुनाव आयोग से फिर से मतदान कराने का अनुरोध करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा है कि मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग प्रक्रिया चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार काम नहीं कर रही थी। डायमंड हार्बर से बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के भतीजे और तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी मैदान में हैं। यहां से उन्होंने 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में जीत हासिल की थी।

शुभेंदु ने दावा किया है कि पुलिस ने बीजेपी के डायमंड हार्बर के उम्मीदवार अभिजीत दास उर्फ बॉबी को करीब चार घंटे तक हिरासत में रखा ताकि वह मतदान केंद्रों पर न जा सकें।

उन्होंने आरोप लगाया कि डायमंड हार्बर, मथुरापुर, जयनगर और जादवपुर निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान केंद्रों पर बड़ी संख्या में वेबकास्टिंग कैमरे लगाए गए थे। मतदान के दौरान उन्होंने चुनाव आयोग और राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को एक ईमेल भी लिखा था। इसमें उन्होंने कैमरे फिर से काम करने के सुनिश्चित होने तक मतदान प्रक्रिया को रोकने की मांग की थी।

उन्होंने पुलिस पर सत्तारूढ़ टीएमसी के लिए काम करने का आरोप लगाया।

4 जून को एग्जिट होने वाले व्यक्ति ने ही मैनेज करवाए ये एग्जिट पोल्स

-कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एग्जिट पोल को लेकर दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली।

लोकसभा चुनाव का आखिरी चरण शनिवार को सम्पन्न हो गया। मतदान के बाद आए एग्जिट पोल को लेकर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा-जिस व्यक्ति का 4 जून को एग्जिट होना तय है, उसने ये एग्जिट पोल्स मैनेज करवाए हैं। इंडिया गठबंधन को निश्चित रूप से कम से कम 295 सीटें मिलेंगी। बिल्कुल स्पष्ट और निर्णायक बहुमत। उन्होंने कहा कि निवर्तमान प्रधानमंत्री इस बीच तीन दिनों तक निश्चिंत रह सकते हैं। ये सब मनोवैज्ञानिक खेल है, जिनमें उन्होंने महारत हासिल कर ली है, लेकिन वास्तविक परिणाम इनसे बहुत अलग होंगे। बदलेगा भारत, जीतेगा इंडिया। इससे पहले विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलांयस (इंडिया) के घटक दलों के नेताओं ने शनिवार को अनौपचारिक बैठक कर लोकसभा चुनाव की मतगणना से जुड़ी तैयारियों और रणनीति चर्चा की और दावा किया कि गठबंधन को 295 से ज्यादा सीटें हासिल होंगी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर पर हुई इस बैठक में फैसला किया गया कि विपक्षी गठबंधन के घटक दल एग्जिट पोल से जुड़ी टेलीविजन चैनलों की चर्चाओं में भाग लेंगे ताकि बीजेपी और उसके तंत्र को

बेनकाब किया जा सके। विपक्षी गठबंधन ने यह भी तय किया कि अपने स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं को यह निर्देश देंगे कि चार जून को मतगणना से जुड़ी पूरी प्रक्रिया संपन्न होने तक और जीत का प्रमाण मिलने तक मतगणना केंद्रों पर मौजूद रहे। इंडिया गठबंधन ने चुनाव आयोग से रविवार को मुलाकात का समय मांगा ताकि मतगणना से जुड़े विषयों और शिकायतों को उनके सामने रखने के साथ समाधान की मांग भी कर सकें।

फ्लाइट के लिए 30 घंटे इंतजार, एअर इंडिया ने मांगी माफी

यात्रियों को दिया 350 डॉलर का वाउचर

नई दिल्ली।

एअर इंडिया की फ्लाइट में 30 घंटे की देरी होने से यात्रियों की परेशानी का सामना करना पड़ा। इससे आहत होकर एअर इंडिया ने माफी मांगी, यही नहीं उन यात्रियों को 350 डॉलर का वाउचर भी दिया। ये वाउचर सभी ट्रैवल क्लास में एक समान रूप से दिया गया है, जिन्होंने फ्लाइट का इतना लंबा इंतजार किया। सूत्रों का कहना है कि बॉम्बे हाउस में टाटा के शीर्ष नेतृत्व ने एयरलाइन के प्रबंधन से भी बात की, जिसका अधिग्रहण उन्होंने करीब ढाई साल पहले किया था। इसके बदलाव का यात्रियों को अभी भी इंतजार है। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन एयरलाइन पर कड़ी नजर जमाए हुए हैं। शनिवार को दिल्ली-वैंकूवर नॉनस्टॉप फ्लाइट 20 घंटे से ज्यादा की देरी से चली, वहीं पिछले 10 दिनों में कैलिफोर्निया की दो नॉनस्टॉप उड़ानें 18 से 30 घंटे की देरी से उड़ान भर सकी। एअर इंडिया प्रबंधन ने वैंकूवर की फ्लाइट में देरी को रिएक्ट किया। उन्होंने कहा कि 1 जून को एआई185 नंबर की फ्लाइट को सुबह 5.20 बजे दिल्ली वैंकूवर के लिए उड़ाना था। तकनीकी समस्याओं और उसके बाद चालक दल के अनिवार्य उड़ान ड्यूटी की समय सीमा के तहत आने के कारण इसमें देरी हुई। एअर इंडिया की ओर से इस दौरान मेहमानों को होटल में ठहरने की सुविधा दी गई और उन्हें पूरा रिफंड और किसी अन्य डेट पर कॉम्प्लिमेंट्री रीशिड्यूलिंग के साथ कैंसिलेशन का विकल्प दिया गया और यात्रियों को हुई परेशानी के लिए खेद जताया है। 30 मई की एआई-183 दिल्ली-सैन फ्रांसिस्को फ्लाइट में 237 यात्रियों सफर करना था, इन यात्रियों में एक नवजात भी था। हालांकि जब ये फ्लाइट 31 मई को तय समय से 30 घंटे बाद रात 10 बजे के आसपास उड़ान भरी तो केवल 199 यात्रियों ने उड़ान भरने का विकल्प चुना।

एअर इंडिया के मुख्य परिचालन अधिकारी क्लॉस गोएर्श ने बताया कि माफी के तौर पर, हम एयर इंडिया पर भविष्य की यात्रा के लिए 350 डॉलर का ट्रैवल वाउचर देना चाहते हैं। हम आपके पेमेंट सोर्स या बैंक विवरण के जरिए यह राशि आपके खाते में जमा कर सकते हैं। हम अतीत को नहीं बदल सकते, लेकिन मुझे विश्वास है कि यह अपील उनको हुई असुविधा और यात्रा में हुए व्यवधान में सच्चे दुख को दर्शाता है।

एआई ने बोर्डिंग से इनकार, उड़ानों को रद्द करने और उड़ानों में देरी के कारण एयरलाइनों की ओर से यात्रियों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं के प्रावधानों का उल्लंघन किया है। एआई बार-बार यात्रियों की उचित देखभाल करने और नियमों का पालन करने में विफल रहा है। एआई को तीन दिन में यह बताने के लिए कहा गया है कि उसके खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई क्यों नहीं शुरू की जानी चाहिए।

दुनिया भर में 53.7 करोड़ लोगों को है डायबिटीज

-चीन और भारत इसके सबसे ज्यादा शिकार

नई दिल्ली ।

दुनिया भर में 53.7 करोड़ लोगों को डायबिटीज है। लेकिन चीन और भारत इसके सबसे ज्यादा शिकार हैं। चीन में जहां 14 करोड़ लोग डायबिटीज के मरीज हैं वहीं भारत में करीब 10 करोड़ लोग डायबिटीज के शिकार हो चुके हैं। इंटरनेशनल डायबेट्स फेडरेशन के मुताबिक, डरावना सच यह है कि डायबिटीज इतनी तेजी से लोगों को अपना शिकार बना रही है कि 2030 तक हर चार में एक वयस्क व्यक्ति इसकी चपेट में आ जाएंगे। चिंता की बात यह है कि भारत को अभी से डायबिटीज कैपिटल ऑफ वर्ल्ड कहा जाने लगा है। वयस्क होते ही अधिकांश लोग डायबिटीज की जद में होते हैं। इसके लिए हर किसी को जानना जरूरी है कि कौन-कौन लोग इसकी जद में होते हैं। डायबिटीज एक ऐसी स्थिति है जिसमें खून में शुगर या ग्लूकोज की मात्रा बढ़ जाती है। ऐसा तब होता है जब पैंक्रियाज में बीटा सेल्स में गड़बड़ी हो जाती है और इस कारण इंसुलिन हार्मोन पर्याप्त नहीं बनता है या इंसुलिन हार्मोन बनता तो है लेकिन यह सही तरह से काम नहीं करता है। दरअसल, हम जो भोजन करते हैं, उसमें जो कार्बोहाइड्रैट होता है उसी से ग्लूकोज बनता है। इंसुलिन इस ग्लूकोज को पचाकर एनर्जी में बदल देता है। लेकिन जब यह नहीं पचता तो खून में तैरता रहता है जो धीरे-धीरे किडनी, हार्ट, लिवर, आंख जैसे कई अंगों को प्रभावित करने लगता है। इसलिए यह खतरनाक बन जाता है। एक बार जब डायबिटीज हो जाए तो इससे मुक्ति पाना बेहद मुश्किल हो जाता है। हैल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक डायबिटीज का जोखिम कई बातों पर निर्भर करता है। इसके लिए एक नहीं बल्कि कई कारण हैं। सामान्य जो आंकड़े हैं, उसके हिसाब से चीन और दक्षिण एशियाई लोग इसकी जद में ज्यादा हैं। हालांकि जिन लोगों का लाइफस्टाइल बहुत शिथिल या गतिहीन हैं यानी हमेशा बैठे रहते हैं, कोई शारीरिक काम नहीं करते हैं, कम हिलते-डुलते हैं, एक्सरसाइज नहीं करते, वे लोग डायबिटीज के ज्यादा शिकार होते हैं।

संक्षिप्त समाचार

देश में करीब 6.3 करोड़ लोगों को नहीं मिल पा रहा साफ पीने का पानी

-सर्वे में खुलासा- देश के करीब 22 हजार लोगों ने सर्वे में लिया भाग

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में पानी की समस्या है, खास तौर पर पीने के पानी की। इस समय दिल्ली भीषण गर्मी की चपेट में है, वहीं दूसरी तरफ केरल और देश के कई इलाकों में मानसून के जल्द आने की खबर है। बारिश के पानी को इकट्ठा करने के लिए पर्याप्त और उचित बुनियादी ढांचे की कमी के कारण पीने के पानी की कमी हो गई है। देश में करीब 6.3 करोड़ लोगों को साफ पीने का पानी नहीं मिल पा रहा है। ऐसी स्थिति में लोग डायरिया, हैजा और टाइफाइड जैसी बीमारियों से जूझ रहे हैं। सर्वे के मुताबिक डब्ल्युएचओ की एक रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि भारत में सभी घरों के लिए सुरक्षित रूप से प्रबंधित पेयजल सुनिश्चित करने की जरूरत है। सर्वे में देश के 322 से अधिक जिलों के करीब 22 हजार लोगों ने हिस्सा लिया। सर्वे में बताया कि 4फीसदी भारतीय परिवारों ने कहा कि उन्हें अपने लोकल प्लांट से पीने योग्य साफ पानी मिलता है। वहीं 41फीसदी ने कहा कि उन्हें मिलने वाले पानी की क्वॉलिटी अच्छी है लेकिन पीने लायक नहीं है। वहीं, सर्वे में दिल्ली के 3733 लोगों ने हिस्सा लिया। इनमें से 28फीसदी ने बताया कि वे पानी को साफ करने के लिए वॉटर प्यूरीफायर का इस्तेमाल करते हैं। वहीं 41फीसदी आरओ, 6फीसदी फिटकरी और अन्य खनिजों, 8फीसदी गर्म करके, 4फीसदी मिट्टी के बर्तनों का इस्तेमाल करके पानी की सफाई करते हैं। वहीं, 8फीसदी ने बताया कि वे पीने और खाने के लिए बोतल और 4फीसदी ने कहा कि जैसी सप्लाई आती है, उसे ही पीते हैं सफाई नहीं करते। उधर 26फीसदी लोगों ने कहा कि पाइप लाइन के पानी की सप्लाई खराब है। 24फीसदी ने इसे औसत, 19फीसदी ने अच्छा, 13फीसदी ने बेहद खराब और 6फीसदी ने बहुत अच्छा बताया। वहीं, 9फीसदी ने कहा कि पाइप में पानी नहीं आता। बाकी 3फीसदी ने इसपर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

कांग्रेस प्रत्याशी देवेंद्र यादव बोले - बिलासपुर में बदली गईं 611 ईवीएम

बिलासपुर। बिलासपुर संसदीय सीट की मतगणना के पहले ईवीएम पर सियासत गरमा गई है। कांग्रेस प्रत्याशी देवेंद्र यादव ने पत्रकार वार्ता कर चुनाव आयोग की प्रक्रिया पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि 611 ईवीएम बदलीं गईं और मॉक पोल और 17 सी फार्म में इनके नंबर अलग अलग बताए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह जीत-हार से अधिक बड़ा सवाल है कि बदली गई ईवीएम के नंबर में गड़बडियां क्यों की गई? मतगणना से पहले यदि इसमें स्पष्टता नहीं आती है तो हम न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे। कांग्रेस प्रत्याशी देवेंद्र यादव ने कहा कि निर्वाचन आयोग के अफसरों पर आरोप लगाया कि 611 ईवीएम में गड़बडियां भाजपा को मदद करने और चुनाव को प्रभावित करने के लिए की गईं। उन्होंने कहा कि मतगणना के पूर्व उनके द्वारा उठाई गई आपत्तियों पर जिला निर्वाचन की ओर से स्पष्टता आनी चाहिए थी, जो अब तक नहीं मिली है।

हर विधानसभा में गड़बड़ी पाई गई

देवेंद्र यादव ने कहा कि बिलासपुर और मुंगेली के जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा दिए गए दस्तावेज और मतदान दलों द्वारा दिए गए 17 सी के मिलान के बाद 98 बैलेट यूनिट में भिन्नता पाई गई। इसी प्रकार अन्य विधानसभा क्षेत्रों में पाई गई भिन्नता को मिला कर कुल 611 ईवीएम मशीनों के नंबरों में गड़बडियां पाई गईं। उन्होंने यहां तक कहा कि यदि इस मामले में स्पष्टता नहीं आती है तो यह लोकतंत्र की हत्या होगी।

वोटिंग के बाद विधायक ने इस्तीफा वापस लिया

जालंधर। पंजाब के जालंधर वेस्ट से विधायक शीतल अंगुराल ने रविवार को अपना इस्तीफा वापस ले लिया। अंगुराल 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की टिकट से चुनाव लडक़र विधायक बने थे। लोकसभा चुनाव से पहले 27 मार्च को वह भाजपा में शामिल हो गए थे। इसके बाद उन्होंने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया। विधानसभा अध्यक्ष ने वेरिफिकेशन के लिए 3 जून को शीतल अंगुराल को बुलाया था। लोकसभा चुनाव की वोटिंग के अगले दिन ही शीतल ने विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर कहा- अगर अब तक उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया जाता तो पश्चिम हलके में दोबारा चुनाव करवाने पड़ेंगे, जिससे सरकार का चुनाव खर्च भी बढ़ जाता। यही वजह है कि वह अपना इस्तीफा वापस ले रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक सतीश कुमार द्वारा रहमान प्रिंटर्स एंड स्टेशनर्स 19बी, नई बस्ती (निकट पुलीस चौकी) आबूनगर फतेहपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित कराकर दरियामऊ खागा , जिला फतेहपुर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित। संपादक - सतीश कुमार